जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 30 मई, 2026

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

~~ज़िन्दगी ना मिलेगी दोबारा~~

जिंदगी तो 84 लाख योनियों के बाद मिल जाएगी दोबारा

पर इस रेट में फ्लैट या कोठी ना मिलेगी दोबारा !

₹4000/- Sq Ft में फ्लैट !

₹5000/- Sq Ft में कोठी !

कल से 5 लाख रेट बढ़ेगी !

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 MAY 2026	30 JUNE 2026	31 JULY 2026	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 Lacs	66 Lacs	68 Lacs	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 LACS
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 LACS
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 Lacs	82.5 Lacs	85 Lacs	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 CR
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 Cr	1.075 Cr	1.10 Cr	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 CR
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.26 Cr	1.29 Cr	1.32 Cr	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 CR
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.60 Cr	1.65 Cr	1.70 Cr	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 CR

NO MIDDLE MEN

FIXED PRICE

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

KEDIA™ Pavitra

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

FIXED PRICE

मिर्च पाउडर

60,000+ SHU (तीखापन)

ORDER ON
zepto
All Kitchen Essentials From Kedia Pavitra

NO HANDLING CHARGES*

FREE DELIVERY**

UNIQUE BLEND

तीखेपन के लिए
गुंटूर की तेजा मिर्च

स्वाद के लिए नमकीन में डलने वाली
असम की लौंगी मिर्च

गहरे लाल रंग के लिए
कश्मीर की बेडगी मिर्च

क्रायोजेनिक ग्राइंडिंग तकनीक से निर्मित
लाल मिर्च पाउडर, लाकाडोंग हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800-120-2727

For joining us as Distributor or Business Development Officer
Email ID : bdm@kediapavitra.com | Call : +91 76888-66333

ORDER ON WEBSITE
ORDER ON WHATSAPP
ORDER ON APP
ORDER ON ZEPTO

T&C Apply*
Condition Apply**
MRP ₹ Incl. of all taxes

विचार बिन्दु

उत्साह से बढ़कर कोई दूसरा बल नहीं है, उत्साही मनुष्य के लिए संसार में कोई भी वस्तु दुर्लभ नहीं है। –वाल्मीकि

राजस्थान में नगर नियोजन की स्थिति और नगर विकास प्रन्यासों की सार्थकता

राजस्थान प्रदेश के किस शहर की वसावट प्लान अनुरूप की हुई है और अभी भी कायम है? संभवत: रियासत कालीन जयपुरऔर जोधपुर ही ऐसे नगर हैं जहाँ अब भी पुराने शहर नियोजन की झलक मिल जाती है। कतिपय शहरों को छोडकर भारत में स्वतंत्रता पूर्व शहरों की संख्या अंगुलिओं पर गिनने भर थी। अधिकाँश जनसंख्या तब ग्रामीण क्षेत्रों में ही निवास करती थी और उनका मुख्य पेशा खेत किसानी और उससे सम्बंधित अथवा निर्भर कुछ अन्य व्यवसाय जैसे लोहार, बढई, कुम्हार, धोबी, काछी, जुलाहे आदि भी रहे, जो वहीं रहकर अपनी आजीविका कमा लेते थे। उद्योग चूंकि तब विकसित नहीं हुए थे इसलिए शहरों की जनसँख्या बडी सीमित थी।

स्वतंत्रता पश्चात् सभी गतिविधिओं के बढ़ते निर्माण, कल-कारख़ाने, ट्रांसपोर्ट, आदि ने जहाँ मानव केंद्रित क्रिया कलापों की वृद्धि में सहायता की, वही सडकों के आभाव में ग्रामीण जनता को शहरों की तरफ पलायन को प्रेरित भी किया। फलस्वरूप, गांव उजड़ते गए और शहर बढ़ते गए। शहरों के बढ़ते क्षेत्रों ने अन्त: प्रसाशन को उन्हें नियोजित करने को बाध्य किया ताकि आवागमन, बाजार व्यवस्था, बिजली पानी और भिन्न-भिन्न प्रकार की गाडिओं के पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जा सके और उन्हें बनाये रखते हुए सभी क्रियाएं सुगमता से संचालित होती रहें।

आज़ादी के समय लगभग 80 प्रतिशत जनता गावों में रहती थी जो तत्पश्चात शनै: शनै: शहरों की तरफ आकर्षित होती गयी। आज एक आंकलन के अनुसार कुल आबादी का 60 प्रतिशत ही अब गावो में रह गया है। बढ़ते शहरी क्षेत्रों से व्यवसाय काफी बढ़ा और क्रय-विक्रय के लिए बाजार उपलब्धता भी बढ़ी। शहरों का विस्तार अभी रुका नहीं अपितु कुछ गाँव कस्बों में बदल गए और कस्बे लघु शहरों में। जिला मुख्यालय सुविधा संपन्न हो गए उनकी आबादी भी पांच लाख से ऊपर हो गई।

देश के पहले से ही बड़े शहर जैसे देहली, कोलकत्ता, चेन्नई, मुम्बई को छोड़ भी दें तो सभी प्रदेशों की राजधानियां यथा लखनऊ, देहरादून, शिमला, जयपुर, अहमदाबाद, नागपुर, भोपाल, पटना, रांची, रायपुर, हैदराबाद, बेंगलुरु शरीखे भी अब बड़े शहर बन चुके हैं। ऐसे में इन शहरों की बसावट, सड़कें, बिजली, पानी, बस अड्डा, रेल स्टेशन, मार्किट, ट्रांसपोर्ट पुलिस, अदालतें, सफाई और कचरा निस्तारण आदि फिर सबके लिए यथोचित आवास की व्यवस्था एक हिमालय सदृश्य कार्य था जिसे अंजाम देने के लिए म्युनिस्पैलिटी की जगह एक अपेक्षाकृत बड़े निकाय ''शहरी विकास प्राधिकरण'' की व्यवस्था की गयी।

इस प्राधिकरण अथवा निकाय से अपेक्षा थी सम्बंधित शहर में नियोजित विकास ही होगा। हर काम के लिए विस्तृत नियम होंगे और बिना उन नियमों की अनुपालना के कोई काम न तो शुरू होगा और न आगे बढ़ेगा। सभी अधिकारी और शहरी वाशिंदे इन नियमों के अधीन ही कार्य कर सकेंगे। देश का इसे दुर्भाग्य ही कहा जायगा क्योंकि संस्थान तो हम बड़े से बड़े करते चले गए लेकिन उनके स्वरुप और आकार में वृद्धि से उनके कार्य की गुणवत्ता सदैव बद से बदतर ही होती गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि सम्बंधित बड़े अफसर और कर्मचारी बड़ुपन का भाव तो ओढ़ लिए, पर कार्यकुशलता में वृद्धि की अपेक्षा में ह्रास ही होता चला गया। ऐसी उदासीनता और कार्य के प्रति वेरुखि का मुख्य और केवल एक ही कारण रहा- जवाबदेही का न होना। इससे अनुशासन हीनता भी बढ़ी और बड़ों के प्रति अनादर और नकारात्मकता का भाव । वरिष्ठ अधिकारी ऐसे कर्तव्यहीन कर्मचारिओं के प्रति कड़ी कार्यवाही करते डरने लगे हैं। रही सही कसर कनिष्ठ से वरिष्ठ को रिश्वत में मिली रिश्वत के अंश से जटिल होती चली गई।

सड़क के दोनों तरफ नाली निर्माण भी होता है उसके भी मापदण्ड भौगोलिक दृष्टि से होने चाहिए यथा गहराई व् चौड़ाई और ढलान। तीस फ़ीट की सड़क पर दोनों तरफ चार चार फ़ीट लम्बे रैंप और तीन तीन फ़ीट छोड़ी नाली बनने पर लगभग 14 फ़ीट सड़क बचती है जिस पर बिजली के खम्भे, पानी की लाइन और पेड़ रोपण करना जरुरी है। इनके लिए भी विशेषज्ञ द्वारा मापदंड ही लागू किये जाय। वर्तमान में पेड़ लगाने की धुन ऐसी कि निवासी अपने अगल-बगल घने और बड़े वृक्ष लगाए हुए हैं जिससे वहां पेड़ की बजाय जंगल का सा दृश्य दीखता है।

टाउन प्लानिंग से नगर विकास प्रन्यास अथवा प्राधिकरण का सफ़र नाम बड़े और दर्शन छोटे की छवि का प्रदर्शन मात्र है। आज नगर विकास प्राधिकरण जहाँ भी हैं कतिपय को छोड़ सभी आवासीय भवन व् अन्य कोई निर्माण के वास्ते नक्शा अनुमोदन और निर्माण स्वीकृति तक ही सीमित हैं। उनके भी नियंत्रण और सतत निरीक्षण को कोई तंत्र व्यवस्था गठित नहीं की गई है फलस्वरूप नक्शा अनुमोदन पश्चात् निर्माण कर्ता अनुमोदित से परे अपनी मर्जी से परिवर्तित कर निर्माण करता है। इतना ही नहीं निर्माण के लिए नियम कभी सरकार बनाती तो कभी लोकल बोडीज़ और कभी प्राधिकरण। ऐसे में पूर्व के अनुमोदन स्वरुप बने भवन दसिओं साल बाद में बगल के ही खाली भूखंड पर बनने वाले निर्माण से पूर्व के पडोसी को झगड़ा-फसाद में उलझना पड़ता है, जिसका मुख्य कारण प्रदेश सरकार में बैठे अधिकारिओं द्वारा पूर्व की ही कोलोनिओं के नियमों में बदली करने से होता है और उसका दुष्परिणाम नवीन निर्माण करनेवाले को भुगतना पड़ता है।

नियम भी अपूर्ण, अधकचरे और अविवेकी बनते हैं उनमे कहीं भी स्पष्टता या पारदर्शिता व् विशेषग्यता की झलक नहीं मिलती। उदाहरण भूखंड के सामने वाली सड़क की चौड़ाई से फ्रेंटज, बैकस्पेस और साइड स्पेस का कोई मेल नहीं खाता। अमूमन किसी भी नगर में 25, 30, 40, 60 व् 100 फ़ीट चौड़ी और कतिपय सौ से अधिक चौड़ी सड़कें बनती हैं, ऐसे में यह आवश्यक है कि इन सडकों पर प्रस्तावित भवनों के सभी मानदंड भिन्न ही होने चाहिए। एक बार अनुमोदित मानदंड भविष्य में भले ही तीन दशक से अधिक खाली भूखंड पर निर्माण करे मानदंड पूर्व के ही लागू हों। फिर निर्माण के समय प्लिंथ की धरातल अथवा सामने की सड़क से ऊंचाई भी सभी भूखंडों के लिए सामान ही हो। और फ्रंट सड़क की तरफ खुलने वाले द्वार से रैंप की लम्बाई सड़क की चौड़ाई के अनुरूप 3 फ़ीट से 5 फ़ीट निर्धारित हो वर्तमान में कई मालिक अपेक्षा से अधिक ऊंची प्लिंथ रखते हैं जिससे अपनी सुभीता के लिए लम्बा रैंप लम्बा बनाकर आगे सड़क तक घेर सकें। विस्तृत व स्थिर नियमों के न रहते और निरीक्षण के अभाव में लोग निज स्वार्थवश अव्यवस्था को बढ़ाते चले जाते हैं। उदयपुर की कोलोनिओं में इस तरह के असंगत निर्माण भरे पड़े हैं।

सड़क के दोनों तरफ नाली निर्माण भी होता है उसके भी मापदण्ड भौगोलिक दृष्टि से होने चाहिए यथा गहराई व् चौड़ाई और ढलान। तीस फ़ीट की सड़क पर दोनों तरफ चार चार फ़ीट लम्बे रैंप और तीन तीन फ़ीट छोड़ी नाली बनने पर लगभग 14 फ़ीट सड़क बचती है जिस पर बिजली के खम्भे, पानी की लाइन और पेड़ रोपण करना जरुरी है। इनके लिए भी विशेषज्ञ द्वारा मापदंड ही लागू किये जाय। वर्तमान में पेड़ लगाने की धुन ऐसी कि निवासी अपने अगल-बगल घने और बड़े वृक्ष लगाए हुए हैं जिससे वहां पेड़ की बजाय जंगल का सा दृश्य दीखता है। जिसका सबसे प्रमुख नुकसान स्ट्रीट लाइटों की रौशनी सड़क पर न होकर आकाश और निकटवर्ती घर को ही प्रकाश देती है। वृक्षों की किस्म से कोई सरोकार नहीं, विवेकता से पेड़ों की किस्म का चयन, दूरी निर्धारित कर पेड़ रोप जायँ। स्ट्रीट लाइटों की सड़क से ऊंचाई भी ऐसी रखी जाय ताकि बिना किसी अवरोध सम्पूर्ण प्रकाश सड़क पर ही केंद्रित हो।

आखिर में सम्पूर्ण वर्षा और घर के पानी की निकासी समुचित ढलान देकर और नियमित सफाई व्यवस्था से निश्चित की जावे। दिन के उजाले में स्ट्रीट बल्ब अथवा ट्यूब जलती नहीं छोड़नी चाहिए। उपरोक्त सुझावों के साथ ही एक सक्षम निगरानी तंत्र जिसकी जवाबदेहि भी हो, विकसित किया जाय जो यदा-कदा पूरे नगर में निरीक्षण करता रहे और प्रतिकूल स्तिथिओं में अवज्ञाकारी के प्रति बुलडोज़र कार्यवाही करवा सके। उपरोक्त कुछ मुख्य बातें नगर नियोजन सम्बंधित मेने पाठकों के समक्ष रखी हैं, आशा है कि सम्बंधित व्यक्ति, अधिकारी, संस्थाएं इन पर विचार कर यथोचित कदम उठाएंगे ताकि नगर नियोजन सार्थकता सिद्धि हो सके और नियोजन का प्रयोजन सफल भी दिखे।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं खाद्य विज्ञ,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

थार के रेगिस्तान के बीच खड़ा जैसलमेर किला आज भी अपने 99 बुर्जों और सदियों पुराने इतिहास की देता है गवाही

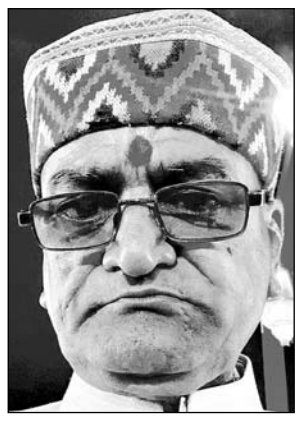

अचल दास डांगरा

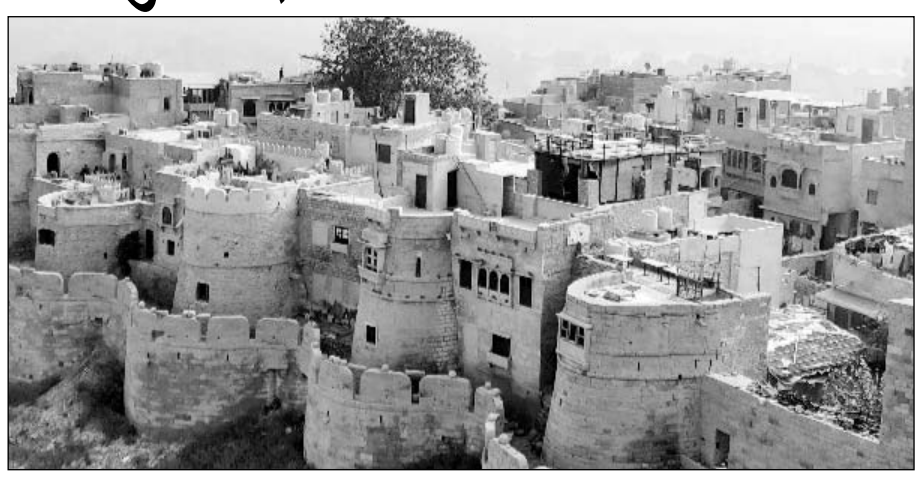

राजस्थान के स्वर्ण नगरी जैसलमेर का सोनार किला अपनी अद्भुत स्थापत्य कला और 99 बुर्जों के कारण विश्वभर में प्रसिद्ध है। इस दुर्ग का निर्माण वर्ष 1156 ईस्वी में भाटी शासक रावल जैसल ने त्रिकूट पहाड़ी पर करवाया था। पीले बलुआ पत्थरों से बना यह किला सूर्य की रोशनी में सोने की तरह चमकता है, इसी कारण इसे सोनार किला या गोल्डन फोर्ट भी कहा जाता है।

इतिहासकारों के अनुसार किले में कुल 99 बुर्ज हैं, जिनमें से 92 बुर्जों का निर्माण 1633 से 1647 के बीच सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए कराया गया था। यह दुर्ग करीब 250 फीट ऊंचा है और 30 फीट ऊंची दीवारों से घिरा हुआ है।

यह किला केवल एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं बल्कि आज भी जीवंत शहर की तरह आबाद है। किले के भीतर आज भी लोग रहते हैं, दुकानें चलती हैं, मंदिरों में पूजा होती है और पर्यटक राजस्थानी संस्कृति की झलक देखते हैं। यही वजह है कि जैसलमेर दुर्ग को दुनिया के सबसे पुराने लिविंग फोर्ट्स में गिना जाता है।

इतिहास में यह दुर्ग कई युद्धों और आक्रमणों का साक्षी रहा है। अलाउद्दीन खिलजी से लेकर मुगलों तक ने इस किले पर कब्जा करने की कोशिश की, लेकिन भाटी राजपूतों की वीरता ने इसे लंबे समय तक सुरक्षित रखा। व्यापारिक दृष्टि से भी यह दुर्ग प्राचीन सिल्क रूट का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता था।

वर्ष 2013 में यूनेस्को ने जैसलमेर फोर्ट को राजस्थान के हिल फोर्ट्स समूह में विश्व धरोहर घोषित किया। आज यह दुर्ग राजस्थान पर्यटन की पहचान बन चुका है और हर साल लाखों पर्यटक यहां पहुंचते हैं।

–अचल दास डांगरा,
वरिष्ठ पत्रकार

भीलवाड़ा के शिवनगर में लोगों को कई माह से नहीं मिल रहा पानी

मूलभूत सुविधाओं की कमी और पानी की बूंद-बूंद को तरस रहे क्षेत्रवासियों ने मटकियां फोड़कर प्रदर्शन किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के 100 फीट रोड स्थित किरण मार्केट के सामने बसे शिवनगर क्षेत्र में पिछले कई महीनों से पेयजल संकट गहराया हुआ है। मूलभूत सुविधाओं की कमी और पानी की बूंद-बूंद को तरस रहे क्षेत्रवासियों के सब्र का बांध आखिरकार शुक्रवार को टूट गया। प्रशासन की बेरुखी से नाराज शिवनगर के बाशिंदों ने 100 फीट मुख्य मार्ग पर बीच सड़क टेंपो लगाकर रास्ता जाम कर दिया और मटकियां फोड़कर उग्र प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं और स्थानीय लोगों ने "पानी दो... पानी दो" के नारे लगाते हुए जलदाय विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ जमकर आक्रोश जताया।

- **प्रदर्शनकारियों ने जलदाय विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 6 महीने से अधिक समय से क्षेत्र में पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप पड़ी है**

प्रदर्शनकारियों ने जलदाय विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 6 महीने से अधिक समय से क्षेत्र में पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप पड़ी है। नलों से पानी की जगह सिर्फ हवा निकल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जलदाय विभाग की लापरवाही का आलम यह है कि पानी की एक बूंद नहीं मिल रही, लेकिन हर महीने नलों के बिल नियमित रूप से भेजे जा रहे हैं। क्षेत्रवासी ईमानदारी से पानी के बिल जमा करवा रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें पीने के पानी के लिए निजी टैंकरों पर निर्भर होना पड़ रहा है या दूर-दराज से पानी ढोना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, इस समस्या को लेकर वे कई बार स्थानीय पार्षद से लेकर जलदाय विभाग के उच्चाधिकारियों तक लिखित और मौखिक शिकायतें कर चुके हैं। उच्च अधिकारियों द्वारा मामले में निर्देश दिए जाने के बावजूद भी जमीनी स्तर पर जिम्मेदार कनिष्ठ अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। हर बार अधिकारियों की ओर से सिर्फ कोरा आश्वासन ही थमा दिया जाता है, जिससे समस्या जस की तस बनी हुई है। चक्काजाम और मटकी फोड़ प्रदर्शन कर रहे शिवनगर वासियों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यह तो सिर्फ एक ट्रेलर था, अगर जल्द ही क्षेत्र में नियमित पेयजल आपूर्ति बहाल नहीं की गई और मूलभूत सुविधाएं नहीं सुधारी गईं, तो वे उग्र आंदोलन और अनिश्चितकालीन चक्काजाम करने को मजबूर होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन और जलदाय विभाग की होगी।

बाल विवाह रुकवाया

डूंगरपुर, (निसं)। कुआ थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत डूंगर सारण में एक बालक का बाल विवाह कराए जाने की सूचना बाल अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को प्राप्त हुई। सूचना में बताया गया कि बालक की उम्र करीब 18 वर्ष है और उसका विवाह करवाया जा रहा है।

सहायक निदेशक, बाल अधिकारिता विभाग डॉ. कल्पित शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक मेहुल शर्मा ने तुरंत इसकी सूचना जिला प्रशासन एवं कुआ पुलिस थाना को दी। इसके बाद तहसील चिखली, कुआ पुलिस तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान बालक के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया, जिसमें उसकी उम्र 20 वर्ष 2 माह पाई गई। इसके बावजूद टीम ने मौके पर चल रही विवाह प्रक्रिया को रुकवाया तथा बालक के माता-पिता को भविष्य में बाल विवाह नहीं कराने के लिए तहसील चिखली द्वारा पाबंद किया। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष भावेश जैन ने बालक को शिक्षा से जोडने की जानकारी दी।

अजमेर में काजीपुरा लैपर्ड सफारी का विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने निरीक्षण किया

अजमेर, (निसं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने निर्माणाधीन काजीपुरा लैपर्ड सफारी का निरीक्षण कर विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाकर इस वर्ष के अंत तक सफारी को आमजन के लिए शुरू करने के निर्देश दिए। देवनानी ने सफारी परिसर में विकसित किए जा रहे टिकट काउंटर, मुख्य द्वार, प्रशासनिक भवन तथा अन्य निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने चौकियों और निगरानी टावरों का भी अवलोकन कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। सफारी मार्ग का निरीक्षण करते हुए इसे पर्यटकों के अनुकूल और सुव्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने बताया कि लगभग साढ़े चार हेक्टेयर क्षेत्र में शाकाहारी वन्यजीव संरक्षण क्षेत्र विकसित किया जा रहा है, जहां वन्यजीवों को प्राकृतिक वातावरण में अनुकूल बनाया जाएगा। बाद में उन्हें जंगल क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। यहां घेराबंदी, आश्रय स्थल और जलकुंड का निर्माण भी किया जा रहा है। देवनानी ने मुख्य द्वार, टिकट काउंटर और प्रशासनिक भवन सहित विभिन्न स्थलों पर राजस्थान की वन्य धरोहर को दर्शाने वाली आकर्षक चित्रकारी करवाने के निर्देश दिए।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने निर्माणाधीन काजीपुरा लैपर्ड सफारी का निरीक्षण कर विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि इससे सफारी का सौंदर्य बढ़ेगा और पर्यटकों में वन्यजीवन के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। उन्होंने सफारी क्षेत्र में बनाई जा रही चारदीवारी की गुणवत्ता की जांच कर अतिक्रमण रोकने के निर्देश दिए। साथ ही वर्षा जल संरक्षण के लिए छोटे बांधों में जल संचय सुनिश्चित करने और बड़े स्तर पर पौधारोपण कराने को कहा। देवनानी ने कहा कि भैरव घाटी प्राकृतिक रूप से अत्यंत सुंदर क्षेत्र है और यहां विकसित हो रही लैपर्ड सफारी अजमेर को प्राकृतिक पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी। उन्होंने भैरव मंदिर क्षेत्र के विहंगम दृश्य स्थल को दर्शनीय बिंदु के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा घाटी क्षेत्र में सूर्यास्त स्थल, सेल्फी प्वाइंट तथा अन्य पर्यटन स्थलों को प्राकृतिक स्वरूप में विकसित करने को कहा। सूरजपोल स्थित सम्राट पृथ्वीराज चौहान के अस्तबल क्षेत्र को भी दर्शनीय स्थल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। पर्यटकों के लिए बैठने और अल्पाहार की व्यवस्था विकसित करने के सुझाव भी दिए गए। इस अवसर पर सहायक वन संरक्षक विभा चौधरी सहित विभागीय अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

- **देवनानी ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाकर इस वर्ष के अंत तक लैपर्ड सफारी को आमजन के लिए शुरू करने के निर्देश दिए**
- **वासुदेव देवनानी ने भैरव मंदिर क्षेत्र के विहंगम दृश्य स्थल को दर्शनीय बिंदु के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए**

जोधपुर : भीषण गर्मी में भी भोगिशैल परिक्रमा यात्रा में उमड़ रहे श्रद्धालु

जोधपुर, (कासं)। हिंदू सेवा मंडल की ओर से निकाली जा रही भोगिशैल परिक्रमा यात्रा में श्रद्धा का ज्वार उमड़ पड़ा है। भीषण गर्मी और तेज धूप के बावजूद श्रद्धालु कठिन पथरीले पहाड़ी रास्तों पर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। आज पांचवें दिन भोगिशैल परिक्रमा यात्रा अपने अगले पड़ाव बेरीगंगा तीर्थ पहुंची।

हिंदू सेवा मंडल द्वारा निकाली जा रही भोगिशैल परिक्रमा यात्रा ने आज सुबह पांच बजे वैजनाथ महादेव मंदिर से प्रस्थान किया। इसके बाद यह यात्रा वैजनाथ पगडण्डी, मंडलनाथ महादेव, कुण्डली माता, बीएसएफ, जोगी तीर्थ, दईजर माता मंदिर होते हुए बेरीगंगा पहुंची। दिन एवं रात्रि विश्राम बेरीगंगा क्षेत्र में किया गया है। भोगिशैल परिक्रमा के पांचवे दिन पूर्व महारानी हेमलता राज्ये ने सुबह चार बजे से 8.15 बजे तक करीब दस किलोमीटर घोर अंधेरे से उजाले तक पथरीले, पहाड़ी व तंग रास्ते पर पैदल चलकर परिक्रमा करते हुए अनेक मंदिरों में दर्शन किए व मारवाड़ की खुशहाली की प्रार्थना की। बेरी गंगा पहुंचने से पहले रास्ते में राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने हेमलता राज्ये की अगवानी की। अ. भा. मा. म. संगठन के तत्वावधान में माताजी भक्ति सागर ग्रुप ने भोगिशैल परिक्रमा पदयात्रा में शामिल जातरुओं के लिए सेवा कार्य किए। अध्यक्ष मुन्नी भाटी ने बताया कि प्रमुख संयोजक संतोष राठी के नेतृत्व में 31 महिलाओं का समूह बस से एक दिवसीय परिक्रमा यात्रा पर निकला। महिलाओं ने रातानाडा स्थित गजानंद मंदिर एवं प्रगट संतोषी माता मंदिर के दर्शन किए। इसके बाद बेरीगंगा में स्नान कर बैजनाथ, बड़ली भैरुजी के दर्शन करते हुए चौपासनी मार्ग से जबरेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 30 मई, 2026

प्रथम ज्येष्ठ मास (अधिक), शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, विशाखा नक्षत्र दिन 1:20 तक, शिव योग रविवार प्रात: 5:25 तक, वणिज करण दिन 11:58 तक, चन्द्रमा प्रात: 6:39 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-तुला, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग दिन 1:20 तक है। भद्रा दिन 11:58 से रात्रि 1:06 तक है। आज चान्द पूर्णिमा व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:19 से 9:01 तक, चर 12:24 से 2:06 तक, लाभ अमृत 2:06 से 5:29 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:11

मेष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृष

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं पर धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। घर-परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कन्या

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला

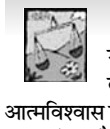

मानसिक तनाव दूर होने लगेगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मीन

व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 296 प्रभात जयपुर, शनिवार 30 मई, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

Defamed over centuries Cacti finds gardens...

An archaeological site in Chile has been dated to around 15,000 years ago, suggesting cacti would have been encountered by humans there

The Inculturation of Christianity in India

Pashmina, Kani, Jamawar And Now Shahtoosh

एक बार जो सामान तृणमूल कांग्रेस के कार्यालयों में पहुंचता है, वो कभी बाहर नहीं निकलता

तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बारे में अजीबोगरीब कहानियाँ सामने आ रही हैं

- लोगों ने जब टीएमसी के दफ्तरों पर धावा बोला तो वहाँ तिरपाल का ज़खीरा मिला, जो शायद भारी बारिश या बाढ़ के समय जनता को देने के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी किया गया था।
- एक अन्य दफ्तर में बहुत से प्लास्टिक के हरे व नीले डस्टबिन मिले, जो जैविक कचरे व अजैविक कचरे के लिए थे। पर, इन्हें भी जमा कर लिया गया, पता नहीं क्यों?
- आम जनता के लिए भेजी जाने वाली हर सामग्री, जब भी तृणमूल के दफ्तरों में पहुंचती थी तो वहाँ जमा हो जाती थी, कभी भी जरुरतमंद तक नहीं पहुंची।
- कुछ दफ्तरों में तो बड़ी संख्या में जमीनों और भवनों के मूल दस्तावेज भी मिले हैं पुलिस को यकीन है कि इसमें इन क्षेत्रों के तृणमूल पार्षद लिप्त हैं। पुलिस ने कई पार्षदों व स्थानीय निकायों के कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से भी कई दस्तावेज मिले हैं।
- एक कार्यकर्ता के पास मछलियों के भोजन के 13 बैग मिले, यह पता नहीं उसने इतना सारा मछलियों का खाना क्यों जमा कर रखा था।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 मई। तृणमूल कांग्रेस पार्टी के दफ्तरों से लगातार ऐसी अजीब चीजें बरामद हो रही हैं, जो किसी राजनीतिक दल के कार्यालय में नहीं होनी चाहिए। इससे यह समझ में आ रहा है कि टीएमसी ने किस तरह के लोगों को अपने साथ जोड़ा था।

आज के समय में किसी राज्य की सत्ता में बैठी राजनीतिक पार्टी एक बड़ी कंपनी की तरह होती है, जिसमें लाखों लोग काम करते हैं। केवल पश्चिम बंगाल को ही देखें। राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी को विधानसभा चुनावों के अलावा, नगर निकायों के चुनावों में भी 4,000-5,000 उम्मीदवार उतारने पड़ते हैं।

जैसे-जैसे आप पदानुक्रम में नीचे जाते हैं, मैनपावर की जरूरत और बढ़ती जाती है। इसलिए सभी चुनावी निकायों के लिए सही और काबिल लोगों को ढूंढना अपने आप में बहुत बड़ा काम है। हालांकि, उससे भी कठिन काम है, उन लोगों की काबिलियत और उनके कामकाज पर लगातार सही नियंत्रण बनाए रखना।

इसी संदर्भ में, पूर्व पार्टी पदाधिकारियों और स्थानीय लोगों के बीच हो रहीं हिंसक और विवादित झड़पों की मौजूदा घटनाएं इस समस्या की असली जड़ को सामने ला रही हैं।

जब स्थानीय लोग पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी के दफ्तरों पर छापे मार रहे हैं और वहां तोड़फोड़ कर रहे हैं, तो उन्हें वहां तिरपालों के ढेर मिल रहे हैं। ये तिरपाल भारी बारिश, बाढ़, तूफान और दूसरी प्राकृतिक आपदाओं के समय जरूरतमंद लोगों में बांटने के लिए थे।

ये राहत सामग्री लोगों में बांटने के बजाय, नगर निकाय के पार्षदों और पार्टी पदाधिकारियों ने अपने दफ्तरों में जमा करके रखी हुई थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कलेक्टर ने अपने अधिकार से बाहर पैनल्टी कैसे लगाई?'

जयपुर, 29 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने शक्ति से बाहर जाकर अलवर कलेक्टर की ओर से सहायक विकास अधिकारी की वेतन वृद्धि संचयी प्रभाव से रोकने पर पंचायती राज विभाग और कार्मिक विभाग सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश देवेन्द्र कुमार की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि

- हाई कोर्ट ने सहायक विकास अधिकारी की वेतन वृद्धि रोकने पर जवाब मांगा।

याचिकाकर्ता वर्तमान में सहायक विकास अधिकारी के पद पर कार्य कर रहा है। मई, 2017 में उसे विकास अधिकारी पद का चार्ज दिया गया था। इस दौरान कुछ काम अधूरे रहने और एमआईएस पोर्टल पर कार्यो के अपलोड नहीं होने पर याचिकाकर्ता को अलवर कलेक्टर ने 17 सीसीए के तहत चार्जशीट दी। जिसका जवाब याचिकाकर्ता की ओर से देकर कहा गया कि कार्य पूरा होने के बाद तकनीकी कारण से उसे पोर्टल पर अपलोड नहीं किया जा सका। इसके बावजूद कलेक्टर ने 30 जनवरी, 2018 को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोहनजोदाड़ो की पशुपति मुहर पर एक बार फिर टकराए इतिहासकार

अमेरिकन इतिहासकार ऑड्री ट्रुश्के ने दावा किया है कि इस मुहर पर हिंदू देवता शिव नहीं बल्कि "लॉर्ड ऑफ एनिमल्स" की आकृति है, जो ईरान में विकसित प्रोटो-एलामाइट प्रतिमा विज्ञान से प्रेरित है

- ज्ञातव्य है कि प्रोटो-एलामाइट प्रतिमा विज्ञान का विकास 3200 से 2700 ईसा पूर्व ईरान में हुआ था।
- भारतीय विद्वानों ने इससे असहमति जताई और कहा, पशुपति मुहर में हाथी, भैंस और गैंडे की आकृतियाँ हैं, ये जानवर ईरान में नहीं भारत में मिलते थे।
- ट्रुश्के के दावे पर कई भारतीय इतिहासकारों ने नाराज़गी जताई, जो भारतीय सांस्कृतिक मंत्रालय के इस दावे का समर्थन करते हैं कि सील में जो आकृति है, वह "मूलबंधासन" में बैठी है। यह एक योगिक मुद्रा है और इसका संबंध शैव प्रतीकवाद से है।
- गौरतलब है कि 1920 के दशक में ब्रिटिश पुरातत्वविद् जॉन मार्शल, जिनकी निगरानी में मोहनजोदाड़ो में खनन हुआ था, ने मुहर की आकृति को शिव बताया था।

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 मई। 4300 वर्ष पुरानी मोहनजोदड़ो की एक मुहर को लेकर बड़ा ऐतिहासिक विवाद खड़ा हो गया है। अमेरिकी इतिहासकार ऑड्री ट्रुश्के ने इस पुरावशेष की भारतीय सरकार द्वारा की गई व्याख्या को चुनौती दी है। ट्रुश्के ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भारतीय सरकार के लंबे समय से चले आ रहे उस दावे का विरोध किया, जिसमें इस मुहर को भारत की "अखंड सभ्यतागत निरंतरता" का शक्तिशाली प्रतीक बताया गया है और इस मुहर पर बनी, बैठी हुई आकृति को "शिव-पशुपति" के रूप में चिन्हित किया गया है।

ट्रुश्के ने इसका विरोध करते हुए कहा कि यह आकृति संभवतः पशुओं के स्वामी को दर्शाती है, न कि हिंदू देवता शिव को। उनकी इस टिप्पणी से इतिहासकारों के बीच बहस छिड़ गई है और कई इतिहासकारों ने भारतीय सरकार की व्याख्या का समर्थन किया है। संस्कृति मंत्रालय का कहना है कि मुहर पर बनी आकृति "मूलबंधासन" मुद्रा में बैठी हुई है, जो एक योग मुद्रा है और शिव परंपरा के प्रतीक को दर्शाती है।

ट्रुश्के ने कहा है कि यह आकृति शिव की नहीं है, बल्कि इसे प्रोटो-एलामाइट प्रतिमा-विज्ञान से लिया गया है। प्रोटो-एलामाइट सभ्यता आज के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हरियाणा में चलेगी देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

रेल मंत्रालय ने जींद-सोनीपत सैक्शन में 10 कोच की ट्रेन चलाए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी

- ट्रेन 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी, हाल ही में इसका ट्रायल किया गया था।
- जींद में हाइड्रोजन जनरेशन यूनिट से हाइड्रोजन स्टोरेज सिस्टम में कम्प्रैस्ड हाइड्रोजन के भंडारण के लिए लाइसैंस भी दिया गया है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 मई। एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, रेलवे मंत्रालय ने जींद और सोनीपत के बीच देश की 10-कोच वाली पहली हाइड्रोजन डीईएमयू (डीज़ल-इलैक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) ट्रेन सेवा को मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा विकास और रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, "यह हाइड्रोजन डीईएमयू ट्रेन भविष्य की परियोजनाओं को ध्यान में रखते हुए एक मील का पत्थर साबित होगी।"

जींद, हरियाणा में हाइड्रोजन जनरेशन यूनिट से हाइड्रोजन स्टोरेज सिस्टम में कम्प्रैस्ड हाइड्रोजन गैस (सीएचजी) के भंडारण और भराई के लिए लाइसेंस प्रदान किया गया है, ताकि इसे ऑटोमोबाइल ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

यह ट्रेन अधिकतम 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी और इसके ट्रायल रन पहले ही किए जा चुके हैं।

रेलवे बोर्ड के सिविल इंजीनियरिंग निदेशक किशन रावत द्वारा 22 मई को रिसर्च डिज़ाइन एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइजेशन के महानिदेशक, और उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक को भेजे गए पत्र के अनुसार, रोलिंग स्टॉक की मंजूरी केवल जींद-सोनीपत सेक्शन पर संचालन के लिए दी गई है, जबकि ट्रेनसेट का निर्धारित रखरखाव दिल्ली की शकूरबस्ती में किया जाएगा।

रावत ने कहा कि जींद-शकूरबस्ती-जींद के बीच ट्रेनसेट की "डैड कंडीशन" में आवाजाही (लोकोमोटिव द्वारा खींचकर) के लिए आवश्यक अनुमति मौजूदा नियमों के अनुसार सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि कंट्रोल रूम में 247 कर्मचारियों की तैनाती,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जहरीली शराब से पुणे व पिंपरी-चिंचवाड़ में 20 की मौत

पुणे, 29 मई। महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी चिंचवड़ में जहरीली शराब पीने से अब तक 20 लोगों की जान जा चुकी है। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। मामले में पिंपरी चिंचवड़ के फुगेवाड़ी इलाके में 14 लोगों की मौत हुई है, जबकि पुणे के हडपसर में छह लोगों ने दम तोड़ा। फिलहाल आठ लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

- मुख्य आपूर्तिकर्ता योगेश वानखेडे सहित आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस और राज्य आबकारी विभाग ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई की है। मामले में पुलिस ने मुख्य आपूर्तिकर्ता योगेश वानखेड़े समेत आठ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जांच के लिए प्रदेश में पर्याप्त एफ.एस.एल. लैब नहीं होना एक चिंता का विषय'

हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए, डीजी कानून व्यवस्था सहित अन्य अफसरों को अगली सुनवाई पर 21 जुलाई को वीसी के जरिए कोर्ट से जुडने के निर्देश दिए हैं

- हाईकोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि, "सुप्रीम कोर्ट की ओर से प्रकाश सिंह के मामले में 20 साल पहले अलग-अलग विंग (कानून व्यवस्था तथा अपराध व जांच) बनाने के संबंध में दिए आदेश की पालना आज तक नहीं हो पाई है।"
- इस प्रकरण में एडीजी वीके सिंह ने अदालत में बताया कि, सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की पालना में डीजीपी ने एक कमेटी गठित की है। जिसने रिपोर्ट दी है कि पुलिस थानों में अलग-अलग कानून व्यवस्था, अनुसंधान और प्रशासनिक विंग स्थापित की जाएगी।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक आपराधिक मामले में कहा है कि प्रदेश में पर्याप्त जांच प्रयोगशालाएं उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में पुलिस दूसरे राज्यों में स्थिति प्रयोगशालाओं की ओर से दी रिपोर्ट के आधार पर अपनी जांच कराने के लिए मजबूर है, जिससे जांच में अनावश्यक देरी होती है और अपराधी अक्सर इसी देरी का लाभ उठाना चाहते हैं। ऐसे में अब समय आ गया है कि जांच करने वाले कर्मचारियों के पदों की संख्या बढ ाई जाए, ताकि एफएसएल रिपोर्ट समय पर मिल सके।

अदालत ने यह भी कहा कि पुलिस जांच शाखाओं को मजबूत करना चाहिए और जांच में तेजी के प्रयास किए जाने चाहिए। अदालत ने कहा कि जांच में होने वाली देरी त्वरित सुनवाई के अधिकार का उल्लंघन करती हैं। वहीं अदालत ने आदेश की कॉपी मुख्य सचिव, एसीएस गृह और डीजीपी को भेजी है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश प्रेम प्रकाश की ओर से दायर आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने डीजी कानून व्यवस्था सहित अन्य अफसरों को आगामी सुनवाई 21 जुलाई को वीसी के जरिए अदालत से जुडने को कहा है।

अदालत ने कहा कि कई बार आपराधिक मामलों की जांच समय पर नहीं होती, क्योंकि जांच अधिकारी को ही कानून व्यवस्था का जिम्मा सौंप दिया जाता है। जिसके चलते उसे दोनों काम एक साथ करने में कठिनाई होती है। विधि आयोग की 154वीं रिपोर्ट में भी दोनों कामों के लिए अलग-अलग व्यवस्था करने को कहा गया है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट की ओर से प्रकाश सिंह के मामले में बीस साल पहले अलग-अलग विंग (कानून व्यवस्था तथा अपराध व जांच) बनाने के संबंध में दिए आदेश की पालना आज तक नहीं हो पाई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वाइस एडमिरल अजय कोचर नौसेना के उपप्रमुख बने

नई दिल्ली, 29 मई। ऑपरेशन सिंदूर के रणनीतिकार रहे वाइस एडमिरल अजय कोचर ने शुक्रवार को नई दिल्ली में नौसेना स्टाफ के नए वाइस चीफ का पदभार संभाल लिया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत नौसेना की महत्वपूर्ण संपत्तियों की आक्रामक

- उन्होंने वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन की जगह ली, जिन्हें पश्चिमी नौसेना कमान का प्रमुख बनाया गया।

फॉरवर्ड तैनाती को लागू करने में अहम भूमिका निभाई थी। वाइस एडमिरल कोचर ने वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन की जगह ली है, जिन्हें पश्चिमी नौसेना कमान का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है। वाइस एडमिरल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'रिज़र्व आदेशों पर तीन माह में अंतिम फैसला सुनाया जाए'

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बैंच ने देश भर के हाई कोर्ट्स के लिए अंतिम महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए

- सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक सुस्ती पर प्रहार करते हुए कहा, "न्याय में देरी, न्याय नहीं मिलने के समान ही है" और फैसलों में देरी से याचिकाकर्ताओं को अपूरणीय नुकसान झेलना पड़ता है।
- सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि जमानत याचिकाओं पर उसी दिन या अगले दिन फैसला हो जाना चाहिए और जेल प्रशासन को तुरंत इसकी जानकारी दी जानी चाहिए ताकि कैदी की त्वरित रिहाई हो सके।

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 29 मई। "न्याय में देरी, न्याय से वंचित करने के समान है!" न्यायिक सुस्ती पर कड़ा प्रहार करते हुए, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने देशभर के सभी उच्च न्यायालयों को ऐतिहासिक निर्देश जारी किए हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची की पीठ ने सख्ती से आदेश दिया है कि आदेश सुरक्षित रखे जाने के तीन महीने के भीतर अंतिम फैसला सुनाया जाना अनिवार्य होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने विलंबित फैसलों के कारण वादियों (मुकदमा दायर करने वाले) को होने वाले अपूरणीय नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की। एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि जमानत आदेश उसी दिन या अधिकतम अगले दिन सुनाए जाएँ, और कैदी की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए जेल प्रशासन को तुरंत सूचित किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया, जिसमें फैसले सुनाने में बढ़ती देरी और न्याय की प्रतीक्षा कर रहे वादियों को हो रही कठिनाइयों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई।

सर्वोच्च न्यायालय का मानना था कि फैसलों में लंबी देरी न्यायिक प्रणाली में जनता के विश्वास को कमज़ोर करती है और अक्सर मुकदमेबाज पक्षों को व्यक्तिगत, वित्तीय और कानूनी रूप से अपूरणीय नुकसान पहुँचाती है।

न्यायिक अनुशासन और जवाबदेही की आवश्यकता पर जोर देते हुए, पीठ ने सभी उच्च न्यायालयों को निर्देश दिया कि आदेश सुरक्षित रखे जाने के बाद तीन महीने की समय सीमा का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

व्यक्तिगत स्वतंत्रता से संबंधित एक विशेष महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश में, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि जमानत आवेदन सुनवाई समाप्त होने के बाद, सामान्यतः उसी दिन या, अधिकतम, अगले दिन निपटा दिये जाएँ। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि जमानत मिलने के तुरंत बाद जेल अधिकारियों को सूचित किया जाना चाहिए ताकि प्रक्रिया में चूक या संचार में विलंब के कारण कैदी अनावश्यक रूप से जेल में न रहें।

कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय भारत में न्यायिक प्रशासन पर दूरगामी प्रभाव डाल सकता है, जहाँ अदालतों में देरी लंबे समय से एक गंभीर चिंता का विषय रही है।

इस निर्देश को सुप्रीम कोर्ट की ओर से न्याय प्रणाली की दक्षता सुधारने, लंबित मामलों से होने वाली कठिनाइयों को कम करने और न्यायिक तन्त्र में विश्वास बहाल करने के लिए एक निर्णायक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

आदेश के कारण उच्च न्यायालयों में प्रशासनिक सुधारों के शुरू होने की संभावना है, ताकि फैसलों की शीघ्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी में बेतवा नदी का निर्माणाधीन पुल ढहा, 6 की मौत

हमीरपुर, 29 मई। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बेतवा नदी पर बन रहे नए पुल की स्लैब व शटरिंग शुक्रवार तड़के आंधी और तूफान के बीच भरभराकर ढ ह गई, जिसके मलबे में दबकर छह मजदूरों की मौत हो गई। कुछ

- तेज आंधी तूफान से पुल के स्लैब की शटरिंग ढह गई। पुल के नीचे सो रहे 6 मजदूर मलबे में दब गये।

लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। पुलिस और प्रशासन के अफसर मौके पर पहुंच गए है। राहत एवं बचाव कार्य़ के लिए एसडीआरएफ टीम को लगाया गया है।

जानकारी के मुताबिक, जिले के ललपुरा क्षेत्र के परसनी और कंडौर के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन

टोंक। निवाई में बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने उपखंड कार्यालय पर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन पीसीसी सचिव व जिला प्रभारी राजेंद्र चौधरी के नेतृत्व में हुआ। कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की और राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन उपखंड अधिकारी अजीत सिंह राठौड़ को सौंपा। सचिव चौधरी ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के बढ़ते दामों से आम जनता का जीवन मुश्किल हो गया है। इस विरोध प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष शंकरलाल जाट, सतीश शर्मा, महावीर प्रसाद, पारस पहाड़ी, सहित ब्लॉक व शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, इकाई अध्यक्ष और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिविर का शुभारंभ

लालसोट। भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं सनातन संस्कारों से नई पीढ़ी को जोड़ने के उद्देश्य से 31 मई से परशुराम मंदिर में संस्कार शिविर का शुभारंभ होगा। शिविर को लेकर बच्चों एवं अभिभावकों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है तथा रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए लगातार संपर्क किया जा रहा है। शिविर में बच्चों को योग, ध्यान, भजन, श्लोक, नैतिक शिक्षा, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति एवं भारतीय संस्कृति से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी जाएगी। आयोजकों ने बताया कि आधुनिक दौर में बच्चों को संस्कारवान एवं संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से शिविर आयोजित किया जा रहा है। संस्कार शिविर के शुभारंभ को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं तथा क्षेत्र के लोग इसे समाज के लिए सकारात्मक पहल बता रहे हैं।

तीन आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा एवं वृताधिकारी आशीष कुमार प्रजापत के सुपरविजन में मालपुरा थानाधिकारी चेनाराम बेडा के नेतृत्व में गठित थाना पुलिस टीम ने कस्बा मालपुरा में गुरूवार रात के समय सोते हुये बुर्जुग व्यक्ति के कान में पहने हुयी सोने की मुर्की लूट कर ले जाने कि वारदात करने वाले तीन अपराधियों को गिफ्तार किया है। इस कार्यवाही में टीम ने तकनीक संसाधनो व मुखवीर की सूचना के आधार पर प्रकरण मे लिप्त मुख्य आरोपी रामस्वरुप पुत्र मिटु कालबेलिया उम्र 27 साल निवासी रूपाहेली, महेन्द्र पुत्र जगदीश प्रसाद उम्र 18 साल निवासी नानस्या पाडलिया थाना निवायी जिला अजमेर व राजु पुत्र जगदीश कालबेलिया उम्र 26 साल निवासी देशमी थाना मालपुरा की तलाश कर उन्हे गिरफ्तार किया गया है।

शहीदों को श्रद्धांजलि दी

कोटपूतली। ग्राम कल्याणपुरा खुर्द स्थित वीर गुर्जर शहीद स्मारक पर शुक्रवार को गुर्जर आंदोलन के वीर शहीदों की स्मृति में वार्षिक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान समाज के प्रबुद्धजनों, जनप्रतिनिधियों व आमजन ने नम आंखों से शहीदों को पुष्प अर्पित कर नमन किया। प्रबंधक राजेंद्र कसाना ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुये बताया कि हक और अधिकारों की लड़ाई में किसी को निमंत्रण नहीं भेजे जाते। जिनका जमीर जिंदा होता है, वे खुद दौड़े चले आते हैं। उन्होंने बताया कि इस भव्य स्मारक का निर्माण पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया ने करवाकर समाज को समर्पित किया था। तभी से हर वर्ष 29 मई को यहाँ भव्य श्रद्धांजलि सभा होती है। वक्ताओं ने कहा कि गुर्जर समाज ने अपने हक, अधिकारों और आरक्षण की लड़ाई में 73 वीर योद्धाओं को खोया था। इन शहीदों के सर्वोच्च बलिदान की बदौलत ही समाज को 05 प्रतिषत आरक्षण का लाभ प्राप्त हुआ।

समारोह आज

लालसोट। संयुक्त कर्मचारी संघ खटवा द्वारा आज शनिवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खटवा में नव चयनित कर्मचारी एवं प्रतिभावान छात्र-छात्रा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रात: 9:15 बजे शुरू होगा, जिसमें क्षेत्र की प्रतिभाओं और नव चयनित कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा।समारोह में मुख्य अतिथि एवं संरक्षक के रूप में विजय प्रकाश मीणा उपस्थित रहेंगे। वहीं अति विशिष्ट अतिथि के रूप में हितेश चन्द्र मीणा, राहुल मीणा, ललित जारेड़ा एवं हनुमान सैनी शिरकत करेंगे।

पावटा में कांग्रेस का महंगाई व बिजली-पानी की किल्लत के विरोध में प्रदर्शन

पावटा। केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरोध में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार व जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर के नेतृत्व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी (संयुक्त) पावटा विराटनगर की अगुवाई में विराटनगर में जोरदार प्रदर्शन किया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पावटा महादेव प्रसाद यादव, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विराटनगर महेंद्र कुमार रातावल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया व विराटनगर बस स्टैंड से रैली के माध्यम से विराटनगर उपखंड कार्यालय पहुंचकर उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय को ज्ञापन सौंपा।

विराटनगर में भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली निकाली।

- कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया व विराटनगर बस स्टैंड से रैली के माध्यम से विराटनगर उपखंड कार्यालय पहुंचकर उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय को ज्ञापन सौंपा

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल, डीजल एवं रसोई गैस के दामों में लगातार बेतहाशा बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी तथा हाल ही में सामने आए नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है और आम जनता की समस्याओं के समाधान में पूरी तरह विफल साबित हुई है।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पावटा महादेव प्रसाद यादव, विराटनगर महेंद्र कुमार रातावल ने कहा कि आज देश का युवा रोजगार के लिए भटक रहा है, लेकिन सरकार रोजगार सृजन के बजाय केवल बड़े-बड़े दावे कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में लगातार हो रही अनियमितताओं और प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों छात्रों और अभ्यर्थियों का विश्वास तोड़ दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए, तो कांग्रेस पार्टी जनहित में आंदोलन को और व्यापक एवं उग्र रूप देगी। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विराटनगर महेंद्र कुमार रातावल ने कहा कि बढ़ती महंगाई ने आम परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है। पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस और खाद्य पदार्थों की लगातार बढ़ती कीमतों से मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों का जीवन कठिन हो गया है। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर बिजली एवं पानी की भीषण किल्लत बनी हुई है। आमजन को नियमित रूप से बिजली-पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है।

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

शाहपुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष माधवी दिनकर एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नाथावाला में वन्दे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान एवं पर्यावरण संरक्षण पर शिविर आयोजित किया। इस शिविर की अध्यक्षता प्रभारी समाज सेवा शिविर व्याख्याता रामप्यारी यादव द्वारा की गई। अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने जन्मदिन पर एक पौधा मॉ के नाम आपको वर्षा ऋतु में अपने घर पर खेत मे फलदार पेड़ लगाने का संकल्प करें। तब हमें भीषण गर्मी से निजात मिल सकेगी। हमारे घरों को ठंडा रखने एवं प्राणवायु आंक्सीजन की कमी दूर हो सकेगी। हमें जल का दुरूपयोग रोकने का सामुहिक रूप से संकल्प करना होगा।

राज्य मंत्री बेढ़म ने विद्युत विभाग के अधिकारियों व अभियंताओं के साथ बैठक की

डीग । राजस्थान सरकार के गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग के राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने शुक्रवार को डाबक बृजनगर स्थित 220 व 132 केवी ग्रिड सब-स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पश्चात गृह राज्य मंत्री बेढम ने विद्युत विभाग के अधिकारियों व अभियंताओं के साथ जीएसएस नियंत्रण कक्ष में समीक्षा बैठक ली तथा क्षेत्र में सुचारू विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए। गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति से जुड़ी जनसमस्याओं की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि भीषण गर्मी के इस दौर में आमजन को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने लो-वोल्टेज, अघोषित कटौती और बार-बार ट्रिपिंग जैसी समस्याओं पर अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं का त्वरित व स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

गृह राज्य मंत्री बेढम ने वृज नगर के डाबक में 220 एवं 132 केवी जी एस एस का निरीक्षण किया।

- लो-वोल्टेज और ट्रिपिंग का हो त्वरित समाधान - जवाहर सिंह बेढ़म

उन्होंने कहा कि विद्युत आपूर्ति में लापरवाही या अनावश्यक विलंब किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगा और ऐसी समस्याओं पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जवाहर सिंह बेढम ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कई बार तेज अंधड़, अत्यधिक ओवरलोड या अचानक उत्पन्न होने वाली तकनीकी खराबी के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित हो जाती है। ऐसी आकस्मिक परिस्थितियों में आमजन उद्वेलित या आक्रोशित न हों।

उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे धैर्य बनाए रखते हुए तत्काल संबंधित विभागीय अधिकारियों को सूचित करें, ताकि फाल्ट को अविलंब दुरुस्त कर आपूर्ति पुन: बहाल की जा सके। मंत्री बेढम ने राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि हमारा मुख्य संकल्प जनता के प्रति पूर्ण जवाबदेही के साथ प्रशासनिक और बुनियादी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ एवं सुनिश्चित करना है।

अलवर में कलेक्टर ने आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के निर्देश दिए

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक लेकर चिकित्सा विभाग की योजनाओं व कार्यक्रमों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने विभागीय योजनाओं एवं जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा कर सीएमएचओ को निर्देशित किया कि एनक्वास पैरामीटर के आधार पर जिले की 23 सीएचसी की ऑडिट आगामी 10 दिनों में कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। साथ ही एनक्वास पैरामीटर के गेप को फिल करने हेतु कार्य योजना भी प्रस्तुत करें। उन्होंने निर्देशित किया कि चिन्हित किए गए चिकित्सा संस्थानों की मरम्मत फण्ड की उपलब्धता होने पर 30 जून तक सुनिश्चित की जाए। अगर फण्ड उपलब्ध नहीं है तो उसकी सूचना आगामी दो दिवस में देवे, ताकि सीएसआर व अन्य मदों से उनकी मरम्मत कराई जा सके।

उन्होंने विगत बैठक में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित चिकित्सा संस्थानों द्वारा मुख्यमंत्री आयुष्मान आयोग्य (मां) योजना के तहत पैकेज बुकिंग में वृद्धि कर करोड रूपये करने का मासिक लक्ष्य दिया गया था। उसको अर्जित करने पर चिकित्सा विभाग की टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि जनवरी 2025 में जहां जिले के ग्रामीण चिकित्सा संस्थानों में मासिक रूप से मात्र 32 लाख रूपये के पैकेज बुक किए जा रहे थे। वहीं अब मासिक रूप से एक करोड दो हजार रूपये के क्लेम बुक किए गए हैं। उन्होंने इसे और बेहतर करने के दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि इससे चिकित्सा संस्थाओं की आय में वृद्धि होगी जिससे मरीजों को और बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जा सकेंगी।

कलेक्टर आर्तिका शुक्ला ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक ली।

जिला कलक्टर ने आयुष्मान योजना के तहत आगामी 15 अगस्त तक शत-प्रतिशत कार्ड वितरण एवं पीकेवाईसी कार्यक्रम करने का मासिक आधार पर लक्ष्य दिया। साथ ही उन्होंने समाधान शिविरों में संबंधित उपखण्ड में दिए गए लक्ष्यों को अर्जित करने हेतु निर्देशित किया। इसके लिए उन्होंने सीएमएचओ को साप्ताहिक समीक्षा करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना की प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए मरीजों को चिकित्सालय में की दवाएं लिखी जाए, बाहर की दवा नहीं लिखे। उन्होंने निर्देश दिये कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु सतर्क रहे।

उन्होंने निर्देश दिये कि राजस्थान सम्पर्क पोर्टल का नियमित रूप से अवलोकन करते हुए पोर्टल की उच्च स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें।

खैरथल कलेक्ट्रेट में तीसरी मंजिल पर लगी आग, कोई नुकसान नहीं

खैरथल। शुक्रवार को जिला सचिवालय भवन में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब तीसरी मंजिल पर अचानक आग भड़क उठी। गनीमत रही कि भवन में लगा आधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम तुरंत एक्टिव हो गया। स्प्रिंकलर सिस्टम ने आग को फैलने से पहले ही काबू कर लिया और कोई जनहानि नहीं हुई।

सूचना पर दमकल की गाड़ियां भी मिनटों में मौके पर पहुंचीं और आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। त्वरित कार्रवाई पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने कहा कि कर्मचारियों की सजगता ने बड़ा हादसा टाल दिया। उन्होंने ने बताया कि शुक्रवार को जिला सचिवालय भवन के तृतीय तल पर आग लग गई। आग की लपटें उठते ही भवन का फायर अलार्म बज गया और ऑटोमैटिक स्प्रिंकलर सिस्टम चालू हो गया। पानी की तेज बौछार से आग को शुरुआती दौर में ही नियंत्रित कर लिया गया।

सूचना पर दमकल की टीम तुरंत मौके पर पहुंची दमकल कर्मियों ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए बची हुई चिंगारी पर भी पूरी तरह काबू पा लिया। पूरी घटना में करीब 10 मिनट लगे और हालात सामान्य हो गए। इस दौरान कलेक्ट्रेट के कर्मचारियों ने घबराहट नहीं दिखाई। सभी ने अनुशासन के साथ सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया और तय रास्ते से सुरक्षित बाहर निकल गए।

- आग लगने पर फायर सेफ्टी सिस्टम हुआ एक्टिव, स्प्रिंकलर से आग शुरुआती स्तर पर ही बुझी। आधुनिक सिस्टम और मॉकड्रिल आई काम, सुरक्षा प्रोटोकॉल से बची सरकारी फाइले

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने कहा कि भवन में लगे आधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम की वजह से आग को फैलने का मौका नहीं मिला। समय पर होने वाले सुरक्षा अभ्यास और कर्मचारियों की जागरूकता इस घटना में काम आई। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और सरकारी दस्तावेज भी सुरक्षित रहे। उन्होंने दमकल दल की त्वरित कार्रवाई और फायर सेफ्टी सिस्टम की प्रभावी कार्यप्रणाली की सराहना की। साथ ही कहा कि सुरक्षा मानकों के प्रति निरंतर सतर्कता बेहद जरूरी है।

जनजागरण अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन

कोटपूतली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार प्रदेश में महंगाई और बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था के खिलाफ चलाये जा रहे जनजागरण अभियान के अन्तर्गत शुक्रवार को कोटपूतली में विधानसभा प्रभारी डॉ. विनोद कुमारी सांगवान के नेतृत्व में पेट्रोल-डीजल, गैस की भारी किल्लत तथा बेहताशा बढ़ती कीमतों, प्रदेश में बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था, ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में भीषण गर्मी के मौसम में बिजली-पानी की अनियमित आपूर्ति, शहर में जाम नालों, ठप पड़ी सफाई व्यवस्था और स्थानीय जनहित से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डबल इंजन की भाजपा सरकार के खिलाफ दैनिक उपभोग की वस्तुओं की महंगाई कम करने की मांग की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए इस विकराल समस्या के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अहम केंद्रित फेल विदेश नीति को जिम्मेदार ठहराया और उनका इस्तीफा माँगा। भारी संख्या में आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुये उपखण्ड कार्यालय पहुंचकर एसडीएम को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन के दौरान पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाणा ने कहा कि मोदी पहले की सरकारों को कोसते हुए तंज कसते थे कि जब देश और दुनिया में रुपये की कीमत डॉलर के मुकाबले गिरती है तो देश की इज़्ज़त गिरती है। आज एक डॉलर सौ रुपये को छुने जा रहा है, आज देश की जनता आप से पूछ रही है कि अब किस की इज्जत गिर रही है। उन्होंने भाजपा सरकार से जिम्मेदारी तय करने और जल्द न्याय संगत समाधान की मांग की। संगठन महामंत्री वी.के. नवल ने बताया कि विरोध प्रदर्शन एवं ज्ञापन आंदोलन में आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डबल ईंजन की भाजपा सरकार की नाकाम, अकर्मण्य, आकण्ठ भ्रस्टाचार में डूबी भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाष चंद सैनी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामनिवास यादव, कांग्रेस नेता भीम पटेल, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष व कांग्रेस नेता सांवत गुर्जर, चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेष महासचिव डॉ. अभिलाष मीणा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एड. सतीष निमोरिया, पीसीसी महासचिव जगदीश मीना, रमेश गुप्ता, हनुमान सैनी, सेवादल जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह यादव, अल्पसंख्यक विभाग जिलाध्यक्ष मुनानुदीन कुरैशी, युवा कांग्रेस के पूर्व विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष राकेष रावत एवं मुकेष कसाना, सरपंच विक्रम छावड़ी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गोकुल आर्य, जगदीश मीणा, महिला कांग्रेस पीसीसी सचिव कविता टोरड़ा, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष मंजू रावत, केएम बंसल, ब्रह्मानन्द गौड़, सरदार इन्द्रपाल सिंह, प्रभू रावत, सावंत सरपंच, सचिन रावत, अभिषेक रावत, मुकेश मुक्कड, अनिल भरगड़, एड.पवन सैनी, कमलेश मीणा, लोकेश शर्मा, इन्द्राज कसाना समेत अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहें।

- लगातार बढ़ती बेलगाम महंगाई से आम जनता त्रस्त : कसाना

भंवर जितेंद्र सिंह जमवाय माता के दर्शन करने पहुंचे

मानपुरा माचेडी । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह शुक्रवार को सपरिवार जमवाय माता मंदिर पहुंचे। अलवर से रवाना होकर जमवारामगढ़ पहुंचे भंवर जितेंद्र सिंह ने परिवार सहित मंदिर में धोक लगाकर माता की पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश में सुख-समृद्धि और अमन-चैन की कामना की। जमवारामगढ़ पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। डॉ. विकास जैफ के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर एवं साफा बांधकर अभिनंदन किया। इस दौरान डॉ. विकास जैफ ने उनसे क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं, जल संकट और ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर संक्षिप्त चर्चा की। भंवर जितेंद्र सिंह ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और आमजन के मुद्दों को प्राथमिकता से उठाने का आव्हान किया। मीडिया से बातचीत में भंवर जितेंद्र सिंह ने केंद्र एवं राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राजस्थान में इस समय अवसर नहीं बल्कि लूट की सरकार चल रही है।

सार-समाचार

'परिंडा लगाओ, परिंदा बचाओ' अभियान के तहत परिंडे लगाए

पावटा। माता सुंदरी देवी सर्व समाज उत्थान समिति पावटा के तत्वावधान में चलाए जा रहे परिंडा लगाओ, परिंदा बचाओ अभियान के तहत मंगलवार को एसडीएम निवास एवं रेस्ट हाउस पावटा परिसर में बेजुबान पक्षियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था हेतु परिंडे लगाए गए। कार्यक्रम उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा के सानिध्य में आयोजित हुआ तथा पूर्व सरपंच एवं प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस दौरान रमेश टीलावत एनजीओ संरक्षक, हरिपाल मीणा गुरुजी, कृष्ण कुमार ओला, योगेश कुमार सैनी एवं बनवारी लाल वर्मा के नेतृत्व में अभियान को आगे बढ़ाते हुए परिसर में विभिन्न स्थानों पर परिंडे लगाए गए ताकि भीषण गर्मी में पक्षियों को पानी मिल सके। उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा ने एनजीओ द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि भीषण गर्मी के दौर में बेजुबान पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना अत्यंत पुण्य का कार्य है एनजीओ संयोजक एवं सामाजिक कार्यकर्ता मोहन लाल सैनी ने बताया कि यह अभियान पूर्ण रूप से जन सहयोग से संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत अब तक 211 परिंडे लगाए जा चुके हैं ।

मनीष बने बीजेपी एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष

टोंक। भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान के निर्देशन में नवनियुक्त बीजेपी एसी मोर्चा जिलाध्यक्ष मनीष बैरवा ने चौहान के आवास पहुंचकर उनका आभार जताया। इस दौरान मनीष बैरवा ने जिलाध्यक्ष चौहान को माला और साफा पहना कर आभार जताया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष चौहान ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाना सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। हम सभी को मिलकर संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संगठन ने समर्पित व जमीनी कार्यकर्ता को यह जिम्मेदारी दी है। वहीं नवनियुक्त एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष मनीष बैरवा ने कहा कि पार्टी ने मुझे जिस भरोसे व विश्वास के साथ इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है, उसे मैं निभाऊंगा। उन्होंने कहा कि संगठन का विस्तार करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। जिले में भाजपा का संगठन जमीनी स्तर पर मजबूत है, उसे और मजबूत करूंगा, इसके अलावा भाजपा से जुड़े पुराने अभिभावकों का मार्गदर्शन लेकर निरंतर पार्टी व जनता की सेवा करता रहूंगा। साथ ही अनुसूचित जाति वर्ग के हितों एवं केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों की क्राइम बैठक ली

टोंक। जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा ने शुक्रवार को जिले के सभी पुलिस अधिकारियों और थानाधिकारियों की पहली क्राइम बैठक लेकर कानून व्यवस्था को लेकर सख्त संदेश दिया। बैठक में उन्होंने अवैध बजरी खनन, साइबर अपराध, मादक पदार्थ तस्करी तथा सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कार्यभार संभालने के बाद जिले की स्थिति की विस्तृत जानकारी अधिकारियों से ली तथा विभिन्न थाना क्षेत्रों में अपराधों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सबसे पहले अवैध बजरी खनन के मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए कहा कि जिले में किसी भी सूरत में अवैध खनन नहीं होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई पुलिस अधिकारी या कर्मचारी अवैध बजरी खनन में संलिप्त पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव, पुलिस उपाधीक्षक मृत्युंजय मिश्रा सहित मीड़िया के लोग मौजूद रहे।

प्रतिमा स्थापना दिवस पर निकली भव्य शोभायात्रा

किशनगढ़ बास। अलवर रोड स्थित जलदाय विभाग कार्यालय के पास हनुमान मंदिर में शुक्रवार को भक्ति का सैलाब उमड़ा। हनुमान जी महाराज की प्रतिमा स्थापना दिवस के अवसर पर सुबह से ही मंदिर परिसर 'जय श्री राम' और 'जय बजरंग बली' के जयकारों से गूंज उठा। सुबह रामायण पाठ का आयोजन हुआ और शाम को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शनिवार को हवन-यज्ञ के साथ विशाल भंडारे का आयोजन होगा। आयोजन समिति के ओम सिंह ने बताया हनुमान जी महाराज के प्रतिमा स्थापना दिवस पर मंदिर समिति की ओर से दो दिवसीय कार्यक्रम रखा गया है। शुक्रवार सुबह विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रामायण पाठ शुरू कराया। बडी संख्या में श्रद्धालु पाठ में शामिल हुए और हनुमान जी का आशीर्वाद लिया। शाम होते ही मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। डीजे और ढोल-नगाड़ों की धुन पर युवा जमकर थिरके। शोभायात्रा में हनुमान जी की मनमोहक झांकी मुख्य आकर्षण रही। पूरा शहर 'बजरंग बली' के जयकारों से भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा प्रमुख बाजारों से होते हुए वापस मंदिर पहुंची। मंदिर समिति के ओम सिंह ने बताया कि शनिवार को सुबह हवन-यज्ञ के साथ पूर्णाहुति होगी। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। भंडारे में प्रसादी ग्रहण करने के लिए समिति ने सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करने के लिए अपील की है।

खैरथल में होगा स्वर्ण नगरी एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव

खैरथल। खैरथल-तिजारा जिले के लिए रेलवे से बड़ी खुशखबरी आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और खैरथल को औद्योगिक हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए स्वर्ण नगरी एक्सप्रेस को खैरथल में ठहराव की मंजूरी मिल गई है।केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने अलवर सांसद एवं केंद्रीय वन-पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अनुशंसा पर गाड़ी संख्या 12249/12250 शकूरबस्ती-जैसलमेर स्वर्ण नगरी एक्सप्रेस का खैरथल स्टेशन पर स्टॉपेज दे दिया है।लंबे समय से खैरथल के व्यापारी, उद्यमी और आम नागरिक इस ट्रेन के ठहराव की मांग कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने पूर्व विधायक रामहेत यादव सहित खैरथल की मांग को गंभीरता से लेते हुए रेल मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा था। अब यहां के उद्यिमयों को दिल्ली, रेवाड़ी, अलवर, जयपुर, जोधपुर और जैसलमेर तक सीधी ट्रेन मिलेगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रेन के रुकने से बाजार में रौनक बढ़ेगी। पर्यटन और निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। छात्रों, नौकरीपेशा और मरीजों को दिल्ली-जयपुर आने-जाने में बड़ी राहत मिलेगी। रेलवे जल्द ही ठहराव की तारीख और समय-सारिणी जारी करेगा।

जल यात्रा का स्वागत किया

निवाई। किसान महापंचायत द्वारा खेती-बाड़ी के लिए पानी की मांग को लेकर आयोजित जल यात्रा तीसरे दिन विभिन्न गांवों से होते हुए लुहारा पहुँची। यात्रा को लेकर ग्रामीणों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है और गांव-गांव में ग्रामीणों द्वारा आगे से आगे यात्रा की सभी व्यवस्थाएं संभाली जा रही हैं। लुहारा पहुँचने पर ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में आर.एल.पी. और छात्र नेताओं का हंगामा-उपद्रव

पुलिस और छात्रों के बीच झड़प हुई, दो दर्जन प्रदर्शनकारी हिरासत में

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) और छात्र नेताओं ने शुक्रवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और छात्रों के बीच तीखी झड़प हो गई। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए करीब दो दर्जन प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया, जबकि अन्य छात्रों को मौके से खदेड़ दिया गया।

छात्र नेता कमल चौधरी ने बताया कि भैराणा में प्रस्तावित इंडस्ट्रियल एरिया और आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल द्वारा मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल पर की गई विवादित टिप्पणी के बाद यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था। भाजपा नेताओं की ओर से बेनीवाल के बयान की आलोचना के विरोध में आरएलपी कार्यकर्ता और छात्र विश्वविद्यालय परिसर में जुटे है।

जहां प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए विश्वविद्यालय से बाहर विरोध मार्च निकालने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन पहले से तैनात पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया। इस दौरान पुलिस और छात्रों के बीच धक्का-मुक्की और बहस शुरू हो गई, जो बाद में उग्र हो गई। स्थिति नियंत्रण से बाहर होने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए बल प्रयोग किया।

आर.एल.पी. सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल द्वारा मुख्यमंत्री व मंत्रिमंडल पर की गई विवादित टिप्पणी के विरोध में राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्र नेताओं ने विरोध-प्रदर्शन किया। इस बीच आर.एल.पी. के कार्यकर्ता व समर्थक छात्र भी वहां पहुंचे गए। यहां बिगड़े हालातों को काबू करते हुए पुलिस ने कई लोगों को पकड़ा।

■ छात्र नेता कमल चौधरी ने बताया कि भैराणा में प्रस्तावित इंडस्ट्रियल एरिया और आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल द्वारा मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल पर की गई विवादित टिप्पणी के बाद यह विरोध प्रदर्शन किया गया था। भाजपा नेताओं की ओर से बेनीवाल के बयान की आलोचना के विरोध में आरएलपी कार्यकर्ता और छात्र यहां घुसे हैं।

इस कार्रवाई के दौरान कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और पुलिस ने लाठियां भांजते हुए भीड को तितर-बितर किया। प्रदर्शन में शामिल छात्र नेता कमल चौधरी ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार छात्रसंघ, पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव समय पर नहीं करा रही है तथा विभिन्न मुद्दों पर जनता परेशान है।

आरएलपी नेता लादूराम गोदारा ने कहा कि बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों को लेकर जनता नाराज है। वहीं मानाराम ढोलिया ने कहा कि भैराणा धाम से जुड़े आंदोलन की सरकार ने अनदेखी की है और छात्र हितों के मुद्दे को लेकर विश्वविद्यालय से आवाज उठाई गई है।

जयपुर जेल में मिला बिना सिम का कीपैड फोन और बैटरी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली केंद्रीय कारागार में सुरक्षा व्यवस्था को धता बताकर मोबाइल पहुंचने का सिलसिला थम नहीं रहा है। जेल परिसर में एक बार फिर लावारिस हालत में मोबाइल फोन मिलने का गंभीर मामला सामने आया है। जेल प्रशासन की मुस्तैदी के चलते रुटीन चेकिंग के दौरान यह मोबाइल बरामद किया गया, जिसके बाद लालकोठी थाना पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

हेड कांस्टेबल जुगल किशोर के अनुसार बुधवार शाम करीब 5:45 बजे सेंट्रल जेल प्रशासन की ओर से जेल की बैरकों और संवेदनशील इलाकों में रुटीन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सुरक्षा प्रहरी को वार्ड नंबर-9 की बैरक नंबर-4 के पीछे बने शौचालय के पास कुछ संदिग्ध नजर आया। गहनता से जांच करने पर वहां लावारिस हालत में छिपाकर रखा गया एक काले रंग का कीपैड मोबाइल फोन बरामद हुआ।

जेल प्रहरियों ने जब फोन को जब्त किया तो उसमें सिम कार्ड मौजूद नहीं था, जबकि मोबाइल की बैटरी फोन से अलग निकाली हुई थी। जेल प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बरामद लावारिस मोबाइल फोन को जब्त कर लिया। कारागृह प्रबंधक विजय सिंह ने गुरुवार को थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया। पुलिस ने जब्तशुदा मोबाइल के ईएमआई नंबर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

फ्लिपकार्ट डिलीवरी में फर्जीवाड़ा करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

महंगे आईफोन निकालकर डिब्बों में रखते थे डमी प्रोडक्ट

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी में ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों और डिलीवरी नेटवर्क को निशाना बनाकर महंगे मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक सामान हड़पने वाले एक हाईटेक गिरोह का जामडोली थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है।

पुलिस ने फ्लिपकार्ट से महंगे आईफोन, एंड्रॉयड फोन और आईपैड मंगाकर असली प्रोडक्ट निकालने और उनकी जगह डमी प्रोडक्ट रखकर धोखाधड़ी करने वाले तीन शातिर आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों के कब्जे से करीब 5 लाख रुपए कीमत के चार महंगे मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

■ पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 5 लाख रुपए कीमत के 4 महंगे मोबाइल फोन बरामद किए

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पूर्व) रंजिता शर्मा ने बताया कि जामडोली थाना पुलिस ने फ्लिपकार्ट से महंगे आईफोन, एंड्रॉयड फोन और आईपैड मंगाकर असली प्रोडक्ट निकालने और उनकी जगह डमी प्रोडक्ट रखकर धोखाधड़ी करने वाले अनिल चौधरी (24) निवासी जयपुर ग्रामीण, भरत जागा (26) निवासी दौसा और राहुल मीणा (24) निवासी करौली हाल राजविहार कॉलोनी जामडोली को गिरफ्तार हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से एक आईफोन और तीन प्रीमियम सैमसंग एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किए हैं।

जामडोली थाना पुलिस ने फ्लिपकार्ट की डिलीवरी में महंगे सामान चुराने वाले बदमाशो को गिरफ्तार किया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपित ऑनलाइन महंगे मोबाइल और गैजेट ऑर्डर करते थे। डिलीवरी के दौरान असली सामान निकालकर उसकी जगह हूबहू दिखने वाले नकली डमी प्रोडक्ट पैक कर देते थे, जिससे कंपनी और डिलीवरी पार्टनर को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचता था। पुलिस अब आरोपितों से पूछताछ कर शेष मोबाइल, आईपैड और इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है। इसके अलावा इस मामले में डिलीवरी नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

थानाधिकारी रतन सिंह कविया ने बताया कि 13 अप्रैल 2026 को लोड शेयर डिलीवरी कंपनी के संचालक धीरज सिंह ने जामडोली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि फ्लिपकार्ट के 15 असली प्रोडक्ट्स की जगह डिलीवरी चैन में किसी ने डमी प्रोडक्ट रख दिए। वहीं मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल एवं सहायक पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सुथार के सुपरविजन में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी सहायता और ट्रैकिंग के जरिए जामडोली के राजविहार कॉलोनी स्थित एक ठिकाने पर दबिश देकर तीन आरोपितों को धर-दबोचा।

पैंशनधारियों को अब विभागीय फोटोयुक्त पहचान पत्र मिलेगा

राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम का नवाचार

जयपुर (कासं)। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम ने अपने पैंशनधारियों व पारिवारिक पैंशनधारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए फोटोयुक्त पहचान पत्र जारी करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। निगम प्रशासन द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार अब उत्पादन निगम के पैंशनधारियों एवं पारिवारिक पैंशनधारियों को उनकी पहचान एवं आवश्यक कार्यों में सुविधा प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा आधिकारिक फोटोयुक्त पहचान पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे।

बताया जा रहा है लंबे समय से इस संबंध में मांग की जा रही थी। विभिन्न स्तरों पर प्राप्त सुझावों एवं मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए यह निर्णय लिया गया है। यह पहचान पत्र पैंशन या पारिवारिक पेंशन पीपीओ के आधार पर जारी किए जाएंगे।

यह पहचान पत्र पेंशनर्स के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज के रूप में कार्य करेगा तथा उन्हें विभिन्न प्रशासनिक एवं औपचारिक प्रक्रियाओं में सुविधा प्रदान करेगा।

फोटोयुक्त पहचान पत्र प्राप्त करने के इच्छुक सेवानिवृत्त पैंशनधारियों एवं पारिवारिक पैंशनधारियों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र वरिष्ठ लेखाधिकारी (पेंशन), राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम, जयपुर को प्रस्तुत करना होगा।

तकनीशियन-तृतीय भर्ती का अंतिम परिणाम जून में

जयपुर (कासं)। विद्युत निगमों में तकनीशियन-तृतीय (आईटीआई)/ ऑपरेटर-तृतीय (आईटीआई)/ प्लांट अटेंडेन्ट-तृतीय (आईटीआई) के 2163 पदों पर आयोजित भर्ती का अंतिम परीक्षा परिणाम जून माह के प्रथम सप्ताह से जारी किया जाना संभावित है। इस भर्ती की नोडल एजेंसी राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा 1 अप्रैल से 17 अप्रैल 2026 तक तथा 23 अप्रैल को दस्तावेजों का सत्यापन करवाया गया है। उत्पादन निगम प्रशासन द्वारा जानकारी दी गई है कि अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत कुछ दस्तावेजों का विभिन्न स्तरों पर सत्यापन का कार्य अंतिम चरण में है। दस्तावेज सत्यापन का कार्य पूर्ण होते ही जून के प्रथम सप्ताह से समूहवार अंतिम परीक्षा परिणाम चरणबद्ध तरीके से जारी किये जावेंगे।

थार गाड़ी दौड़ाकर सड़क पर खड़े वाहनों को टक्कर मारने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । बजाज नगर थाना पुलिस ने एक कार्रवाई करते हुए लापरवाही से वाहन चलाकर सड़क पर खड़े दूसरे वाहनों को टक्कर मारने और मौके से फरार होने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल की गई काली थार जीप भी बरामद कर ली है। यह पूरी कार्रवाई सीसीटीवी फुटेज और पुख्ता सूचना के आधार पर की गई है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि बीते 22 मई 2026 की रात को अर्जुन नगर फाटक के पास बरकत नगर इलाके में एक तेज रफ्तार थार जीप के चालक ने वहां खड़े कई वाहनों को बेरहमी से टक्कर मार दी थी। इस हादसे के बाद आरोपी गाड़ी समेत मौके से फरार हो गया था। घटना के बाद इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल था। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल के सुपरविजन और सहायक पुलिस आयुक्त मालवीय नगर विनोद कुमार शर्मा के दिशा-निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम का नेतृत्व बजाज नगर थानाधिकारी जितेंद्र कुमार कर रहे थे।

■ बजाज नगर पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त थार बरामद की

टीम के सदस्यों (एएसआई मुकेश चंद्र, कांस्टेबल राम अवतार और कांस्टेबल महेंद्र कुमार) ने घटनास्थल और आसपास की कॉलोनी में लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला। आखिरकार, सीसीटीवी फुटेज की मदद से दुर्घटना करने वाली थार जीप की पहचान की गई और आरोपी का सुराग लगाया गया।

पुलिस ने लगातार पीछा करते हुए आरोपी चालक सोनू दायमा (28) को धर दबोचा। आरोपी मूल रूप से झुंझुनूं जिले की खेतड़ी तहसील के मेहाड़ा ग्राम का रहने वाला है, जो फिलहाल जयपुर के मानसरोवर स्थित गायत्री नगर (पटेल नगर) में एक फ्लैट में किराए पर रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त थार जीपको भी जब्त कर लिया है। पुलिस अब आरोपी से अन्य मामलों को लेकर भी पूछताछ कर रही है।

सार-समाचार

हीरेन्द्र की गायकी का रुहानी अंदाज छाया

जयपुर। देश के मशहूर शायरों की रुहानी व रुमानी कलामों को कलाकार हीरेन्द्र कुमार भट्ट ने अपनी पुरकशिश आवाज में विभिन्न सुरीली रागों में संवाकर मौजूद दानिशमंद श्रोताओं को आनंदित कर दिया। मौका था संगीत आश्रम संस्थान के दो दिवसीय संगीत समारोह। शुक्रवार शाम वत्सल अनुपम के निर्देशन में शास्त्रीनगर स्थित संस्थान परिसर में सजी शाम-ए-गजल महफिल में हाल जन्नतनशीं आला अंदाज के अजीम शायर बशीर बद्र की लिखी गजल मिल भी जाते...को नजाकत व नफासत से पेश कर शिद्दत से उन्हें याद कराया। इस सिंगर ने सुर, लय और ताल की उम्दा बानगी के साथ दिलों को छू लेने वाली गजलों को पेश कर माहौल को सुकून से भर दिया। कार्यक्रम में मशहूर शायर क़तील शिफाई की गजल दूर तक बादल छाए..., शकील बदायूंनी की रचना बन बना के..., गीतकार आनंद बक्शी की शब्द रचना चिट्ठी आई है..., सुदर्शन फाकिर की रचना ये दौलत भी ले लो..., जावेद अख्तर की रचना तुमको देखा तो ये..., राजेन्द्र नाथ रहबर की लिखी रचना तेरे खुशबू में बसे खत...को पेश कर असल जिन्दगी के फल्सफे से रूबरू कराया। वायलिन पर गुलजार हुसैन, गिटार पर बिलाल हुसैन और तबले जयान हुसैन ने दमदार संगत की। संचालन आरडी अग्रवाल ने किया। संस्थान सचिव अमित अनुपम ने बताया कि संगीत समारोह के आखिरी दिन 30 मई, शनिवार शाम 5.00 बजे अनेक बाल व युवा कलाकार में अपनी आवाज में बॉलीवुड के मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर रोशन के संगीतबद्ध गीतों की माला पिरोएंगे।

माधुरी को पीएचईडी की उपाधि मिली

जयपुर । माधुरी शर्मा को महाराजा विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी जयपुर की ओर से पीएचईडी की उपाधि प्रदान की गई है। इन्हें यह उपाधि ऑनलाईन सेक्सुअल असॉल्ट ऑफ चिल्ड्रन एंड प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम पोर्नोग्राफी विषय पर शोध के लिए दी गई है। इन्होंने अपना शोध कार्य डीन डॉ. महेन्द्र तिवाड़ी के निर्देशन में पूरा किया है। उनके परिजन और मित्रों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

वंचित पैंशनधारकों का सत्यापन 15 दिन में

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने पेंशन सत्यापन से वंचित पैंशनधारकों का जिला स्तर पर अभियान चलाकर आगामी 15 दिवसों में सत्यापन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को निर्देशित करने के निर्देश दिए। गहलोत शुक्रवार को मुख्यालय अंबेडकर भवन में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग 89 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स हैं, इनमें से 96.50 प्रतिशत पेंशनधारकों का सत्यापन हो चुका है, शेष 3.50 फीसदी पेंशनधारकों का आगामी 15 दिनों में अभियान चलाकर सत्यापन करें। जिन 5 जिलों में सत्यापन से लंबित सर्वाधिक प्रकरण हैं, वहां मुख्यालय से अधिकारियों को भेजकर प्रकरण निस्तारण कराने के भी निर्देश दिए। मंत्री गहलोत ने बैठक में छात्रवृत्ति, पेंशन, पालनहार, अंतरजातीय विवाह, नवजीवन, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग, दिव्यांग स्कूटी, सिलिकोसिस योजना, नशामुक्ति केंद्र, देवनारायण संबंधी अन्य विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर प्रगति की जानकारी ली। अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार ने विभागीय योजनाओं के संबंध में जानकारी दी और विभागीय प्रगति से अवगत कराया। बैठक में आयुक्त विशेष योग्यजन निदेशालय इकबाल खान, निदेशक ललित कुमार, अतिरिक्त निदेशक पंकज ओझा, निजी सचिव रोहित कुमार, जेपी बैरवा, नसीम खान, रीना शर्मा, सूंडाराम मीणा, अशोक जांगिड़, अरविंद सैनी, ओपी मीणा मौजूद थे।

छात्रवृत्ति आवेदन 30 जून तक लिए जाएंगे

जयपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत के निर्देश पर शैक्षिणक सत्र 2025-26 के लिए छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि को एक बार फिर बढ़ाकर 30 जून 2026 कर दिया है। इस तिथि के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। गहलोत ने कहा कि प्रदेश के छात्र छात्राओं के हित को देखते हुए तिथि को 31 मई से बढ़ाकर 30 जून किया गया है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनाओं से संबंधित केन्द्र या राज्य सरकार द्वारा जारी अद्यतन दिशा-निर्देश की विस्तृत जानकारी के लिए विभागीय वेबसाइट विजिट कर सकते हैं।

सोलर एनर्जी प्लांट का लोकार्पण

जयपुर। जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा ने मानसरोवर स्थित विकास समिति सेक्टर-12 जयपुर द्वारा संधारित एवं संचालित सामुदायिक केंद्र में सांसद कोष से स्थापित सोलर एनर्जी प्लांट का लोकार्पण किया। इस सोलर एनर्जी प्लांट को स्थापित करने के लिए मंजू शर्मा ने सांसद कोष से 8 लाख रूपये की राशि मंजूर की थी। उन्होंने आमजन को भी घरों पर सोलर एनर्जी प्लांट लगाने का आव्हान किया। मंजू शर्मा ने कहा कि, सरकार द्वारा देय सब्सीडी के कारण यह प्लांट अपनी मूल लागत से काफी सस्ते पड़ते है, इससे विद्युत उत्पादन होता है और उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत मिलती है। राजस्थान तो सौर्य उर्जा की खान है इसलिए हमें इस योजना सफल बनाने के लिए अपने घरो पर भी सोलर प्लांट लगा कर उर्जा की बचत करनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता, सामुदायिक केन्द्र के कॉर्डिनेटर राजस्थान आवासन मण्डल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता कृष्ण कुमार दीक्षित ने की। विकास समिति के अध्यक्ष सुरेश चन्द जैन ने सांसद कोष से दी गई धनराशि के लिए मंजू शर्मा का आभार जताया। महामंत्री श्याम सुन्दर सारस्वत ने विकास समिति के कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

डाक जीवन बीमा के मृत्यु दावा का 33.14 लाख रुपए क्लेम वितरित

जयपुर । डाक विभाग ने अपनी योजना "डाक जीवन बीमा" के पॉलिसी धारक गौरव कुमार शर्मा की आकस्मिक मृत्यु के बाद नॉमिनी उनकी पत्नी दीपिका हारीत को दो बीमा पॉलिसियों का कुल मृत्यु दावा भुगतान 33.14 लाख रु. का चैक सौंपा। यह चैक जयपुर नगर मंडल के प्रवर अधीक्षक डाकघर मोहन सिंह मीना ने सुपुर्द किया।

प्रवर अधीक्षक मोहन सिंह मीना ने बताया कि इस योजना में मृतक द्वारा कुल राशि मात्र 6 लाख रुपए जमा कराइ गई थी, और यह पॉलिसी मात्र 10- 11 वर्ष चली थी। मृतक गौरव शर्मा अध्यापक के पद पर कार्यरत थे एवं उनकी मृत्यु हृदय गति रुकने से मार्च 2026 में मृत्यु हो गई थी । नॉमिनी द्वारा मृत्यु दावा पेश करने के कुछ ही दिनों के भीतर भारतीय डाक विभाग ने सभी प्रकार की औपचारिकताएं शीघ्रता से पूरी कर रूपये 33 लाख 14 हजार 648 रुपए का चैक शुक्रवार को जारी किया। इसी क्रम में एक और अन्य मृत्यु दावा भुगतान नॉमिनी गुणेश्वरी देवी को 14.86 लाख रुपए का चैक सौंपकर किया गया।

एआई से युवती की अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने एक युवती के फोटो-वीडियो को एआई तकनीक से अश्लील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने और ब्लैकमेल करने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। साइबर इनपुट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी को श्रीगंगानगर में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर के पास से फिल्मी स्टाइल में पीछा कर दबोचा है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने एक युवती के फोटो-वीडियो को एआई तकनीक से अश्लील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने और ब्लैकमेल करने वाले मुख्य आरोपी निर्मल सिंह निवासी ओडकी (हिंदुमलकोट श्रीगंगानगर) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल किया गया मोबाइल हैंडसेट बरामद कर लिया है, जिससे अश्लील एडिटिंग और ब्लैकमेलिंग की जा रही थी। गहन अनुसंधान के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस अब मोबाइल के डेटा को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि आरोपी ने किसी अन्य युवती को भी निशाना बनाया है या नहीं।

■ फेसबुक-इंस्टाग्राम से तस्वीरें चुराकर एआई के जरिए करता था अश्लील एडिटिंग

■ युवती और उसके परिजनों को मैसेज व वीडियो कॉल के माध्यम से कर रहा था ब्लैकमेल

करधनी थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया कि गत 17 मई 2026 को पीड़िता ने करधनी थाने में मामला दर्ज कराया था कि वह फेसबुक और इंस्टाग्राम का उपयोग करती है, जहां वह अपने और परिवार के फोटो-वीडियो अपलोड करती थी। किसी अज्ञात बदमाश ने उसकी तस्वीरों और नाम का दुरुपयोग कर इंस्टाग्राम व फेसबुक पर फर्जी ग्रुप बना लिए। आरोपी ने एआई के माध्यम से पीड़िता की तस्वीरों को एडिट कर अश्लील (डीपफेक) बनाया और उन्हें पीड़िता के जान-पहचान वालों को भेजने लगा। यही नहीं, आरोपी पीड़िता और उसके परिवार पर भद्दे कमेंट्स कर रहा था और वीडियो कॉल करने के लिए दबाव बनाकर ब्लैकमेल कर रहा था। इधर मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश गुप्ता और सहायक पुलिस आयुक्त (झोटवाड़ा) आलोक कुमार के सुपरविजन में एक विशेष साइबर और पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने जब तकनीकी साक्ष्यों और साइबर सेल की मदद ली और आरोपी की लोकेशन मिलते ही पुलिस टीम को तुरंत श्रीगंगानगर के भारत-पाकिस्तान बॉर्डर इलाके में स्थित हिन्दूमलकोट रवाना हुई। जहां स्थानीय पुलिस के सहयोग से टीम ने जाल बिछाया, लेकिन पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगा। पुलिस टीम ने बेहद सूझबूझ और बहादुरी का परिचय देते हुए कई किलोमीटर तक पीछा किया और आखिरकार अंतरराष्ट्रीय सीमा (बॉर्डर) के पास से आरोपी निर्मल सिंह को दस्तयाब कर लिया।

राजस्थान में कृषि विकास का रोडमैप जल्द होगा तैयार : डॉ. किरोड़ीलाल

जयपुर । कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने शुक्रवार को नई दिल्ली के पूसा में आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में राजस्थान के कृषि परिदृश्य पर पक्ष रखते हुए देशभर से आए कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों एवं विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों और कृषि क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श किया। इस सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की।

डॉ. किरोडी लाल मीणा ने कहा कि सम्मेलन में कृषि उत्पादकता वृद्धि, जलवायु-अनुकूल खेती, प्राकृतिक खेती, दलहन-तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता तथा डिजिटल कृषि जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा हुई है। इस दौरान राजस्थान सरकार की ओर से प्रदेश के किसानों के हितों, कृषि अवसंरचना को मजबूत करने एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव और अनुभव साझा किए। सम्मेलन में डॉ. मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत - समृद्ध किसान के संकल्प को साकार करने हेतु केंद्र एवं राज्य सरकार मिलकर किसानों की आय बढ़ाने, खेती को तकनीक से जोड़ने और राजस्थान के अन्नदाता को अधिक सशक्त, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। डॉ. मीणा ने कहा कि किसानों के लिए सुलभ खेती हेतु समय पर खाद, बीज और पेस्टिसाइड किस तरह से उचित समय और उचित मूल्य पर मिले इसके लिए भी सम्मेलन के दौरान कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए जिन पर केंद्रीय कृषि मंत्री ने शीघ्रता से कार्यवाही करने के आश्वासन दिया है।

■ "कृषि अवसंरचना को मजबूत बनाने और राज्य में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध"

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने नई दिल्ली में हुए राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में शिरकत की।

डिजिटल अरेस्ट से बचाएगा सी.बी.आई. का "अभय"

जयपुर (कासं)। प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों और डिजिटल अरेस्ट जैसे हाईटेक फ्रॉड से आमजन को सुरक्षित रखने के लिए राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने विशेष एडवाइजरी जारी की है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) ने बताया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने नागरिकों को फर्जी नोटिस और डिजिटल अरेस्ट स्कैम से बचाने के लिए 'अभय' नामक एआई आधारित नोटिस सत्यापन चैटबॉट विकसित किया है।

एडीजी वीके सिंह ने बताया कि इन दिनों साइबर अपराधी अदालतों, पुलिस और जांच एजेंसियों के नाम पर फर्जी अरेस्ट वारंट और नोटिस भेजकर लोगों को डराने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे मामलों में 'अभय' चैटबॉट किसी भी संदिग्ध नोटिस की वास्तविकता की तुरंत जांच कर असली और नकली नोटिस के बीच अंतर स्पष्ट करता है। उन्होंने बताया कि अभय यानी एक अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैटबॉट है, जो 24 घंटे सक्रिय रहकर नागरिकों को साइबर ठगी से बचाने में मदद करता है। यह सिस्टम डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों में लोगों को घबराने से रोकने और सही कानूनी सलाह देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। साइबर शाखा के अनुसार इस चैटबॉट में कई उन्नत तकनीकी सुविधाएं दी गई हैं। इसमें रीयल-टाइम अपडेट फीचर के जरिए नए साइबर फ्रॉड के तरीकों को तुरंत पहचानने की क्षमता है। इसके अलावा नो-पैनिक गाइडेंस फीचर के माध्यम से डरे हुए पीड़ितों को शांत रखते हुए चरणबद्ध कानूनी मार्गदर्शन दिया जाता है। गंभीर मामलों में ऑटो-रूटिंग सुविधा के जरिए यूजर को सीधे भारत सरकार के आधिकारिक शिकायत पोर्टल तक पहुंचाया जाता है। एआई आधारित स्वचालित प्रणाली होने के कारण यह चौबीसों घंटे बिना रुके सहायता उपलब्ध कराता है। एडीजी ने बताया कि चैटबॉट को विशेष रूप से ग्रामीणों, महिलाओं और बुजुर्गों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। यह हिंदी, अंग्रेजी सहित स्थानीय भाषाओं को समझने में सक्षम है, जिससे कम तकनीकी जानकारी रखने वाले लोग भी डिजिटल अरेस्ट, सेक्सटॉर्शन और फर्जी लोन ऐप जैसे साइबर अपराधों के बारे में आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

ARBiT
it happens here...

Loomis Day: Honouring A Pioneer Of Early Wireless Communication

Observed on May 30, Loomis Day honours American dentist and inventor Mahlon Loomis, a pioneer of wireless communication. In 1866, Loomis successfully transmitted signals between two mountaintops in Virginia using kites and electrical currents, decades before the invention of radio. Although his work did not receive widespread recognition during his lifetime, his experiments laid early foundations for modern wireless technology. Loomis Day celebrates innovation, curiosity and the spirit of experimentation that drives scientific progress. It serves as a reminder that groundbreaking ideas often begin as bold experiments and can shape the future of communication and connectivity worldwide.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
30 May 2026
A-B

#KASHMIRI SHAWLS

Pashmina, Kani, Jamawar And Now Shahtoosh

Kashmiri shawls represent far more than warmth or adornment, they embody centuries of artistry, cultural exchange, and history

Kashmiri shawls are among the most celebrated textile traditions in the world, admired for their refinement, warmth, and intricate artistry. Originating in the Kashmir Valley, these shawls have been prized for centuries by royalty, nobility, and collectors. Among the most notable types are Pashmina, Kani, Jamawar, and the now-banned Shahtoosh shawl, each representing a distinct chapter in Kashmir's rich textile heritage.

Origins of Kashmiri Shawls and Pashmina

The tradition of shawl weaving in Kashmir dates back over 500 years. Pashmina shawls are made from the fine undercoat wool of the Changthangi goat, found in the high-altitude regions of Ladakh. The word "pashm" comes from Persian, meaning "soft gold," reflecting the fiber's extreme fineness and warmth. The wool is hand-combed from the goat during molting season, then spun, woven, and embroidered entirely by hand.

Kani Shawls: Mathematics Woven in Thread

Among the most labour-intensive Kashmiri shawls are Kani shawls. Instead of a shuttle, artisans use small wooden sticks called kanis to weave intricate patterns directly into the fabric.

Progress is extremely slow: a skilled weaver may complete only 1 to 2 centimeters per day, depending on design complexity. A single Kani shawl can take several months to years to finish. This painstaking process results in a reversible shawl where the design is integral to the weave rather than embroidered afterward.

Jamawar Shawls: Woven Grandeur

Jamawar shawls are known for their dense, all-over patterns featuring floral and paisley motifs. The name "Jamawar" comes from Persian, meaning "robe fabric," as these shawls were often worn as garments by royalty. Traditionally woven using Pashmina wool or silk blends, Jamawar shawls became highly popular during the Mughal era and later influenced European textile design, including the famous Paisley patterns of Scotland.

Shahtoosh Shawls: The Finest and Most Controversial

The Shahtoosh shawl is considered the finest and lightest shawl ever made. It is woven from the hair of the Tibetan antelope (Chiru). The fiber is so fine that a Shahtoosh shawl can pass through a ring. Historically, these shawls were reserved exclusively for royalty, including Mughal emperors and Persian kings.

However, obtaining Shahtoosh requires killing the Chiru, which led to a drastic decline in its population. As a result, the production, sale, and possession of Shahtoosh shawls have been banned in India and internationally under wildlife protection laws, including CITES. Despite the ban, Shahtoosh shawls have historically fueled black markets, making them symbols of both luxury and ethical controversy.

Kashmiri shawls represent far more than warmth or adornment, they embody centuries of artistry, cultural exchange, and history. From the ethical luxury of Pashmina to the mathematical precision of Kani weaving, the opulence of Jamawar, and the forbidden legacy of Shahtoosh, these shawls tell stories of empire, craftsmanship, and responsibility. Preserving traditional weaving while respecting ethical and environmental boundaries remains essential to protecting this extraordinary heritage.

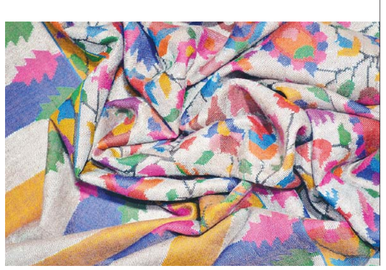

Defamed over centuries Cacti finds gardens of favour

"I have about 2500 different named varieties in my collection, so much so that my name is named in the Limca Book of Records. I have many more succulents and cactus plants in my collection."

PART:2

Coat of arms of Mexico (1916–1934).

Cactus garden, Chandigarh.

Cactus garden, Ratlam.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

There is still a controversy as to the precise date when humans first entered those areas of the New World where cacti are more commonly found. An archaeological site in Chile has been dated to around 15,000 years ago, suggesting cacti would have been encountered by humans there, before then. There are evidences of the use of cacti in the ancient new world...

Arriving back home was rather unrestful after this revelation of a 'yatra.' Every single mound of unbuilt Jaipur hosted a nettled cacti or two to keep invoking my curiosity. Cacti have been part of modern Indian and more closely of Rajasthani life, we all know. That these were plants full of use must have been discovered long ago because there are long references to them in 'Ayurveda.' I, and many friends I know, regularly use aloe vera to try and look younger than we are. Definitely, they deserved to be known better.

There is still a controversy as to the precise date when humans first entered those areas of the New World where cacti are more commonly found. An archaeological site in Chile has been dated to around 15,000 years ago, suggesting cacti would have been encountered by humans there, before then. There are evidences of the use of cacti in the ancient new world, cave paintings in the Serra da Capivara in Brazil, and seeds found in ancient middens (waste dumps) in Mexico and Peru, with dates estimated at 12,000-9,000 years ago, and suggest that cacti may have been in abundant use. Hunter-gatherers likely collected cactus fruits in the wild and brought them back to their camps.

We don't know when cacti were first cultivated. Opuntias (prickly pears) were used for a variety of purposes by the Aztecs, whose empire, lasting from the 14th to the 16th century, had a complex system of horticulture. Their capital from the 15th century was Tenochtitlan (now Mexico City); one explanation for the origin of the name is that it includes the Nahuatl word nochtli, referring to the fruit of an opuntia. The coat of arms of Mexico shows an eagle perched on a cactus while holding a snake, an image at the center of the myth of the founding of Tenochtitlan. The Aztecs symbolically linked the ripe red fruits of an opuntia to human hearts; just as the fruit quenches thirst, so, offering human hearts to the sun god ensured the sun would keep moving.

Jaipur proudly owns one of the rarities called a cactus garden, personally owned by K.K. Agarwal. He saucily says, "There are only three worth mentioning cactus gardens in India, one in Panchkula in Chandigarh, Harryana, one in Sailana near Ratlam in MP, and the third one in Jaipur, belonging to Mr. K.K. Agarwal."

He goes on to inform that the Cactus Garden is one of the most popular sightseeing attractions of Ratlam, situated in the premises of the Sailana Palace of the town. It is situated 21 km away from the district of Ratlam, on the Ratlam-Banswara Highway. This garden is at least 50 years old, while the Sailana Palace, where it is situated, is 200 years old. This garden houses about 800 species and their multiplication of cactus and succulent plants. Many are very mature tall ones.

The Maharaja Digvijay Singh of the Sailana Palace fame was a good cook besides being a cactus lover. His daily routine in the morning at 9:00 AM was to enter the big kitchen and cook one dish for the day. The renowned publishers from Mumbai, Vakils, published a book on his non-veg culinary. The cactus garden in Panchkula is named after its founder Dr. J. S. Sarkaria. This gentleman worked with exceptional love and extraordinary diligence for the much despised plant species. He created a landmark that makes this city unique. Chandigarh Cactus Garden was set up in the year 1967. This is supposed to be the largest succulent botanical garden of Asia. It is located at a distance of about 8 kms from the city of gardens. Situated in the heart of the city of Panchkula, it covers a total area of 7 acres. You can spot nearly 2000 different kinds of species over there.

He goes on to say, "My collection of cactus and succulents consists largely of rare succulents of South African origin from the Mesembryanthemum family. Very few have been able to grow these plants in India while I have about 2500 different named varieties in my collection, so much so that my name is named in the Limca Book of Records. I have many more succulents and cactus plants in my collection. I have plants which form caudex, though these are swollen trunks or roots of succulents, but form very interesting shapes."

"There is a Spanish organization of succulents which have published my interview regarding my collection of succulents and has also declared that I have one of the best collections of plants."

He goes on to tell us some more reasons to demystify and take away some of the horror of this really tried and unknowingly feared species.

1. The first skyscraper was designed by an architect after he saw and studied the carcass of a fallen tall growing cereus cactus. These plants have several steel like rods arranged in a circle submerged in pulp, which support the weight of the plant.

2. Oil has been extracted from cactus which is included in a well-known brand of face cream.

3. Different varieties of cactus were used for food and medicinal purposes by Native Americans for thousands of years. The buckhorn Cholla was used medicinally by the Cahuilla. The stems were burned and the ashes were applied to cuts and burns to aid in the healing process.

4. Cactus was not native of the old world, it belongs to American continent. The first few things brought back from America by the Spaniards included cactus plant, now known as Ariocarpus, which was sold for equal weight of the plant to that of gold, this is history.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

#FLOWER POWER

Cactus garden, jaipur.

Aloe vera.

Prickly pear.

#INCULTURATION

The Inculturation of Christianity in India

Robert de Nobili recognizing the deep cultural and religious differences between European Christianity and Hinduism

In 1609, an Italian Jesuit missionary named Robert de Nobili arrived in the southern Indian city of Madurai, in the Tamil heartland, to spread Christianity. However, despite his deep commitment and extensive missionary zeal, de Nobili quickly faced a significant challenge: he was unable to convert the local Hindu population. His initial efforts, based on traditional European missionary tactics, were ineffective in this deeply entrenched Hindu society. This led him to rethink his approach and eventually adopt a radical and culturally sensitive strategy that would come to define his mission: inculturation.

Recognizing the deep cultural and religious differences between European Christianity and Hinduism, de Nobili began to see that the traditional methods of preaching would not work in India. European missionaries, who had tried to convert Indians using European customs, were facing resistance from the local population. The existing methods were seen as foreign, and their Christian teachings were often perceived as being at odds with the local religious practices and values.

Instead of insisting that the locals abandon their traditions to embrace Christianity, de Nobili made a daring decision to adapt to the local culture. He began dressing like a Brahmin, the highest caste in Hindu society. His attire included saffron robes, the tilak (a mark on the forehead), and the janeu (the sacred thread worn by Brahmins). He also adopted the shikha, a tuft of hair on the back of the head that was a symbol of Hindu asceticism. By adopting these symbols, de Nobili sought to blend in with the community and be seen as a learned and respected figure within the Hindu social structure. This move was radical at the time, as it was uncommon for Europeans, particularly missionaries, to adjust their appearance and behaviour to fit local customs.

But his cultural adaptation went beyond mere appearances. De Nobili reframed Christian theology in a way that would resonate with Hindus. He introduced the concept of Christianity as the "Fifth Veda," drawing a parallel with the four canonical Vedas of Hinduism, which are the sacred scriptures of the Hindu faith. De Nobili argued that Christianity, particularly its theological teachings, was not fundamentally incompatible with Hindu philosophy. Instead, he sought to present it as a natural extension of the religious ideas already present in India. He described Jesus Christ as an incarnation of God, much like the Hindu understanding of divine avatars like Krishna and Rama.

This radical approach, which later came to be known as inculturation, the blending of Christianity with local culture, was not without controversy. Many of de Nobili's fellow missionaries in India opposed his methods, criticizing him for compromising the purity of Christian teachings. The Catholic Church in Rome was also cautious about his approach, as it was seen as an experiment rather than a well-established strategy. Some argued that adopting Hindu customs and presenting Christianity as part of Hindu philosophy could lead to confusion and the dilution of the Christian message.

Despite this opposition, de Nobili's mission proved successful in attracting high-caste Hindus, including some Brahmins, to Christianity. His inculturative approach was revolutionary because it acknowledged that for Christianity to spread in India, it needed to respect the country's rich cultural and religious heritage. His method allowed for meaningful engagement between Christianity and Hinduism, which paved the way for future Christian missions in the region.

By the time de Nobili died in 1656, his efforts had significantly impacted the way Christianity was presented in India. Although his methods were not universally accepted, his work laid the foundation for further cultural adaptation by future missionaries. His legacy also influenced the ongoing dialogue between Eastern and Western religions and demonstrated the importance of understanding and respecting local traditions in the process of religious exchange.

THE WALL

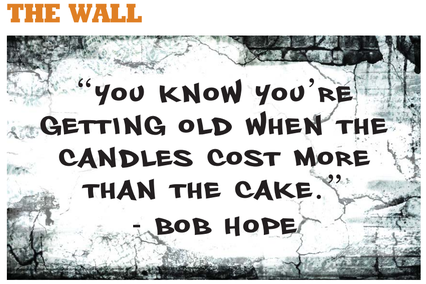

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

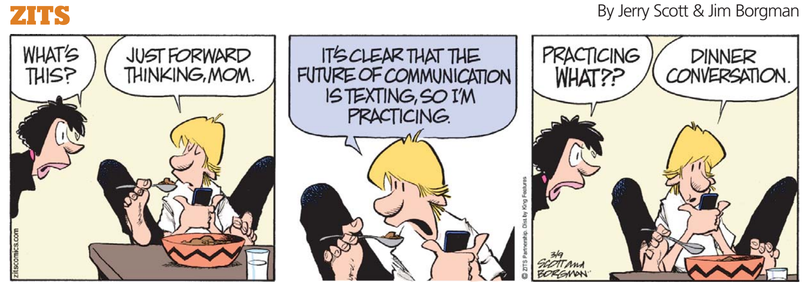

शाहपुरा जिले की बहाली की मांग, एक वर्ष पांच माह से आंदोलन जारी

जिला बहाल करो संघर्ष समिति ने बाहरवां स्मरण पत्र एसडीएम को सौंपा

शाहपुरा, (निसं)। जिला बहाल करो संघर्ष समिति द्वारा शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा देकर जिला बहाल करने की मांग का आंदोलन एक वर्ष पांच माह बीत जाने के बाद भी निरंतर जारी है। जिला बहाल करो संघर्ष समिति महासचिव एडवोकेट कमलेश मुंडेतिया ने बताया कि ब्लैक डे 28 मई को ईद का राजकीय अवकाश होने से 29 मई उपखंड कार्यालय शाहपुरा के बाहर संघर्ष समिति सदस्यों, अधिवक्ताओं एवं आमजन ने शांतिपूर्ण शाहपुरा जिला बहाल करो के नारे लगाकर नारेबाजी प्रदर्शन करते हुये शाहपुरा जिले की बहाली की मांग का बाहरवां स्मरण पत्र शाहपुरा जिला बहाल करो संघर्ष समिति अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा, संयोजक रामप्रसाद के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी शाहपुरा को मुख्यमंत्री के नाम दिया गया और शाहपुरा को वापस जिला बनाने का किया वादा याद दिलाया।

जिला बहाल करो संघर्ष समिति के सदस्य उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देने पहुंचे

- एक वर्ष पूर्व में जिला संघर्ष समिति और मुख्यमंत्री की जयपुर में शाहपुरा विधायक की मौजूदगी में वार्ता हुई और शाहपुरा को वापस जिला बनाने का आश्वासन मिला था

गौरतलब है कि 28 दिसंबर 2024 को शाहपुरा का जिले का दर्जा समाप्त होने के बाद से ही शाहपुरा की जनता प्रतिमाह की 28 तारीख को ब्लैक डे मनाती है। संघर्ष समिति अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा ने कहा कि एक वर्ष पूर्व में जिला संघर्ष समिति और मुख्यमंत्री की जयपुर में शाहपुरा विधायक की मौजूदगी में वार्ता हुई और शाहपुरा को वापस जिला बनाने का सकारात्मक आश्वासन मिला था, परन्तु सरकार ने बारह महिने बीतने के बाद भी शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा नहीं दिया, जिससे आमजन में आक्रोश है। जब तक शाहपुरा को वापस जिले दर्जा नहीं मिल जाता आंदोलन अनवरत जारी रहेगा, जरूरत पड़ने पर आंदोलन को प्रभावी बनाया जाएगा।

संयोजक रामप्रसाद जाट ने कहा कि सरकार शीघ्र शाहपुरा की जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा प्रदान करें। इस मौके पर जिला बहाल करो संघर्ष समिति सहसंयोजक सूर्यप्रकाश ओझा, संरक्षक सत्यनारायण पाठक, हाजी उस्मान मोहम्मद छिपा, राजेन्द्र पाण्डे, प्रॉपर्टी एसोसिएशन अध्यक्ष अजय मेहता, उपाध्यक्ष रामेश्वर लाल सोलंकी, कोषाध्यक्ष उदय लाल बैरवा, सह कोषाध्यक्ष प्रवीण पारीक, सहसचिव नूर मोहम्मद रंगरेज उर्फ छोटू, संघर्ष समिति सदस्य रामेश्वर लाल धाकड़, रमेशचंद्र मालू, मदनलाल कंडारा, सुनील मिश्रा, महावीर कुमावत, जगदीशचंद्र जाट, रामचंद्र नायक, रामरतन धाकड़, शंकर लाल खटीक, सुनील पाराशर, अरुण राव, राजू, अभय गुर्जर, वरिष्ठ अधिवक्ता त्रिलोकचंद नौलखा, अनिल शर्मा अधिवक्ता नमन ओझा, अंकित शर्मा, वीरेंद्र पत्रिया, राहुल पारीक, मधुसूदन शर्मा, अखिल व्यास, निखिल व्यास, सहित कई सदस्य एवं शाहपुरा के आमजन मौजूद रहे।

मजदूरी के दौरान टूटे हाथ-पैर, एसपी से न्याय की गुहार

- आरोप है कि हादसे के बाद मकान मालिक और ठेकेदार ने इलाज कराना तो दूर, सुध तक नहीं ली
- स्थानीय पुलिस द्वारा भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने से आहत पीड़ित परिवार अब दर-दर भटकने को मजबूर है

भीलवाड़ा, (निसं)। निर्माणाधीन मकान में मजदूरी करते समय हादसे का शिकार हुए एक बेबस मजदूर के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हादसे में गंभीर रूप से घायल मजदूर के भाई ने शुक्रवार को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित का आरोप है कि हादसे के बाद मकान मालिक और ठेकेदार ने इलाज कराना तो दूर, सुध तक नहीं ली। वहीं, स्थानीय पुलिस द्वारा भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने से आहत पीड़ित परिवार अब दर-दर भटकने को मजबूर है।

मामला शहर की संजय कॉलोनी का है। पीड़ित गोपाल बावरी ने बताया कि उसका भाई एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में मजदूरी का काम करता था। कुछ समय पहले काम के दौरान हुए एक दर्दनाक हादसे में उसके भाई के हाथ और पैर बुरी तरह टूट गए थे। हालत इतनी बिगड़ चुकी है कि अब उसके चलने-फिरने की क्षमता पूरी तरह खत्म हो गई है। इलाज कर रहे डॉक्टरों ने भी अब हाथ खड़े कर दिए हैं और संक्रमण बढ़ने के कारण पैर काटने तक की नौबत आ गई है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि उन्होंने हादसे के तुरंत बाद ठेकेदार और मकान मालिक को इसकी जानकारी दी और इलाज में आर्थिक सहयोग की गुहार लगाई, लेकिन दोनों ने साफ तौर पर मदद करने से इनकार कर दिया। गोपाल बावरी के अनुसार, इस अमानवीय व्यवहार को लेकर उन्होंने सुभाष नगर थाने में नामजद रिपोर्ट भी दर्ज करवाई थी, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने इस मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया और अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। एसपी को सौंपे गए ज्ञापन में गोपाल बावरी ने रोते हुए बताया कि उसका घायल भाई ही पूरे परिवार में इकलौता कमाने वाला सदस्य था। उसके बिस्तर पर आ जाने से अब पूरे परिवार के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। दोषी ठेकेदार और बिल्डिंग मालिक के खिलाफ तुरंत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। ठेकेदार और मालिक से घायल मजदूर का उचित और पूरा इलाज करवाया जाए, ताकि परिवार को उसका हक और न्याय मिल सके।

बयाना में हथियार दिखाकर गैस एजेंसी के डिलीवरी बॉय से लूट

वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए

बयाना/भरतपुर, (निसं)। बयाना सदर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात बाइक सवार दो बदमाशों ने गैस एजेंसी के डिलीवरी बॉय को कट्टा (हथियार) दिखाकर 35 हजार रुपए नकद और जरूरी दस्तावेजों से भरा बैग लूट लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गढ़ीबाजना थाना क्षेत्र के गांव नगला तीर निवासी मेघसिंह गुर्जर की निठार गांव में इंडेन गैस ग्रामीण वितरक एजेंसी है। गुरुवार रात करीब 8 बजे एजेंसी का डिलीवरी बॉय सोनू प्रजापत पिकअप वाहन से गांव महरावर में गैस सिलेंडर वितरित कर वापस लौट रहा था। इसी दौरान ध्वजा मोरौली और जसपुरा मोरौली मार्ग के बीच बाइक सवार दो बदमाशों ने उसे रोक लिया। पीड़ित के अनुसार आरोपियों की पहचान जयसिंहपुरा निवासी योगेश उर्फ खतरा गुर्जर और चीखरू निवासी सुरेंद्र उर्फ बबला गुर्जर के रूप में हुई है। आरोप है कि योगेश ने बाइक आगे लगाकर रास्ता रोका, जबकि सुरेंद्र ने सोनू की गर्दन पर देशी कट्टा तान दिया। इसके बाद दोनों आरोपी गैस बिक्री के 35 हजार रुपए, डीएसी डिलीवरी रजिस्टर और कैश मेमो से भरा बैग छीनकर जसपुरा मोरौली की ओर फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पीड़ित मेघसिंह ने पुलिस को बताया कि आरोपी सुरेंद्र उर्फ बबला गुर्जर बयाना सदर थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ भरतपुर, करौली और दौसा समेत कई जिलों में लूट, चोरी, मारपीट और जानलेवा हमले के करीब एक दर्जन मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

जसोल माता के दर्शन कर लौट रहे पांच दोस्त हादसे का शिकार, दो की मौत

- पुलिस पर गाड़ी को जानबूझकर टक्कर मारने का आरोप, परिजनों ने मोर्चरी के बाहर धरना-प्रदर्शन किया

जोधपुर, (कासं)। जसोल माता के दर्शन कर लौट रहे जोधपुर के पांच युवाओं का आरोप है कि 24 मई को बालोतरा जिले के कल्याणपुर के पास पुलिस की गाड़ी ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी थी। इससे युवक घायल हो गए, इनमें से घायल दो युवक वैभव भाटी व विजय सिंह चारण की गुरुवार रात को उपचार के दौरान मौत हो गई। शुक्रवार सुबह बड़ी संख्या में लोग एमडीएम अस्पताल में जमा हो गए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

घटना की जांच कर रहे बालोतरा जिले के मंडली थानाधिकारी किरण कुमार भी एमडीएम अस्पताल पहुंचे, लेकिन वे इस मामले को लेकर सवालों से बचते नजर आए। उन्होंने बताया कि परिजन का आरोप है कि पुलिस वाहन ने टक्कर मारी है, इसकी जांच कर रहे हैं। परिजन पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर अड़े हुए हैं। देर शाम तक पोस्टमार्टम नहीं हुआ था। परिजनों का आरोप है कि पुलिस की गाड़ी ने युवकों की गाड़ी को जानबूझ कर टक्कर मारी थी। परिजनों की मांग है कि आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

एक परिजन ने बताया कि वैभव और विजय अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ जसोल माता के दर्शन करने गए थे। उनके पास गुजरात नंबर की थार गाड़ी थी। वापस आते समय उनके सामने से पुलिस की गाड़ी आ रही थी, जिसकी गति तेज थी। आरोप है कि थार चला रहे वैभव ने बचने का प्रयास किया फिर भी पुलिस की गाड़ी ने टक्कर मार दी। इसके बाद पुलिस गाड़ी वापस आई और फिर टक्कर मारी। इससे गाड़ी के सनरूफ से दो युवक बाहर उछल कर गिर गए, जबकि तीन अंदर दब गए। इनमें एक घायल को छुट्टी मिलने के बाद कल ही उसने पूरा घटनाक्रम बताया। इतना ही नहीं जब पुलिस वाले घायल अवस्था में सभी को बालोतरा लेकर गए तो रास्ते में गलत सूचना मिलने की बात कर रहे थे। इसके बाद उन्हें एमडीएम भेजा गया। यहां वैभव भाटी व विजय सिंह चारण की गुरुवार रात को उपचार के दौरान मौत हो गई। इसके बाद आज मोर्चरी के बाहर आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया।

ऑनलाइन सट्टा खेलते पांच जने गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। भीण्डर थानाधिकारी मुकेश चन्द्र ने कार्यवाही करते हुए मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर मदनपुरा गांव में हिस्ट्रीशिटर अरविन्द्र सिंह पाटिया के फार्म हाउस पर दबिश देकर अरविन्द्रसिंह पाटिया पुत्र भेरूसिंह, अंकित पुत्र भंवरलाल लौहार निवासी खेताखेड़ा, सूर्यप्रतापसिंह पुत्र शिवसिंह निवासी बापुनरग भीलवाड़ा, रमेशसिंह पुत्र नरपतसिंह मेघवाल निवासी केरिया चितलवाना जालौर, कमलेन्द्रगिरी पुत्र नक्षत्रगिरी गोस्वामी निवासी भीण्डर को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

वहीं कुराबड़ थाना पुलिस ने चोरी के मामले में चार वर्ष से फरार पांच हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया। पीड़ित राकेश जारोली ने रिपोर्ट दी कि मेरी बंबोरा कस्बे में सोने चांदी की दुकान है। 30 दिसंबर 2021 को में दुकान बंद घर चला गया। रात में अज्ञात चोर ताला तोड़ कर सोने-चांदी के जेवरात चुरा ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर कुराबड़ थानाधिकारी तेजुसिंह मय टीम एवं बेगु पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए मामले में फरार आरोपी प्रकाश पुत्र नरसिंग कंजर निवासी मेघ जिला चित्तौड़गढ को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ 20 अपराधिक प्रकरण दर्ज है। मामले में प्रकरण दर्में शिवलाल, सुलेन्द्र कंजर व कालु लाल कंजर को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका था। प्रकाश कंजर, शैतान कंजर व पप्पुलाल कंजर फरार थे।

जेल में कारापाल के साथ अभद्रता, मामला दर्ज

उदयपुर, (निसं)। जेल में कारापाल के साथ अभद्रता करने वाले बंदी के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित सत्येन्द्र कुमार पुत्र लक्ष्मण निवसी नयावास बसेड़ी धोलपुर हॉल कारापाल केन्द्रीय कारागृह उदयपुर ने बंदी शशी भारती पुत्र रामा भारती के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि आरोपी ने जेंल से स्थानान्तरण कराने की रिपोर्ट दी थी। 28 मई को जेल में ड्यूटी के दौरान इसको लेकर बातचीत करने के दौरान रिपोर्ट बुक का अवलोकन करने के दौरान आरोपी ने वर्दी खींच कर राजकार्य में बाधा की।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

उदयपुर, (निसं)। प्रतापनगर थाना क्षैत्र में हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मादड़ी से प्रतापनगर रोड़ पर टाटा शोरूम के सामने गुरूवार रात में डिवाईडर से बाइक टकराने पर घायल हुए लखपुरा पेंवार बिहार हाल भुवाणा (32) निवासी प्रीतम सिंह पुत्र सिकंदर सिंह को निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उसकी मौत हो गई। प्रीतम सिंह मजदूरी करता था एवं रात में बाइक पर मादड़ी से प्रतापनगर की तरफ आ रहा था, जहां बीच रास्ते हादसा हो गया। इस पर एएसआई सुरजमल मीणा ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

उदयपुर के होटल से नकदी व जेवरात चोरी

उदयपुर, (निसं)। प्रतापनगर थाना पुलिस ने दंपती सहित तीन आरोपियों के खिलाफ होटल से नकदी सामान चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित हेमंत सिंह पुत्र चेतनसिंह निवासी सूर्यगढ विला देबारी प्रतापनगर ने कल्पेश कुमार उसकी पत्नी प्रियंका तथा साथी दिनेश को एक माह पूर्व होटल में नौकरी पर रखा था। 28 मई को उसे फोन कर ग्राहकों के संबंध में जानकारी दी। इस पर कुछ समय बाद होटल लौटा तो तीनों आरोपी नहीं मिले तथा तलाशी ली तो गल्ले से 1 लाख 87 हजार रूपये नकद, चांदी का ब्रेसलेट व लैपटॉप नहीं मिला। इस पर संपर्क का प्रयास किया लेकिन आरोपियों को कोई सुराग नहीं लगा। वहीं शहर के धानमण्डी थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ उधार दी गई नकदी हड़पने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित मुजफ्फर खान पुत्र अहमद खां निवासी छतरी वाला चौक धोलीबावड़ी ने अवाड़ा चौक धोली बावड़ी निवासी खुबीलाल सालवी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि आवश्यकता होने पर आरोपी को 5 लाख रूपये उधार दिए थे। बदले में चैक दिया जो फर्जी था।

पानी में डूबे युवक का शव मिला : उदयपुर शहर के घंटाघर थाना क्षैत्र दूधतलाई में युवक को शव पानी में होने की सूचना मिलने पर एएसआई धमेन्द्रसिंह ने मौके पर पहुंचकर सिविल डिफेंस टीम की मदद से मृतक को बाहर निकाल शिनाख्तगी नहीं होने पर शव को मोर्चरी में रखवाया।

आगजनी की झूठी घटना का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

80 लाख रुपये मूल्य का 2255 कार्टन कॉस्मेटिक सामान बरामद किया

खेतड़ी, (निसं)। पुलिस थाना खेतड़ी नगर ने एक बड़ी और सुनियोजित आपराधिक साजिश का पर्दाफाश करते हुए षड्यंत्र रचकर धोखाधड़ी से माल खुर्द-बुर्द कर आगजनी की झूठी घटना दर्शाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 80 लाख रूपये मूल्य का 2255 कार्टन कॉस्मेटिक सामान भी बरामद किया है।

प्रकरण में परिवादी सर्वेश कुमार राय, मैनेजर वेस्टर्न केरियर्स (इंडिया) लिमिटेड, कोलकाता ने रिपोर्ट दी कि कंटेनर में 12 मई को असम के डुमडुमा से हिंदुस्तान यूनिलीवर का लगभग 96

- चालक एवं वाहन स्वामी ने मिलीभगत कर अधिकांश माल खुर्द-बुर्द किया था

लाख रुपये मूल्य का कॉस्मेटिक माल लोड कर वापी (गुजरात) के लिए रवाना किया था, परंतु वाहन निर्धारित मार्ग से न जाकर झुंझुनूं जिले में पहुंचा, जहां चालक करण सिंह एवं वाहन स्वामी राजकुमार ने मिलीभगत कर अधिकांश माल को खुर्द-बुर्द कर दिया तथा मात्र नाममात्र का माल रखकर जसरापुर के पास वाहन में आग लगाकर उसे जलाने की झूठी व बनावटी घटना रच दी, ताकि साक्ष्य नष्ट किए जा सके। इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण एवं आसूचना संकलन के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को दस्तयाब किया और बाद में गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ एवं अनुसंधान के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किया गया पूरा माल बरामद कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी करण सिंह पुत्र मामचन्द, निवासी बडली की ढाणी, थाना ततारपुर, जिला खैरथल, राजकुमार पुत्र धर्मपाल जाट, निवासी लोयल, थाना खेतड़ी नगर शामिल है।

'वन्दे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' के तहत आमजन को जल की महत्ता बताई

अलवर, (निसं)। जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला एवं रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह ने रामगढ़ के ग्राम जुगरावर में 'वन्दे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' के तहत आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर आमजन को जल संरक्षण हेतु प्रोत्साहित किया। इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण जागरूकता हेतु कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया व उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके उपरांत ग्राम बगड़ राजपूत में जल संरक्षण के कार्यों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन के अनुरूप बूंद-बूंद जल के संरक्षण हेतु आमजन की सहभागिता से 5 जून तक 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' का संचालन किया जा रहा है, जिसमें अंतर्गत सभी विभागों व आमजन के सहयोग से जल संरक्षण के उद्देश्य से जल स्त्रोतों, तालाबों, नहरों, बावड़ियों, झीलों की साफ-सफाई एवं उनका जीर्णोद्धार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में राजीविका समूहों से जुड़ी महिलाएं अपने घरों, विद्यालयों व सार्वजनिक स्थानों पर छोटे-छोटे जल स्ट्रक्चर निर्माण में सहभागिता निभाकर जल संरक्षण के इस अभियान से जुड़ी हैं। जल संरक्षण के इस पुनीत कार्य में जनप्रतिनिधिगण बढ़-चढ़कर सहयोग प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आमजन की सहभागिता के साथ इस वर्ष भी अलवर जिला वंदे गंगा अभियान में अग्रणी भूमिका निभाकर जल संरक्षण की दिशा में नए आयाम स्थापित करेगा।

कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला एवं रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह ने कलश यात्रा को रवाना किया।

रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह ने कहा कि 'जल है तो कल है) इसी उद्देश्य को चरितार्थ करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आव्हान पर प्रदेश में संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान जन-जन का अभियान बना रहा है, जिसके तहत आमजन बढ़-चढ़ जन संरक्षण के प्रति ना केवल जागरूक हो रहे हैं, बल्कि जल संचयन कार्यों में अपनी महती भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य से अधिकाधिक आमजन को जोड़कर जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, बांधों का संरक्षण, जल संचयन एवं जल स्त्रोतों की साफ-सफाई का कार्य करना है, ताकि वर्षा ऋतु में बूंद-बूंद जल का संरक्षण हो सके।

- कलैक्टर एवं रामगढ़ विधायक ने लोगों को वर्षा जल की बूंद-बूंद के संरक्षण हेतु प्रोत्साहित किया

इस दौरान जिला कलैक्टर एवं रामगढ़ विधायक ने ग्राम बगड़ राजपूत में जोहड़ कार्य, स्कूल खेल मैदान, रेनवाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का अवलोकन कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिये कि वर्षा जल की बूंद-बूंद का संचयन हो सके, इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कर आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करें। उन्होंने निर्देश दिये कि आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए कार्यों को निर्धारित समयावधि में सम्पादित किया जावे। इस दौरान जिला परिषद सीईओ सालुखे गौरव रवीन्द्र, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, उपखण्ड अधिकारी अलवर माधव भारद्वाज, बीडीओ विजय भाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

आरएएस भर्ती-2024 : साक्षात्कार में युवाओं की सबसे अधिक भागीदारी

21 से 33 वर्ष आयु वर्ग के 80 प्रतिशत अभ्यर्थी पहुंचे इंटरव्यू तक, जयपुर रहा सबसे आगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आरएएस भर्ती परीक्षा-2024 का विस्तृत परिणाम विश्लेषण जारी किया गया है। आयोग की ओर से 1096 पदों के लिए आयोजित इस भर्ती परीक्षा में प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा की कठिन प्रतिस्पर्धा पार कर 2397 अभ्यर्थी साक्षात्कार तक पहुंचे। जारी आंकड़ों में अभ्यर्थियों की आयु, शैक्षिणक पृष्ठभूमि, जिलावार प्रतिनिधित्व तथा ग्रामीण-शहरी भागीदारी की स्थिति स्पष्ट की गई है।

साक्षात्कार के लिए चयनित अभ्यर्थियों में राजधानी जयपुर का प्रतिनिधित्व सबसे अधिक रहा। कुल 2397 सफल अभ्यर्थियों में से 247 अभ्यर्थी जयपुर से थे, जो कुल संख्या का 10.30 प्रतिशत है। इसके अलावा जोधपुर से 114, बाड़मेर से 112 तथा बीकानेर और नागौर से 100-100 अभ्यर्थी साक्षात्कार तक पहुंचे। वहीं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ से भी 36 अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की।

स्कूली शिक्षा के आधार पर जारी आंकड़ों के अनुसार साक्षात्कार तक पहुंचे अभ्यर्थियों में ग्रामीण पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों की संख्या अधिक रही। कुल सफल अभ्यर्थियों में 1255

- आयोग की ओर से 1096 पदों के लिए आयोजित इस भर्ती परीक्षा में प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा की कठिन प्रतिस्पर्धा पार कर 2397 अभ्यर्थी साक्षात्कार तक पहुंचे

यानी 52.36 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों से थे, जबकि 47.64 प्रतिशत अभ्यर्थी शहरी क्षेत्रों से संबंधित रहे। इसके साथ ही 56.03 प्रतिशत यानी 1343 अभ्यर्थी ऐसे रहे जो पहले से सरकारी या निजी सेवा में कार्यरत थे। आयोग के विश्लेषण के अनुसार इस भर्ती में युवाओं की भागीदारी सबसे अधिक रही।

कुल सफल अभ्यर्थियों में 1920 उम्मीदवार यानी 80.10 प्रतिशत की आयु 21 से 33 वर्ष के बीच रही। आयु वर्ग के अनुसार 21 से 25 वर्ष आयु वर्ग में 725 अभ्यर्थी, 26 से 30 वर्ष आयु वर्ग में सर्वाधिक 891 अभ्यर्थी तथा 31 से 33 वर्ष आयु वर्ग में 304 अभ्यर्थी शामिल रहे। इसके अलावा 34 से 40 वर्ष आयु वर्ग में 405, 41 से 45 वर्ष आयु वर्ग में 62 तथा 46 से 50 वर्ष आयु वर्ग में 10 अभ्यर्थी सफल हुए।

साक्षात्कार तक पहुंचे 1888 अभ्यर्थी स्नातक परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण रहे। वहीं 39.60 प्रतिशत अभ्यर्थियों के पास स्नातकोत्तर डिग्री भी रही। विशेष रूप से 14 चिकित्सक, 15 विधि स्नातक एवं विधि परास्नातक, 10 प्रबंधन स्नातक तथा 238 इंजीनियर भी इस भर्ती में साक्षात्कार तक पहुंचे। उच्च शिक्षा के मामले में 87.86 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने राजस्थान के विभिन्न विश्वविद्यालयों से पढ़ाई की। इनमें राजस्थान विश्वविद्यालय से 573 तथा महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय से 205 अभ्यर्थी सफल रहे।

आरएएस भर्ती-2024 के लिए प्रारंभिक परीक्षा 2 फरवरी 2025 को आयोजित हुई थी, जिसका परिणाम 20 फरवरी 2025 को जारी किया गया। इसके बाद मुख्य परीक्षा 17 और 18 जून 2025 को हुई तथा परिणाम 8 अक्टूबर 2025 को घोषित किया गया। साक्षात्कार प्रक्रिया 1 दिसंबर 2025 से 17 अप्रैल 2026 तक चली और अंततः 18 अप्रैल 2026 को अंतिम परिणाम जारी किया गया, जिसमें कुल 2391 अभ्यर्थियों की वरीयता सूची जारी हुई।

डूंगरपुर के श्रीहरिदेव जोशी जिला अस्पताल में महिला मरीज को एक्सपायरी ड्रिप चढ़ाई

महिला मरीज को चढ़ाई गई ड्रिप पर एक्सपायरी डेट मार्च 2026 लिखी हुई थी

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज के श्रीहरिदेव जोशी जिला अस्पताल के सर्जिकल महिला वार्ड में भर्ती निवर्तमान पार्षद की पत्नी को एक्सपायरी डेट की ड्रिप चढ़ा दी गई। घर गए निवर्तमान पार्षद पति ने वापस आकर देखा तो चढ़ाई गई ड्रिप की तारीख देखकर वो चौंक गया। उसने इसकी शिकायत नर्सिंगकर्मियों और अस्पताल अधीक्षक से की तो ड्रिप को हटाने की जल्दबाजी दिखाई। पार्षद पति ने मामले की शिकायत करते हुए किसी भी तरह की घटना पर अस्पताल प्रबंधन पर आरोप लगाए। वहीं अस्पताल के उप अधीक्षक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच कमेटी बनाने ओर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही है।

- **पार्षद पति ने कहा कि पत्नी को कुछ हुआ तो अस्पताल प्रबंधन जिम्मेदार होगा, अस्पताल के उप अधीक्षक ने जांच कमेटी बनाने की बात कही**

जानकारी के अनुसार डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के महिला सर्जिकल वार्ड में भर्ती अपेक्षा यादव पत्नी नरेश यादव निवासी राजपुर को एक्सपायरी डेट की ड्रिप चढ़ाई गई है। नगर परिषद के निवर्तमान पार्षद नरेश यादव ने बताया कि उसकी पत्नी के पेट में दर्द होने पर 27 मई को डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए थे। जांच के बाद उसके अपेंडिक्स बताया गया। डूंगरपुर नगर परिषद के निवर्तमान पार्षद नरेश यादव की पत्नी अपेक्षा यादव को पेट में दर्द होने पर डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां जांच के बाद अपेंडिक्स बताकर ऑपरेशन करने का कहकर मरीज को महिला सर्जिकल वार्ड में भर्ती कर दिया गया। नरेश यादव ने बताया कि गुरुवार को दिनभर वे अस्पताल में रहे, लेकिन रात करीब 10 बजे छोटी बच्ची के घर पर अकेली होने से वे घर चले गए। इस दौरान पत्नी और परिवार के लोग अस्पताल में रहे। इधर शुक्रवार सुबह नर्सिंगकर्मियों ने अस्पताल में भर्ती अपेक्षा यादव को एक ड्रिप चढ़ाई। सुबह करीब 7.30 बजे नरेश घर से अस्पताल पहुंचे और देखा तो पत्नी अपेक्षा को ड्रिप चढ़ाई हुई थी। पत्नी को देखने के बाद उनकी नजर ड्रिप पर पड़ी। ड्रिप पर एक्सपायरी डेट मार्च 2026 लिखी हुई थी। सोडियम क्लोराइड ग्लूकोज की एक्सपायरी डेट ड्रिप चढ़ाई गई थी।

नरेश यादव ने तुरंत इसकी शिकायत नर्सिंगकर्मियों और अधीक्षक से की। इस पर नर्सिंगकर्मी ड्रिप को हटाने के लिए आए,लेकिन उन्होंने इसे रोक लिया। वहीं शिकायत के बाद अस्पताल के उप अधीक्षक डॉ. कोस्तुभ सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने महिला मरीज की जांच की है। अभी वह ठीक है। एक्सपायरी डेट की ड्रिप किसने चढ़ाई और कहां पर लापरवाही हुई। इसकी जांच के लिए एक कमेटी बनाई गई है। कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद इसमें दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं एक्सपायरी डेट के स्टॉक की भी जांच की जा रही है। वहीं नरेश यादव ने उनकी पत्नी के साथ किसी भी तरह की घटना के लिए अस्पताल प्रबंधन को जिम्मेदार बताया है।

श्रीगंगानगर में ओलावृष्टि-बारिश से तापमान में 5.2 डिग्री की गिरावट

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में कई जगह पर दोपहर बाद हुई ओलावृष्टि और बारिश ने भीषण गर्मी के असर को काफी हद तक कम कर दिया है। शुक्रवार सुबह से चल रही ठंडी हवाओं के कारण मौसम सुहावना हो गया है। लंबे समय से पड़ रही तेज गर्मी से राहत मिलने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है, वहीं बाजारों में भी चहल-पहल बढ़ गई है।

- **मौसम विभाग ने जिले में 31 मई तक बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया**
- **बुधवार को तापमान 48.2 डिग्री तक पहुंच गया था**

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर के अनुसार शुक्रवार सुबह न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गुरुवार को न्यूनतम तापमान 30.8 डिग्री और अधिकतम तापमान 47.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। इस तरह न्यूनतम तापमान में 5.2 डिग्री की गिरावट दर्ज हुई है। इससे पहले बुधवार को अधिकतम तापमान 48.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जो इस मौसम की तीव्र गर्मी को दर्शाता है।

मौसम विभाग ने जिले में 31 मई तक बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि की संभावना बनी हुई है।

मौसम में आए इस बदलाव से जहां लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है, वहीं कई क्षेत्रों में ओले गिरने से फसलों को नुकसान की आशंका भी जताई जा रही है। ओलावृष्टि और बारिश के बाद जहां आमजन ने गर्मी से राहत महसूस की है, वहीं किसानों की चिंता बढ़ गई है। कई इलाकों में फसलों को नुकसान का आकलन किया जा रहा है। हालांकि फिलहाल मौसम में आए इस बदलाव को लोगों ने लंबे समय बाद मिली बड़ी राहत के रूप में देखा है।

कालू में नौतपा के बीच बारिश हुई : कालू में मौसम का मिजाज बदल गया है। नौतपा के बीच हुई बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। पिछले कई दिनों से कालू में भयंकर गर्मी पड़ रही थी। दिनभर गर्म लू चल रही थी और तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था, जिससे आमजन काफी परेशान थे। शाम होते ही आसमान में चारों तरफ बादल छा गए और तेज बारिश शुरू हो गई। इस मौसम परिवर्तन से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिली है। बारिश होने से किसानों में भी उम्मीद जगी है। अच्छी बारिश के बाद वे बाजरे की बुवाई शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। भीषण गर्मी और लू से परेशान आम जनता को इस बारिश से काफी सुकून मिला है। बारिश के बाद बाजारों में भी चहल-पहल बढ़ गई है।

विदेश से फिरौती नेटवर्क चलाने वाले महेंद्र डेलाना का पिता गिरफ्तार

वसूली की रकम ठिकाने लगाने, गैंग के गुर्गों को शरण देने का आरोप

हनुमानगढ़, (निसं)। पुलिस ने संगठित अपराध और गैंगस्टर नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने विदेश से फिरौती का नेटवर्क चलाने वाले महेंद्र डेलाना के पिता चंदनमल उर्फ चानण (60) को गिरफ्तार किया है। उस पर गैंग की आर्थिक गतिविधियों में शामिल होने और फरार अपराधियों को शरण देने का आरोप है।

पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि महेंद्र डेलाना फर्जी पासपोर्ट के जरिए विदेश भाग गया था। वहीं से व्यापारियों और अन्य लोगों को धमकाकर रंगदारी वसूलने का नेटवर्क चला रहा है। जांच में सामने आया कि गैंग द्वारा वसूली गई रकम को संभालने और उसे ठिकाने लगाने का काम उसके पिता चंदनमल करता था। पुलिस पूछताछ में आरोपी चंदनमल ने स्वीकार किया कि करीब आठ-नौ महीने पहले महेंद्र के कहने पर उसने बीकानेर रोड स्थित केपीएस स्कूल के पास छिपाकर रखे गए ढाई लाख रुपए उठाकर दूसरी जगह पहुंचाए थे। पुलिस का मानना है कि यह राशि फिरौती से संबंधित थी। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि चंदनमल गैंग के गुर्गों को सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध कराता था। किसी वारदात के बाद फरार होने वाले बदमाशों को वह अपने खेत में बनी ढाणी में पनाह देता था, ताकि वे पुलिस की नजरों से बच सकें। हाल ही में गिरफ्तार किए गए गैंग सदस्य राजकुमार उर्फ राजू डेंटर और योगेश उर्फ जोगेंद्र को भी उसने अपने यहां शरण दी थी।

गौरतलब है कि 29 अक्टूबर 2025 को एजीटीएफ की सूचना पर गोगामेड़ी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गैंग के शूटरों को गिरफ्तार कर क्षेत्र में एक संभावित बड़ी वारदात को टाल दिया था। इस पूरे मामले में अब तक 16 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पुलिस ने 5 पिस्तौल, 70 जिंदा कारतूस, 2 मैगजीन और वारदात में प्रयुक्त बोलेरो कैंपर व एर्टिगा कार भी जब्त की है। पुलिस अब गैंग के वित्तीय नेटवर्क और बैंक खातों की गहन जांच कर रही है।

10 साल से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

मण्डावा, (निसं)। मण्डावा पुलिस ने 10 वर्षों से फरार स्थायी गिरफ्तारी वारंटी नदीम को दस्तयाब कर न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं मण्डावा पुलिस ने मामले को लेकर आगे की जांच शुरु कर दी है।

थानाधिकारी रामनारायण चोयल के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने न्यायिक मजिस्ट्रेट झुंझुनूं द्वारा प्रकरण सरकार बनाम ईमरान में जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंट के तहत फरार वारंटी नदीम की लगातार तलाश कर उसे गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तार वारंटी की पहचान नदीम पुत्र मौहम्मद दाउद, निवासी वार्ड नंबर 13, मण्डावा के रूप में हुई है। पुलिस टीम द्वारा तकनीकी एवं सूचनात्मक इनपुट के आधार पर लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को दबोचा।

अजमेर सामूहिक हत्याकांड : पूर्व सरपंच की पत्नी और बेटी रिमांड पर

अजमेर/अरांई, (कासं)। अजमेर जिले के बोराड़ा थाना क्षेत्र के श्रीरामपुरा गांव में पूर्व सरपंच रामसिंह चौधरी सहित चार लोगों की नृशंस हत्या और शवों को कार में जलाने के बहुचर्चित मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। अजमेर पुलिस ने इस खौफनाक सामूहिक हत्याकांड की मुख्य आरोपित और मृतक की पहली पत्नी सुनीत तथा उसकी बेटी सरिता सिंह उर्फ एकता को न्यायालय में पेश किया।

पुलिस ने सुनीत तथा उसकी बेटी सरिता सिंह उर्फ एकता को न्यायालय में पेश किया।

- **बोराड़ा थाना क्षेत्र के श्रीरामपुरा गांव में पूर्व सरपंच रामसिंह चौधरी सहित चार लोगों की नृशंस हत्या और शवों को कार में जलाने का बहुचर्चित मामला**

बोराड़ा थानाधिकारी सूर्यभान सिंह के अनुसार पुलिस ने वारदात से जुड़े तमाम तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों की कड़ी जोड़ने के लिए न्यायालय से रिमांड की मांग की थी। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों महिला आरोपियों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। रिमांड अवधि के दौरान पुलिस इन आरोपियों से वारदात की पूरी साजिश, ऑनलाइन मंगवाए गए हथियारों की बरामदगी और घटना से जुड़े अन्य अहम सुरागों को लेकर सख्ती से पूछताछ कर रही है। इस नृशंस हत्याकांड में सुनीता और सरिता के साथ-साथ सुनीता का नाबालिग बेटा भी पूरी तरह शामिल था। पूछताछ में उसी ने बताया था कि वारदात वाली रात वह रामसिंह के लिए बीयर की बोतलें लाया था और उसने अपनी मां से रामसिंह को मार देने की बात कही थी।

गौरतलब है कि 16 मुकदमों के हिस्ट्रीशीटर पूर्व सरपंच रामसिंह चौधरी द्वारा अपनी पहली पत्नी सुनीता को प्रताड़ित करने और उसकी दूसरी शादी सुरज्ञान देवी के कारण परिवार में गहरी कलह चल रही थी। इसी कलह के चलते सुनीता ने अपने बच्चों के साथ मिलकर रामसिंह, उसकी बुजुर्ग मां पुसी देवी, दूसरी पत्नी सुरज्ञान और बुआ की बेटी महिमा की हत्या कर दी थी। वारदात को हादसे का रूप देने के लिए आरोपियों ने शवों को ट्रैक्टर से निकाले गए डीजल की मदद से कार में रखकर जला दिया था। इसके बाद सुनीता ने घर लौटकर दहाड़े मारकर रोने और बेसुध होने का शातिर नाटक रचा था।

पांच हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

बज्जू, (निसं)। रणजीतपुरा पुलिस ने जमीन की फर्जी खरीद-फरोख्त और फर्जी दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने के मामले में वांछित पांच हजार रुपये के इनामी आरोपी धूड़ाराम को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले करीब 22 माह से फरार चल रहा था। पुलिस ने धूड़ाराम को पकड़कर आगे की कार्रवाई के लिए सदर पुलिस थाना बीकानेर को सौंप दिया है।

सदर पुलिस थाना में वर्ष 2024 में प्रकरण दर्ज किया गया था। परिवादी ने आरोप लगाया था कि उसकी 25 बीघा कृषि भूमि, जो चक 31 सीडब्ल्यूबी चारणवाला स्थित मुरब्बा नंबर 146/19 में थी, उसे फर्जी दस्तावेजों के जरिए बेच दिया गया। वृद्ध परिवादी अपने परिवार के साथ गांव रिडमलसर पुरोहितान में रहता था और कभी-कभार ही अपनी जमीन देखने आता था। वर्ष 2024 में जब परिवादी ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) बनवाने के लिए जमाबंदी निकलवाई, तब उसे पता चला कि उसकी जमीन वर्ष 2022 में ही बैयनामे के माध्यम से घड़साना निवासी रतनसिंह के नाम बेच दी गई थी। जांच में सामने आया कि आरोपी हिम्मताराम ने परिवादी के फर्जी अंगूठे और फोटो का उपयोग कर मुख्त्यारनामा तैयार किया और फिर जमीन का विक्रय कर दिया।

इस मामले में हिम्मताराम, रफीक खां, धूड़ाराम, रतनसिंह और वीरसिंह बावरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। बीकानेर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। थानाधिकारी लक्ष्मणसिंह के नेतृत्व में रणजीतपुरा थाने की एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम इससे पहले हिम्मताराम और रफीक खां को भी गिरफ्तार कर चुकी थी, लेकिन धूड़ाराम लगातार अपने ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बच रहा था। आखिरकार पुलिस ने गुप्त सूचनाएं एकत्र कर आरोपी धूड़ाराम की मौजूदगी का पता लगाया। पुलिस टीम ने दबिश देकर आरोपी को पकड़ लिया।

वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

खेतड़ी, (निसं)। सिंघाना थाना क्षेत्र के नीमड़ी स्टैंड के पास शुक्रवार दोपहर को अज्ञात वाहन ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार की इलाज के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मोई भारू सिंघाना निवासी महेश कुमार (40) पुत्र रामनिवास दोपहर को स्कूटी पर सवार होकर सिंघाना से चिड़ावा की ओर जा रहे थे। इस दौरान जब वह नीमडी स्टैंड के पास पंहुचे तो तेज गति से आए वाहन ने स्कूटी को टक्कर मार दी। वाहन की टक्कर लगने के बाद वह सड़क पर गिरने से घायल हो गया। इस दौरान हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा घायल महेश कुमार को चिड़ावा के राजकीय अस्पताल में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक महेश कुमार मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। उनके परिवार में पत्नी एवं दो बेटियां हैं। महेश कुमार की शादी 10 वर्ष पूर्व हुई थी। घटना की सूचना पर मृतक के परिजन व पुलिस मौके पर पहुंची तथा मामले की जानकारी जुटाई। इस दौरान ग्रामीणों ने मृतक के परिवार की दयनीय स्थिति को देखते हुए प्रशासन से आर्थिक सहायता तथा गाड़ी ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पाली में आरटीओ गार्ड को ट्रेलर ने कुचला

पाली, (निसं)। पाली के जाडन टोल नाका पर गत रात 12 बजे सोजत की ओर से आ रहे एक ट्रेलर को रुकवाने का इशारा करने पर ट्रेलर चालक द्वारा गाड़ी ऊपर से निकाल देने से आरटीओ गार्ड की मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर चालक फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार यातायात निरीक्षक शंभू लाल बलाई के साथ आरटीओ टीम जॉर्डन टोल नाके पर वाहनों की जांच कर रही थी। इस दौरान गार्ड रामलाल ने एक ट्रेलर को रोकने का इशारा करने पर ड्राइवर ने गाड़ी उसे पर चढ़ा दी और फरार हो गया, जिससे गार्ड की मौत हो गई। जिसे देख इंस्पेक्टर शंभू लाल और टीम दौड़कर पास आई और एंबुलेंस में डाल बांगड़ अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया और उसकी बॉडी को मोर्चरी में रखवाया गया। अपने गार्ड की मौत पर इंस्पेक्टर शंभू लाल की तबीयत खराब हो गई, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। गार्ड रामलाल रिटायर्ड सैनिक था और पिछले 5 वर्षों से संविदा पर आरटीओ ऑफिस में लगा हुआ था। उनकी मौत पर उनके दोनों बच्चे पिता के शव के पास फूट-फूट कर रोने लगे। पुलिस फरार ट्रक ड्राइवर की तलाश कर रही है।

नवलगढ़ में बेटी की मौत के मामले में पिता गिरफ्त में

नवलगढ़, (निसं)। झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ थाना पुलिस ने बेटी को आत्महत्या के लिए उकसाने और प्रताड़ित करने के मामले में आरोपी पिता को गिरफ्तार किया है। आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था, जिसे पुलिस ने दस्तयाब कर न्यायालय में पेश किया। थाना प्रभारी संतोष के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी श्रीराम पुत्र सांवरमल (52) को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार पीड़िता की मां ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका पति आए दिन उसके साथ और पुत्री के साथ मारपीट करता था। आरोप है कि आरोपी ने चूना चौक नवलगढ़ में भी दोनों के साथ मारपीट कर कपड़े फाड़ दिए थे। परिवादिया ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी अपनी ही पुत्री पर गलत नजर रखता था। लगातार प्रताड़ना और मारपीट से परेशान होकर बालिका ने 12 अप्रैल को आत्महत्या का प्रयास किया। घटना के बाद परिजनों और पड़ोसियों ने बालिका को बचाकर पहले नवलगढ़ अस्पताल पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत में सीकर और बाद में जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया। उपचार के दौरान कुछ समय बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया, लेकिन तबीयत बिगड़ने पर 18 मई को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद आरोपी लगातार फरार था और परिवादिया तथा उसकी पुत्री को जान से मारने की धमकियां भी दे रहा था। मामले में गंभीरता से जांच करते हुए गठित टीम ने आरोपी को 28 मई को दस्तयाब कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है तथा मामले में आगे अनुसंधान जारी है।

- **बेटी को आत्महत्या के लिए उकसाने और प्रताड़ित करने का आरोप**

ट्रांसफर के नाम पर धोखाधड़ी

जोधपुर, (कासं)। शहर के एक सरकारी स्कूल अध्यापक को मनचाहे स्थान पर स्थानांतरण कराने के नाम पर जयपुर के एक व्यक्ति ने 70 हजार की धोखाधड़ी कर ली। पीड़ित अध्यापक की तरफ से पहले पुलिस आयुक्तालय में परिवाद दिया और अब नागौरी गेट थाने में प्रकरण दर्ज किया है। मामला जयपुर के सोढाला थाना क्षेत्र का है। उदयमंदिर आसन मीठडी ठाकुर की हवेली निवासी कमू खां की तरफ से नागौरी गेट थाने में रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि वे सरकारी स्कूल में अध्यापक हैं। उन्होंने अपना स्थानांतरण कराने के लिए जयपुर के दिनेश कुमार से संपर्क किया था। तब दिनेश कुमार ने खुद को शिक्षामंत्री का करीबी बताया और मनचाहे स्थान पर तबादला कराने की बात की थी।

शिक्षक की मौत

हलैना/भरतपुर, (निसं)। थाना हलैना क्षेत्र के गांव बेवर के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक भवानी सिंह निवासी गांव ढाका की ढाणी, तहसील नवलगढ़ जिला झुंझुनूं की हृदय गति रूकने से मौत हो गई। ये 28 मई को बेवर में जनगणना के कार्य में लगे हुए थे। दिन में जनगणना का कार्य कर देर सांय कस्बा हलैना लौटे और अचानक तबीयत खराब हो गई, जिसे मकान मालिक और पड़ोसियों ने सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

23 दिन बाद दुबई से आया विक्रम स्वामी का शव

चिड़ावा, (निसं)। शहर की सुथरान बस्ती वार्ड नंबर 24 निवासी विक्रम स्वामी का शव 23 दिन बाद दुबई से भारत पहुंचा। दुबई में 5 मई को आकस्मिक निधन होने के बाद कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के चलते शव को भारत लाने में लंबा समय लग गया। शव को चिड़ावा तक लाने में भाजपा नेता सुरेश भूकर ने भी काफी प्रयास किए थे। शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे पार्थिव शरीर जयपुर एयरपोर्ट पहुंचा, जहां से उसे चिड़ावा स्थित पैतृक निवास लाया गया। इसके बाद अंतिम संस्कार किया गया।

जानकारी के अनुसार 27 वर्षीय विक्रम स्वामी पुत्र दीवान स्वामी दुबई में अरेबियन कंस्ट्रक्शन कंपनी में कार्यरत था। वह करीब 11 महीने पहले रोजगार के सिलसिले में दुबई गया था। पांच मई को अचानक उसकी मौत हो गई थी, जिसके बाद उनका शव दुबई प्रशासन के कब्जे में था। परिजनों के अनुसार शव को भारत लाने के लिए आवश्यक कार्रवाई पूरी करने में काफी समय लग गया।

डूंगरपुर में घरेलू सामान की आड में ले जाई जा रही अवैध शराब जब्त

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में चलाए जा रहे ऑपरेशन स्वच्छता के तहत पुलिस थाना चौरासी ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक पिकअप से करीब 4 लाख रुपए की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की है। इस मामले में घरेलू सामान की आड में शराब तस्करी कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

चौरासी थानाधिकारी ने बताया कि अवैध शराब तस्करी की रोकथाम के लिए अभियान चलाया जा रहा था। बैंजा चौकी के सामने स्टेट हाईवे-54 पर नाकाबंदी कर गाड़ियों की संघन जांच की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर एक पिकअप गाड़ी को रुकवाकर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान पिकअप में पुराने घरेलू सामान, कपड़ों की कतरन, सिलाई मशीनें और टूटे स्टूल के नीचे छिपाकर रखे गए अंग्रेजी शराब के 15 कार्टन बरामद हुए। पुलिस ने मौके से ड्राइवर आकाश शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पीपली, थाना पिलानी, जिला झुंझुनूं का निवासी है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि यह शराब हरियाणा के गुरुग्राम से भरकर गुजरात के सूरत ले जाई जा रही थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने गुजरात ले जाई जा रही चार लाख की अवैध शराब जब्त की।

ट्रक चालक से लाखों लूट का वांछित आरोपी बापर्दा गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। एनएच-52 पर दरा गांव में ट्रक चालक व खलासी के साथ हुई लूट की वारदात में कनवास पुलिस टीम ने सायबर व डीएटी टीम के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए वांछित इनामी आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 5 अप्रैल को फरियादी सुखलाल ने रिपोर्ट दी, रिपोर्ट में कहा कि उसकी फर्म महावीर फ्रूट कम्पनी सब्जी मंडी में स्थित है। रिपोर्ट में कहा कि ट्रक चालक जीतेन्द्र गुर्जर के साथ उस्मानाबाद महाराष्ट्र अंगूर लेने के लिये खाली केरिट के गाड़ी खाना की थी। किसानों को पेमेन्ट देने के लिये 12.77 लाख रुपये गाड़ी में रखे थे। गाड़ी रवाना होकर मण्डाना होकर दरा पहुंची तो 2 मोटरसाईकिल पर आये 6 अज्ञात व्यक्तियों ने ट्रक की रस्सी काट दी और दरा में ट्रक रुकरवाकर चालक व खलासी को चाकू दिखाकर 12.77 लाख रुपये लूट कर ले गये। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया एवं मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीमों का गठन कर प्रकरण के शीघ्र खुलासे करने के निर्देश दिये गये। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम ने ट्रक के आने के रास्ते के सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर विश्लेषण किया। टीम ने पूर्व में आरोपी बल्लू उर्फ बलराम एवं उसके साथी विशाल एवं देवेश को गिरफ्तार कर प्रकरण में माल बरामद किया गया था, शेष आरोपी रोहन जागा, विजय एवं सूरज घटना के बाद फरार हो गये थे। मामले में फरार आरोपी रोहन जागा पर 10 हजार के इनाम राशि घोषित की गई। मामले में वांछित चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस टीम ने दुर्गा बस्ती कोटा, सथूर, हिन्डोली, बून्दी में संभावित स्थानों पर दबिश दी। मामले में सायबर सेल के सहायक उप निरीक्षक भुपेन्द्र हाड़ा को मुखबिर से सूचना मिली कि मामले का आरोपी रोहन जागा अभी कोटा आया हुआ है और सामान इत्यादि लेकर वापस जयपुर की तरफ भागने की फिराक में है।

लूट का वांछित आरोपी

- **मामले में फरार आरोपी रोहन जागा पर 10 हजार के इनाम राशि घोषित की गई थी**

उक्त सूचना पर कोटा बायपास पर बून्दी रोड पर सायबर टीम, जिला विशेष टीम एवं थाना कनवास टीम ने संयुक्त रूप से कार्यवाही की, कार्यवाही के दौरान आरोपी कोटा बायपास पर ब्रिज के नीचे खड़ा मिला जो पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास करने लगा जिसे पुलिस जाप्ता द्वारा घेराबन्दी कर दुर्गाबस्ती निवासी रोहन को बापर्दा गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में घटना के बाद उत्तरप्रदेश के कानपुर, लखनऊ एवं उड़ीसा में फरारी काटना बताया है, आरोपी से प्रकरण के माल मसरुका की बरामदगी बाबत् गहनता से अनुसंधान किया जा रहा है।

फर्जी ताइक्वांडो प्रमाण पत्र लगाकर चयन कराने की साजिश रचने वाला गिरफ्तार

राजस्थान में सरकारी नौकरियों में फर्जीवाड़े के बड़े खेल का खुलासा किया एस.ओ.जी. ने

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में सरकारी नौकरियों में फर्जीवाड़े के बड़े खेल का खुलासा करते हुए स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने तृतीय श्रेणी अध्यापक (लेवल-1) भर्ती-2022 में फर्जी ताइक्वांडो प्रमाण पत्र लगाकर चयन कराने की साजिश रचने वाले आरोपित भभूता राम विश्नोई को जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। आरोपित पर पीटीआई भर्ती परीक्षा-2022 में अपने भाई की जगह डमी अभ्यर्थी से परीक्षा दिलवाने का भी आरोप है। फिलहाल एसओजी की टीम आरोपित से पूछताछ करने में जुटी है।

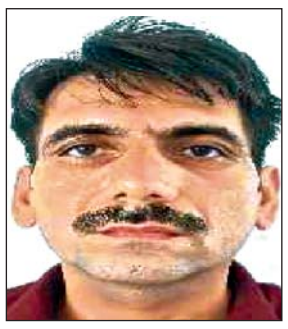

■ आरोपी भभूताराम विश्नोई पर पीटीआई भर्ती परीक्षा-2022 में अपने भाई की जगह डमी अभ्यर्थी से परीक्षा दिलवाने का भी आरोप है

एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती-2022 में खेल कोटे के तहत चयन के लिए 38 अभ्यर्थियों ने नेशनल लेवल ताइक्वांडो प्रतियोगिता के फर्जी प्रमाण पत्र पेश किए थे। जांच में सामने आया कि इन प्रमाण पत्रों को असली साबित करने के लिए 'ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया, धनबाद, झारखंड' के नाम से मिलती-जुलती फर्जी ईमेल आईडी बनाकर प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय बीकानेर को कूटरचित सत्यापन रिपोर्ट भेजी गई थी। इस मामले में एसओजी थाना में धोखाधड़ी, कूटरचना और आईटी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपित भभूताराम उर्फ रणजीत विश्नोई निवासी लछिए का तला बाड़मेर ने दलाल सतीश डुल के माध्यम से करीब एक लाख रुपए में फर्जी ताइक्वांडो खेल प्रमाण पत्र का सौदा तय किया था। आरोपित ने करीब तीन वर्ष पहले 15 हजार रुपए नकद देकर प्रमाण पत्र हासिल किया और चयन समिति के समक्ष प्रस्तुत कर सरकारी नौकरी पाने का प्रयास किया।

एसओजी के अनुसार आरोपित पहले से ही एक अन्य मामले में जयपुर सेंट्रल जेल में न्यायिक अभिरक्षा में बंद था। उस पर पीटीआई भर्ती परीक्षा-2022 में अपने छोटे भाई मुकेश कुमार की जगह डमी अभ्यर्थी से परीक्षा दिलवाने का भी आरोप है। जांच में सामने आया कि शिक्षा विभाग के यूडीसी जगदीश सारण के माध्यम से आरोपित ने पवन कुमार नामक युवक को मोटी रकम देकर भाई की जगह परीक्षा में बैठाया था। इस संबंध में अलग से मामला दर्ज है।

एसओजी ने आरोपित को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे 30 मई तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। एसओजी अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े दलालों, फर्जी प्रमाण पत्र तैयार करने वालों और अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि मामले में अब तक 38 नामजद अभ्यर्थियों में से 21 अभ्यर्थियों सहित फर्जी ईमेल आईडी तैयार करने वाले आरोपित बिमलेन्दु कुमार झा, दलाल कमल सिंह तथा फर्जी खेल प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने वाले अन्य आरोपितों समेत कुल 28 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। शेष आरोपितों और दलालों की तलाश जारी है।

40 हजार की रिश्वत लेते प्लेसमेंट एजेंसी का कर्मचारी गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर मुख्यालय टीम ने कार्रवाई करते हुए एक स्वयंसेवी संस्था से जुड़ी प्लेसमेंट एजेंसी के कर्मचारी को 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी ने एक महिला से उसका अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने और पीएफ व यूएएन नंबर रजिस्टर्ड करने के नाम पर भारी-भरकम घूस मांगी थी। एसीबी की टीम ने आरोपी के चार मंजिला मकान पर दबिश देकर उसे रंगे हाथों दबोच लिया। एसीबी के अनुसार आरोपी अनिल डायनेमिक मैनपावर सिक्योरिटी सर्विसेज नाम की प्लेसमेंट एजेंसी दुर्गापुरा में कार्यरत है। पीड़ित महिला को अपने पीएफ से जुड़े मामले और अनुभव प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। आरोप है कि अनिल इसके एवज में महिला से लगातार रिश्वत की डिमांड कर रहा था और उसे परेशान कर रहा था। परेशान होकर पीड़िता ने इसकी शिकायत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में दर्ज कराई। महिला की शिकायत मिलने के बाद एसीबी की टीम ने बेहद गोपनीय तरीके से शिकायत का सत्यापन करवाया। सत्यापन के दौरान रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि सही पाई गई। जिसके बाद आरोपी अनिल को रंगे हाथों पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया। आरोपी अनिल ने पीड़िता को रिश्वत की रकम लेकर अपने घर पर बुलाया था। जहां एसीबी की टीम ने नजर बनाए रखी और जैसे ही आरोपी ने अपने चार मंजिला मकान के बेसमेंट में बने ऑफिस एरिया में पीड़िता से चालीस हजार रुपए की नगद राशि ली, वैसे ही टीम ने दबिश देकर उसे रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी से रिश्वत की राशि बरामद कर ली गई है। एसीबी के अधिकारियों के मुताबिक आरोपी अनिल को गिरफ्तार कर मुख्यालय लाया गया है।

मुख्यमंत्री ने नींदड में ईको ट्रेल का किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को नींदड वन क्षेत्र में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत एनिकट पर श्रमदान किया।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को नींदड वन क्षेत्र में नींदड़-बैनाड़ बायोडाइवर्सिटी प्रोजेक्ट ईको ट्रेल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत एनिकट पर श्रमदान कर आमजन से जल संरचनाओं के संरक्षण एवं संवर्धन में सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नींदड वन अत्यंत सुंदर और संभावनाओं से परिपूर्ण क्षेत्र है। राज्य सरकार इसे सघन पौधारोपण के माध्यम से विकसित करेगी, ताकि यहां प्रकृति पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सके।

उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के अंतर्गत हमारा प्रयास है कि ऐसे कई स्थानों पर एनिकट एवं जल संचय संरचनाओं का निर्माण कर वर्षा जल को एकत्रित किया जा सके। इसी तरह प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर इस वर्ष भी हमारी सरकार ने 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रदेश को जल आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। हरियालो राजस्थान और वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान प्रदेश में जनभागीदारी आधारित पर्यावरण एवं जल संरक्षण को नई दिशा प्रदान करेंगे। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को नींदड वन में आमजन के लिए ट्रैक निर्माण सहित अन्य पर्यावरण अनुकूल सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रकृति पूजा की सांस्कृतिक परंपराओं का पालन करते हुए विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पीपल पूजन किया। साथ ही, उन्होंने शिव मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि के लिए कामना की।

उन्होंने पक्षियों के लिए परिंडे बांधे तथा महिलाओं को तुलसी के पौधे वितरित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सफेद चंदन का पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

विनिश्चय सागर महाराज ने किया केशलोच

जयपुर। दिगंबर जैन धर्मशाला सामली में विराजमान वाक्ककेसरी संत आचार्य विनिश्चय सागर जी महा मुनिराज ने शुक्रवार को कर्मों की निर्जरा के लिए अपना स्वयं केशलोच किया।

एल.आई.सी. ने लॉन्च किए दो नए प्लान

जयपुर (कासं)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक आर. दुरैस्वामि ने दो नए प्लान "नई जीवन साथी एकल प्रीमियम और सीमित प्रीमियम" (प्लान नंबर 888 व 889) को लॉंच किया है।

उन्होंने बताया कि यह दोनों संयुक्त जीवन प्लान है, जिनमें विवाहित व्यक्ति और उसके जीवनसाथी को एक ही पॉलिसी में बीमा सुरक्षा मिलती है। इन प्लान में न्यूनतम मूल बीमित राशि 3 लाख रुपए है, जबकि अधिकतम राशि की कोई सीमा नहीं है।

हालांकि बीमा प्लान लेने के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है। ग्राहक अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान करके वैकल्पिक राइडरों का चयन कर सकेगा। उन्होंने बताया कि एकल प्रीमियम प्लान में ग्राहकों को एकबारगी ही भुगतान करना होता है। जबकि सीमित प्रीमियम प्लान में पॉलिसीधारक द्वारा चुनी गई 10, 15, 20 अथवा 25 वर्ष की अवधि के लिए प्रीमियम भुगतान 5, 10 और 15 वर्ष के लिए चुना जा सकता है। ग्राहकों को हर साल 7 प्रतिशत की दर से गारंटीड एडिशन्स का लाभ दिया जाएगा।

जयपुर सहित 8 शहरों में बारिश, ओले भी गिरे

जयपुर। पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से शुक्रवार को जयपुर सहित करीब 8 शहरों में बारिश हुई। इस दौरान कुछ स्थानों पर ओले भी गिरे।

आंधी-बारिश से शहरों के पारे में 11 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई। इससे आमजन को भीषण गर्मी से राहत मिली। करीब 45.6 डिग्री के साथ जैसलमेर और 33 डिग्री के साथ बीकानेर की रात सबसे गर्म रही। जयपुर में भी शुक्रवार को दोपहर बाद मौसम बदला और काले घने बादल छाने के साथ आंधी के साथ बारिश हुई। देर शाम अचानक मौसम बदला और बारिश के साथ ओले भी गिरे। इससे जयपुर के पारे में 10 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई। आमजन को तेज गर्मी से राहत मिली। इससे पहले शुक्रवार को दिनभर शहर के आसमान में बादलों की आवाजाही रही, लोग तेज धूप और लू के थपेड़ों से बेहाल रहे। बारिश ने नौतपा की गर्मी से हल्की राहत दी।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मोहिनी देवी पत्नी श्री पूरण मल निवासी- 27 A, श्री नाथ कॉलोनी, एयरपोर्ट के पास, सांगानेर, जयपुर (राजस्थान) अपने पुत्र गोविंद और पुत्रवधू तपस्या धानका को मेरे साथ गलत व्यवहार करने, मेरा कहा अनसुना करने, और प्रताड़ित करने के कारण मैं उनसे संबंध विच्छेद करती हुं। और अपनी सभी चल व अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में अपने किसी भी कृत्य में ये दोनों स्वयं जिम्मेदार होगे। **मोहिनी देवी पत्नी श्री पूरण मल**

कार्यालय उपायुक्त (विद्याधर नगर जोन) नगर निगम जयपुर
(अम्बाबाड़ी सर्किल, अम्बाबाड़ी, जयपुर)

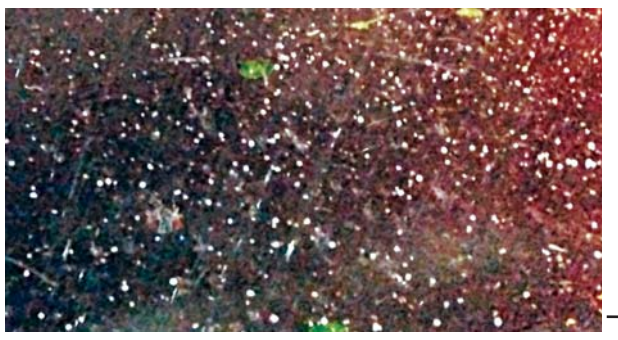

क्रमांकः- एफ-55 ()वि.जोन/ज.न.नि./2026/342 दिनांकः- 28.05.2026

सार्वजनिक सूचना भूखंड सं. 20, शिवपुरी, झोटवाड़ा, जयपुर का (श्री छत्रपति शिवाजी गृह.नि.स.स) द्वारा श्रीमती रतन देवी पत्नी श्री जुगल किशोर के पक्ष में दिनांक 26.01.2002 को क्षेत्रफल 227.95 वर्गगज भूमि का आवंटन पत्र जारी किया गया था। प्रकरण में मूल आवंटी की मृत्यु उपरान्त शेष वरिसानो बीना देवी (पुत्री) द्वारा जरिये रजि. हकत्याग पत्र दिनांक 07.05.2026 के द्वारा भूखंड श्री राजकुमार, श्री प्रीतम कुमार वर्मा, श्री महेश वर्मा एवं श्री जितेन्द्र वर्मा के पक्ष में कर दिया। आवेदकगण श्री राजकुमार, श्री प्रीतम कुमार वर्मा, श्री महेश वर्मा एवं श्री जितेन्द्र वर्मा द्वारा भूखड से 20, शिवपुरी, (श्री छत्रपति शिवाजी गृह.नि.स.स) झोटवाड़ा, जयपुर क्षेत्रफल 227.95 वर्गगज का नाम हस्तांतरण अपने पक्ष में जारी किये जाने हेतु आवेदन किया गया है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कंपनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तांतरण की कार्यवाही संपादित कर ली जावेगी। उपायुक्त विद्याधर नगर जोन, नगर निगम जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर
आवश्यक सूचना

आवास संख्या 4/17, एन.ई.बी.82 योजना अलवर जो कि मूलतः श्री राकेश कुमार जैन पुत्र श्री मंगल राम जैन को आवंटन पत्रांक 3914 दिनांक 02.02.1991 के द्वारा आवंटित किया गया था। मण्डल द्वारा आवास का अदेय प्रमाणपत्र क्रमांक 2950 दिनांक 19.09.1991 को श्री राकेश कुमार जैन के पक्ष में जारी कर दिया गया था। श्री राकेश कुमार जैन द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 09.03.1995 को उपपंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री राकेश कुमार जैन की मृत्यु दिनांक 20.10.2022 को हो जाने के उपरांत उनकी उत्तराधिकारिणी पत्नि श्रीमती प्रफुल्ल कुमारी गुप्ता द्वारा मण्डल नियमानुसार प्रस्तुत क्षतिपूर्ति बंधक शपथ पत्र, घोषणा शपथपत्र एवं अन्य आवश्यक शपथपत्रों व प्रपत्रों के आधार पर उक्त आवास का मृत्यु उपरान्त नाम प्रतिस्थापन हस्तांतरण किये जाने हेतु शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 4/17, एन.ई.बी.82 योजना अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती प्रफुल्ल कुमारी गुप्ता पत्नि स्व. श्री राकेश कुमार जैन के पक्ष में आवास का मृत्यु उपरान्त नाम प्रतिस्थापन हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

NAME CHANGE

मैं तीजन देवी (Teejan Devi) पत्नी स्व. श्री रामेश्वर निवासी भाम्भोरिया की ढाणी, बड़ के बालाजी, जयपुर, राजस्थान 302026 मैंने अपना नाम तीजा देवी से बदलकर तीजन देवी (Teejan Devi) रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

मैंने मेरा नाम कविता से बदलकर मेरे समस्त डॉक्यूमेंट के अनुसार मेरा नाम कविता चौधरी 234 ऑफिसर्स कैंपस विस्तार, सिरसी रोड, खातीपुरा, जयपुर कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

मैं रमा सिंह राठौड़ पत्नी राजेंद्र सिंह नरूका (पुत्री हुकम सिंह) ने अपना नाम रमा सिंह से बदलकर रमा सिंह राठौड़ रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। पता A-45, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर।

मैं लवीना झुरानी पत्नी श्री नितेश झुरानी निवासी 7-झ-15, जवाहर नगर, जयपुर। मैंने अपना नाम लोंगवानी लवीना राम (LONGWANI LAVEENA RAM) से बदलकर लवीना झुरानी (LAVEENA JHURANI) रख लिया है। भविष्य में मुझे लवीना झुरानी (LAVEENA JHURANI) के नाम से जाना जाये।

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

मां का देह शोषण और नाबालिग बेटी से छेड़छाड़ करने वाले को उम्रकैद

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने मां का चार साल तक देह शोषण और उसकी बेटी के साथ छेडछाड करने वाले अभियुक्त शक्ति सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

इसके साथ ही पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने 35 साल के इस अभियुक्त पर 2.20 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने अदालत को बताया कि अभियुक्त को पीडिता के पति ने अपने ऑफिस में कर्मचारी और चालक के पद पर रखा था। साल 2016 में पीडिता का घर में अकेले रहने के दौरान बेहोश होने का फायदा उठाकर अभियुक्त ने उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना लिए। इसके बाद वह इन्हें सार्वजनिक करने के नाम पर आए दिन उसके साथ संबंध बनाने लगा। इस दौरान अभियुक्त ने उसके लाखों रुपए की वसूली भी की। वहीं उसकी नाबालिग बेटी के साथ भी छेडछाड की। घटना को लेकर पीडिता की ओर से 19 अक्टूबर, 2020 को मुरलीपुरा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत मे आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीडिता ने अपने आरोप दोहराए।

वहीं अभियुक्त पक्ष की ओर से कुछ फोटोग्राफ पेश कर कहा गया कि पीडित विवाहिता उसके साथ प्रेम करती थी और दोनों के बीच आपसी सहमति से ही संबंध बनाए जाते थे। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर
आवश्यक सूचना

मूलतः आवास संख्या 8/151, एन.ई.बी. विस्तार योजना, अलवर जो कि श्री नृपेन शर्मा पुत्र श्री ओम प्रकाश शर्मा को आवंटन पत्रांक 3038 दिनांक 10.01.2011 के द्वारा आवंटित किया गया था। आवास का अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 475 दिनांक 30.04.2012 को श्री नृपन शर्मा पुत्र श्री ओम प्रकाश शर्मा के नाम जारी कर दिया गया। श्री नृपेन शर्मा द्वारा उक्त आवास के लिये जये पंजीकृत मुख्तयारनामा दिनांक 28.04.2011 को श्रीमती शशी बत्रा पत्नी श्री राकेश बत्रा को अपना मुख्तयारआम नियुक्त किया गया। श्रीमती शशी बत्रा द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 15.05.2012 को उप पंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्रीमती शशी बत्रा बहैसियत मुख्तयारआम आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत बयनामा दिनाक 16.05.2012 को श्री करूण नरूला पुत्र स्व. श्री कंवलनयन नरूला को कर दिया गया। श्री करुण नरूला द्वारा आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत बयनामा दिनांक 23.01.2025 को श्रीमती कैलाश देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश को कर दिया गया। श्रीमती कैलाश देवी द्वारा उक्त आवास का नियमानुसार लीज हस्तांतरण किये जाने हेतु दस्तावेज एवं शुल्क जमा करा कर आवेदन किया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि 8/151, एन.ई.बी. विस्तार योजना, अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई अन्य किसी विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती कैलाश देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश के पक्ष में आवास के लीज हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर
आवश्यक सूचना

श्री मंगल राम जैन को आवंटन पत्रांक 3914 दिनांक 02.02.1991 के द्वारा आवंटित किया गया था। आवास संख्या 4/17, एन.ई.बी.82 योजना अलवर जो कि मूलतः श्री राकेश कुमार जैन पुत्र मण्डल द्वारा आवास का अदेय प्रमाणपत्र क्रमांक 2950 दिनांक 19.09.1991 को श्री राकेश कुमार जैन के पक्ष में जारी कर दिया गया था। श्री राकेश कुमार जैन द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 09.03.1995 को उपपंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री राकेश कुमार जैन की मृत्यु दिनांक 20.10.2022 को हो जाने के उपरांत उनकी उत्तराधिकारिणी पत्नि श्रीमती प्रफुल्ल कुमारी गुप्ता द्वारा मण्डल नियमानुसार प्रस्तुत क्षतिपूर्ति बंधक शपथ पत्र, घोषणा शपथपत्र एवं अन्य आवश्यक शपथपत्रों व प्रपत्रों के आधार पर उक्त आवास का मृत्यु उपरान्त नाम प्रतिस्थापन हस्तांतरण किये जाने हेतु शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 4/17, एन.ई.बी.82 योजना अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती प्रफुल्ल कुमारी गुप्ता पत्नि स्व. श्री राकेश कुमार जैन के पक्ष में आवास का मृत्यु उपरान्त नाम प्रतिस्थापन हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

प्रपत्र-7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान
सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 639/2026

चूंकि श्री चार्ल्स एलेक्स लुईस पुत्र श्री लुईस एंथोनी लुईस निवासी प्लाट नम्बर 863, शांति नगर, दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन के सामने, दुर्गापुरा, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास Humanity on Priority कार्यालय का पता प्लाट नम्बर 863, शांति नगर, दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन के सामने, दुर्गापुरा, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारां प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित् मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 27/5/26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 31/07/26.

(मोहर अदालत) सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

संख्यांक 2
विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, क्रम -3, स्थान जयपुर महानगर प्रथम
श्रीमती वीरिन्द्र छिब्बर विरूद्ध श्रीमती परविन्दर कौर कपूर व अन्य
वाद बाबत् घोषणा, बंटवारा एवं स्थाई निषेधाज्ञा
वाद संख्या 56 सन 2025

नाम श्रीमती गीना कौर पुत्री स्व. श्री गुरूदर्शन पाल सिंह कपूर पत्नी श्री गगनदीप सिहं जाति........... स्थान **बी-81, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर 302004**

वादिया ने आपके विरूद्ध घोषणा, बंटवारा एवं स्थाई निषेधाज्ञा के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 02 माह 07 सन् 2026 को दिन में 10.30 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करे।

आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज दिनांक 22/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर किया गया।

वरिष्ठ रीडर
(मोहर अदालत) अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम - 3 जयपुर महानगर-प्रथम

संख्यांक 2
विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं मुख्य स्थान न्यायिक मजिस्ट्रेट, जयपुर जिला जयपुर।
शारदा देवी विरुद्ध अनिल बैरवा
वाद बाबत दिवानी कार्यवाही
वाद सं. 08 सन् 2026 NCV. No 8/2026
नाम रामदेव पुत्र भोरिया रेगर जाति रेगर
स्थान सेक्टर-3, स्टेशन रोड, खातीपुरा, जापपुर जिला जपपुर (राज.)

ने आपके विरुद्ध दावा के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 14/07/2026 को दिन में 10:30 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हैं, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रुप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वादकी सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज दिनांक 25/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर किया गया।

रीडर
(मोहर अदालत) वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जयपुर जिला जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर
आवश्यक सूचना

मूलतः आवास संख्या 8/151, एन.ई.बी. विस्तार योजना, अलवर जो कि श्री नृपेन शर्मा पुत्र श्री ओम प्रकाश शर्मा को आवंटन पत्रांक 3038 दिनांक 10.01.2011 के द्वारा आवंटित किया गया था। आवास का अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 475 दिनांक 30.04.2012 को श्री नृपन शर्मा पुत्र श्री ओम प्रकाश शर्मा के नाम जारी कर दिया गया। श्री नृपेन शर्मा द्वारा उक्त आवास के लिये जये पंजीकृत मुख्तयारनामा दिनांक 28.04.2011 को श्रीमती शशी बत्रा पत्नी श्री राकेश बत्रा को अपना मुख्तयारआम नियुक्त किया गया। श्रीमती शशी बत्रा द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 15.05.2012 को उप पंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्रीमती शशी बत्रा बहैसियत मुख्तयारआम आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत बयनामा दिनाक 16.05.2012 को श्री करूण नरूला पुत्र स्व. श्री कंवलनयन नरूला को कर दिया गया। श्री करुण नरूला द्वारा आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत बयनामा दिनांक 23.01.2025 को श्रीमती कैलाश देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश को कर दिया गया। श्रीमती कैलाश देवी द्वारा उक्त आवास का नियमानुसार लीज हस्तांतरण किये जाने हेतु दस्तावेज एवं शुल्क जमा करा कर आवेदन किया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि 8/151, एन.ई.बी. विस्तार योजना, अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई अन्य किसी विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती कैलाश देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश के पक्ष में आवास के लीज हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

KOTA BUS SERVICES LIMITED
Nagar Nigam, New Administrative Building Rajeev Gandhi Bhawan, Dushera Maidan, Kishor Pura, KOTA, E-mail: kbslcitybus@gmail.com

Ref. No. :- KBSL/NNK/2025-26/1384-1402 Date:- 25/05/2026

निविदा शुद्धिपत्र

के.बी.एस.एल कोटा द्वारा मंत्रालयिक कार्मिक, गार्ड एवं परिचालको की आपूर्ती हेतु ई बोली सूचना सं. 01/2025-26 निविदा क्रमांक KBSL/NNK/2025-26/1315-1322 दिनांक 05.05.2026 को जारी की गई थी। जिसमें निम्न प्रकार आंशिक संशोधन किया जाता है-

उक्त निविदा में प्रकाशित निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम दिनांक 28.06.2026 को सांय 6.00 बजे के स्थान पर 01.06.2026 को सांय 6.00 बजे तक एवं तकनीकी बिड खोलने की दिनांक 29.05.2026 को सांय 4.00 बजे के स्थान पर 02.06.2026 को सांय 4.00 बजे तक पढ़ा जावे।

राज.संवाद/सी/26/3739 **अधिशाषी अभियंता के.बी.एस.एल कोटा**

SWAMI KESHVANAND
Institute of Technology, Management & Gramothan
असतो मा सद्गमय
An Autonomous Institute Approved by AICTE, Ministry of Education, Government of India, Recognized by UGC under Section 2(f) of the UGC Act 1956, Affiliated to Rajasthan Technical University, Kota and Engineering Programs accredited by NBA & IE(I).
Swami Keshvanand (1883-1972)

1 RANK BY RTU, KOTA 2017 - 2024 | 47 LPA HIGHEST PACKAGE BEST PLACEMENTS | A++ NAAC ACCREDITED WITH GRADE | NBA ACCREDITED ENGINEERING PROGRAMS ACCREDITED BY NATIONAL BOARD OF ACCREDITATION | 850+ RECORD PLACEMENTS

Creating Winners for Life

ADMISSIONS OPEN
SESSION 2026-27

COURSES OFFERED
B.Tech — REAP College Code 1031, REAP 2026 Official website www.reaprajasthan.co.in
B.Tech (Lateral Entry in 2nd year)
M.Tech — AICTE GATE SCHOLARSHIP Rs. 12,400 p.m. (up to 24 months) for GATE qualified candidates only
MBA
PhD

ADMISSIONS HELPLINE
B.Tech 8505003008 | M.Tech, PhD 9799884938 | MBA 9680080686

SUNDAY OPEN | 9:30 AM TO 4:00 PM
Ramnagaria, Jagatpura, Jaipur-302017 www.skit.ac.in

उनकी उम्र पर मत जाइए। वह उन गेंदबाजों को धुन रहा है जो उससे उम्र में बड़े हैं। बल्कि 15 साल की उम्र में वह ऐसे गेंदबाजों को मार रहा है जिनके पास 15 साल का अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। जरा उसके निडर अंदाज को देखिए।
– सुनीव गावस्कर

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, वैभव गावस्कर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी

बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले इस 15 साल के लड़के की लगन की बहुत ज्यादा तारीफ हो रही है। और इसका बहुत सारा श्रेय उनके पिता संजीव को जाता है जो उन्हें हफ्ते में पांच दिन समस्तीपुर से पटना ट्रेनिंग के लिए ले जाते थे।सूर्यवंशी ने 'जियोस्टार से बताया, 'यह सब मेरे पिता की वजह से है। बचपन से ही उन्होंने मुझसे इतना ज्यादा अभ्यास करवाया है कि अगर मैं एक दिन भी अभ्यास नहीं करूं तो ऐसा लगता है जैसे मेरी जिंदगी थोड़ी धीमी पड़ गई हो। इसलिए मुझे बहुत लंबे ब्रेक की जरूरत नहीं पड़ती। एक दिन का ब्रेक ही काफी होता है।

क्या आप जानते हैं ?... अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ताजा पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग के अनुसार, इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाजों रूट दुनिया के नंबर 1 टेस्ट बल्लेबाज हैं।

गुजरात तीसरी बार फाइनल में

राजस्थान को 7 विकेट से हराया, गिल का शतक, सूर्यवंशी के 96 रन काम न आए

नई दिल्ली, 29 मई। गुजरात टाइटंस में तीसरी बार फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने क्वालिफायर-2 में राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हराया। फाइनल में 31 मई को गुजरात का मुकाबला अहमदाबाद में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा।

शुक्रवार को मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह स्टेडियम में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 214 रन बनाए। जवाब में गुजरात ने 18.4 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। गुजरात का में यह सबसे बड़ा रन चेज है।

इससे पहले राजस्थान के लिए वैभव सूर्यवंशी ने 47 बॉल पर 96 रन की पारी में 8 चौके और 7 सिक्स भी लगाए। उनके अलावा रवींद्र जडेजा ने नाबाद 45 रन की पारी खेली। वहीं, डोनोवन फरेरा ने 11 बॉल पर नाबाद 38 रन बनाए। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा और जोसन होल्डर ने 2-2 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को 1-1 सफलता मिली।

गुजरात टाइटंस के दोनों ओपनर्स गिल और सुदर्शन ने शुरुआत से ही शानदार बल्लेबाजी की और दोनों ने चौकों के साथ अपना खाता खोला। आर्चर का पहला ओवर महंगा साबित हुआ, जिसमें 19 रन आए। गिल लगातार आसानी से बाउंड्री लगाते रहे, जबकि सुदर्शन को 14 रन पर जीवनदान मिला, जब फरेरा उनका कैच नहीं पकड़ सके। वहीं पावरप्ले के आखिरी ओवर में तुषार देशपांडे ने 10 रन खर्च किए।14वें ओवर में शुभमन गिल ने चौके के साथ अपना शतक पूरा किया। जडेजा की गेंद पर गिल आगे बढ़े, खुद के लिए जगह बनाई और एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से बेहतरीन शॉट खेला। शतक पूरा होते ही गिल ने हेलमेट उतारकर दर्शकों का अभिवादन किया, जबकि बटलर ने उन्हें गले लगाकर बधाई दी। कप्तान गिल ने इसके बाद अपना खास 'बो डाउन' सेलिब्रेशन भी किया। उन्होंने 47 बॉल पर शतक लगाया।

15वें ओवर में आर्चर ने आखिरकार राजस्थान को सफलता दिलाई और शुभमन गिल की 104 रन की पारी का अंत किया। फुल गेंद पर गिल बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में चूक गए और गेंद सीधे पैड पर जा लगी। अंपायर ने तुरंत आउट दे दिया। गिल 53 गेंदों में 104 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 15 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। 18वें ओवर में बर्गर ने गुजरात को बड़ा झटका दिया। धीमी लेग-कटर गेंद पर सुंदर बड़ा शॉट लगाने गए, लेकिन गेंद सही टाइम नहीं हुई और लॉन्ग-ऑन की दिशा में हवा में चली गई। वहां फरेरा ने दौड़ते हुए शानदार कैच पकड़ लिया। सुंदर 9 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुए।

वैभव आईपीएल में सबसे तेज 1000 रन पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज, टूर्नामेंट में लगाया अपना धीमा पचासा

जयपुर, 29 मई। राजस्थान रॉयल्स के विस्टफोटक सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया और वह गुजरात टाइटंस के खिलाफ क्वालिफायर-2 मुकाबले में अर्धशतक लगाने में सफल रहे। वैभव ने इसके साथ ही आईपीएल में 1000 रन पूरे कर लिए हैं और वह सबसे कम पारियों में ऐसा करने वाले संयुक्त रूप से दूसरे बल्लेबाज हैं। वैभव ने 23 पारियों में टूर्नामेंट में 1000 रन पूरे किए। वैभव हालांकि, लगातार दूसरे मैच में शतक लगाने से चूक गए और 47 गेंदों पर आठ चौकों और सात छक्कों की मदद से 96 रन बनाकर आउट हुए। साई सुदर्शन को पीछे छोड़ा: वैभव के अलावा लेंडिल साइमन्स ने भी 23 पारियों में आईपीएल में 1000 रन पूरे किए थे। आईपीएल में सबसे तेज 1000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड शॉन मार्श के नाम है जिन्होंने 21 पारियों में ऐसा किया था। वहीं, वैभव आईपीएल में सबसे तेज 1000 रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में साई सुदर्शन को पीछे छोड़ा है जिन्होंने 25 पारियों में ऐसा किया था। वैभव ने गुजरात के खिलाफ 31 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। यह उनका आईपीएल का सबसे धीमा पचासा रहा। वैभव ने भले ही मोर्चा संभाला, लेकिन यह उनका

आईपीएल 2026 : खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए नई एडवाइजरी जारी

आईपीएल की एंटी करप्शन और सिक्योरिटी यूनिट ने लीग के मौजूदा सीजन में खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें मैच के दिनों में प्रतिबंधित क्षेत्रों के अंदर, संचार और रिकॉर्डिंग तकनीक से लैस स्मार्ट ग्लास, सनग्लास और गॉगल्स के इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दी गई है। लीग में स्पॉट-फिक्सिंग को रोकने और सुरक्षा नियमों को लागू करने के लिए ज़िम्मेदार नेको जानकारी दी है कि कई कंपनियांमें हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों और टीम के सदस्यों को स्मार्ट आईवियर प्रोडक्ट्स की ज़ोर-शोर से मार्केटिंग और बिक्री कर रही हैं।

एसएमएस स्टेडियम में अचानक सुरक्षा एजेंसियों की हलचल से हड़कम्प

एटीएस, एसडीआरएफ और बम निरोधक दस्ते ने 2 घंटे चलाया सर्च ऑपरेशन

जयपुर, 29 मई। सवाई मानसिंह स्टेडियम में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब अचानक एटीएस, एसडीआरएफ, बम निरोधक दस्ता और पुलिस की दर्जनों गाड़ियां हूटर बजाती हुई परिसर के अंदर दाखिल हुईं। सुरक्षा एजेंसियों की इस भारी हलचल से एक बारगी स्टेडियम में मौजूद खिलाड़ी, कोच और खेल परिषद के कर्मचारी सहम गए। दरअसल, यह सुरक्षा व्यवस्थाओं को परखने के लिए की गई एक सघन मॉक ड्रिल थी, जिसके तहत एजेंसियों ने पूरे साउथ ब्लॉक को खाली करवाकर करीब दो घंटे तक कड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे सुरक्षा एजेंसियां अचानक तामझाम के साथ एसएमएस स्टेडियम पहुंचीं। आते ही सबसे पहले स्टेडियम के मुख्य प्रवेश द्वारों को बंद कर दिया गया और वहां पुलिस का कड़ा पहरा लगा दिया गया। इसके तुरंत बाद खेल परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके कार्यालयों से बाहर निकाला गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से ग्राउंड पर प्रैक्टिस कर रहे खिलाड़ियों और कोचों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया, क्योंकि किसी को भी पहले से इसकी भनक नहीं थी। मॉक ड्रिल के दौरान सुरक्षा का कड़ा घेरा तैयार किया गया। डॉग स्क्वॉड की टीम ने स्टेडियम के संवेदनशील माने जाने वाले साउथ ब्लॉक के आसपास और चप्पे-चप्पे की गहनता से तलाशी ली। वहीं, एटीएस और बम निरोधक दस्ते के कमांडोज ने आधुनिक उपकरणों के साथ सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने विपरीत परिस्थितियों में अपनी रिस्पॉन्स टाइमिंग और कार्यप्रणाली का बारीकी से परीक्षण किया।

ऋषभ पंत ने छोड़ी लखनऊ सुपर जांयट्स की कप्तानी, 14 में से 10 मैच हारने के बाद फैसला

जयपुर, 29 मई। आईपीएल 2026 सीजन के बीच ही लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तानऋषभ पंतने कप्तानी छोड़ने का ऐलान कर दिया है। पंत ने अपनी फ्रेंचाइजी से कप्तानी छोड़ने का आग्रह किया था। उनकी रिक्वेस्ट को स्वीकार कर लिया गया है और अब ऋषभ पंत लखनऊ के कप्तान नहीं हैंइसकी जानकारी लखनऊ फ्रेंचाइजी ने प्रेस रिलीज जारी कर दी है।

लखनऊ के टॉम मूडी ने पंत को लेकर क्या कहा - ऋषभ पंत की कप्तानी को लेकर लखनऊ सुपर जायंटस कीप्रेस रिलीज में उनके डायरेक्टर ऑफ क्रिकेटटॉम मूडी ने बताया कि ऋषभ पंत ने खुद कप्तानी छोड़ने की रिक्वेस्ट के साथ फ्रेंचाइजी से संपर्क किया और हमने सम्मान के साथ इसे स्वीकार कर लिया है। ऐसे फैसले कभी आसान नहीं होते और हम सभी पंत के द्वारा ड्रेसिंग रूम में लाई गई हर एक चीज के लिए उनके आभारी हैं। अब हमारा ध्यान फिर से टीम के रीस्ट्रक्चरिंग पर है।

2025 में पंत की कप्तानी में क्या हुआ - ऋषभ पंत की बात करें तो उन्हें आईपीएल मेगा ऑक्शन में लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने 27 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी रकम देकर टीम में शामिल किया था। हालांकि, आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बनने के बाद भी पंत कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों में टीम के लिए कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके। पंत की कप्तानी में लखनऊ की टीम ने आईपीएल 2025 सीजन में 14 में से सिर्फ छह मैच जीते।

राजस्थान सरकार
कार्यालय खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चूरू जिला-चूरू
भरतीया अस्पताल के सामने, मेल: bcmochuru@gmail.com
क्रमांक: लेखा / निविदा/ 2026 / 561 -: ई-बोली आमंत्रण सूचना 01/2026-27 दिनांक 22/5/2026
खुली निविदा
वित्तीय वर्ष 2026-27 (माह मार्च, 2027 तक) के लिए खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चूरू जिला-चूरू के अधीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में कार्य आधार पर मानव संसाधन (Man Power) सेवाएं अनुबंध पर उपलब्ध करवानें हेतु इच्छुक विनिर्दिष्ट पंजीकृत बोलीदाता/संवेदकों से अनुमानित राशी 17.00 लाख की ई-बोली (तकनीकी बिड व वित्तीय बिड) दिनांक 2 जून 2026 सांय 06:00 PM तक बजे तक आंमत्रित की जाती है। विस्तृत बोली http://sppp.rajasthan.gov.in "&" http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है।
NIB-MHS2627A0891
UBN-MHS2627 SLRC01190
DIPR/C/9280/2026
खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी चूरू

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सुजानगढ़
क्रमांक: :-292-306 ई-निविदा सूचना संख्या: 03/2026-27 दिनांक: 22.05.2026
राजस्थान के राज्य पाल महोदय की ओर से जिला चूरू में सड़क निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एव www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB No PWD2627A0726
UBN No : 1. PWD2627WSOB03191, 2. PWD2627WSOB03195, 3. PWD2627WSOB03198, 4. PWD2627WSOB03201 5. PWD2627WSOB03203
DIPR/C/9267/2026
अधिशाषी अभियन्ता सानिवि. खण्ड सुजानगढ़

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com, Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749
क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2026-27/राजकाज 22408241 दिनांक :- 22/05/2026
ई-निविदा सूचना संख्या 05/2026-27
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यो अनुमानित लागत राशि 455.98 लाख की ई-निविदा क्रम संख्या (1) दिनांक 15.06.2026 एवं कम संख्या (2-4) दिनांक 04.06.2026 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट (http:://eproc.rajasthan.gov.in) एवं (http:://sppp.raj.nic.in) http:://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।
UBN : AJD2627WSOB000035 - 38
राज.संवाद/सी/26/3712
अधिशाषी अभियन्ता

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड
ई-निविदा सूचना दिनांक :- 26/05/2026

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
F.6(1)77/CC/2026/30 dated 26.05.2026 UBN No. MML2627WSO00045	कसनऊ-मातासुख लिग्नाईट माईन्स, नागौर परियोजना की खान व अवाप्त क्षेत्र में स्थित 33 / 11 / 0.440 केवी सब-स्टेशन, ओवरहेड ट्रान्समिशन लाईन्स तथा विद्युत वितरण प्रणाली में प्रयुक्त विभिन्न उपकरण आदि के परिचालन एवं रखरखाव हेतु। अनुमानित मूल्य (रू.) 12.00 लाख धरोहर राशि (रू.) – 24,000 / –, निविदा राशि– 590 / – जी.एस.टी. सहित ई-निविदा प्रक्रिया शुल्क रूपये 500 / – का डी.डी. जो कि एम.डी., आर.आई.एस.एल., जयपुर के नाम देय हो।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा eproc.rajasthan.gov.in अथवा वरि. प्रबंधक (यांत्रिकी-अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें। राज.संवाद/सी/26/3710 उप महाप्रबन्धक (का. एवं प्रशा.)

कार्यालय नगर परिषद, हिण्डौन सिटी, जिला करौली (राज.)
क्रमांक :- 662 दिनांक :- 22/05/2026
ई-निविदा सूचना वर्ष 2026-27
नगर परिषद हिण्डौन सिटी द्वारा वर्ष 2026-27 के तहत स्टोर शाखा/संस्थापन शाखा/पूल शाखा से सामाग्री आपूर्ति एवं अन्य कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। जिसमें पंजीकृत संवेदको/एन.जी.ओ./प्लेसमेन्ट एजेन्सियों/उत्पादको/संभरणकर्ताओ एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको से ई-निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण बेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in तथा eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। इच्छुक संवेदको को ई-निविदा में भाग लेने हेतु बेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है। UBN No. : DLB2627SLOB05678 - 5681, DLB2627SSOB05677
राज.संवाद/सी/26/3743 प्रशासक एवं आयुक्त

राजस्थान सरकार
पंत कृषि भवन, सामुहिक सुविधा विकास समिति
कमरा संख्या 147, जयपुर
क्रमांक: प.2 (88) के. टे. / नीलामी / 2026-27/111-114 दिनांक:- 20.05.2026
नीलामी सूचना
पंत कृषि भवन जयपुर सामुहिक सुविधा विकास समिति जयपुर के कार्यालय उपयोग में आने वाली अनुपयोगी भण्डार सामग्री यथा ताले, पम्प गोटर, कुर्सी आइरन पाइप, खिड़की एवं अन्य लकड़ी / लोहे का सामान इत्यादि की नीलामी दिनांक 04.06.2026 को दोपहर 3.00 बजे पंत कृषि भवन जयपुर स्थित कार्यालय में जहां है जैसी स्थिति में है, की जावेगी।
बोली दाता मौके पर बयाना राशि रूपये 6100/- रूपये (अक्षरे छह हजार एक सौ रूपये मात्र) डीडी अथवा बैंकर्स चैक जो कि मुख्य नियंत्रक एवं आयुक्त कृषि जयपुर के नाम से देय हो, जमा करवा कर बोली में भाग ले सकते है। बोली की शर्ते एवं नियम विभागीय वेबसाइट www.agriculture.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
(नरेश कुमार गोयल) मुख्य नियंत्रक एवं आयुक्त कृषि
DIPR/C/9260/2026

कॉल्विन शील्ड टूर्नामेंट के तीसरे मैच में बीकानेर ने दौसा को 7 विकेट से हराया

जयपुर, 29 मई। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि दौसा का आज मुकाबला बीकानेर से हुआ इस अहम मुकाबले में दौसा को 7 विकेट से करारी शिकस्त मिली ।दौसा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर भी नहीं खेल पाए और पूरी टीम 209 रन पर सिमट गई जवाब में बीकानेर ने 41 ओवर मैं तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया दौसा की ओर से प्रोफेशनल खिलाड़ी अमन सिंह शेखावत ने 62 रन का योगदान दिया और करण मीणा ने 49 रन बनाए इसके अलावा टीम में 6 खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा भी नहीं छु पाए । जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्यायके अनुसार आज टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा क्षेत्ररक्षण करते हुए खिलाड़ियों ने सामने वाली टीम को कई मौके दिए इसका बड़ा कारण आज सुबह जयपुर के वातावरण में प्रात: काल तेज हवा चल रही थी मौसम खराब था उसमें बीकानेर का टॉस जीतना अहम रहा है बीकानेर ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया लेकिन इस बार टीम के प्रदर्शन को देखते हुए पिछले दो मैच दौसास की टीम ने जीते और आगे दो मैच 31.05. 2026 को जैसलमेर से और 01.06 2026 को होगा उसके लिए खिलाड़ियों को मोटिवेट किया। डीसीए सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि दौसा की टीम में दो प्रोफेशनल खिलाड़ियों के अलावा दो तीन खिलाड़ी ही दौसा के ठीक है इसके अलावा कोई खिलाड़ी में दम नहीं है। इन खिलाड़ियों को गत तीन सालों से टीम में खूब मौके दिए है परंतु रिजल्ट नहीं दे पाए । सचिव उपाध्याय ने बताया कि आरसीए में ऐडहॉक कमेटी से बात करके दौसा के लिए और प्रोफेशनल खिलाड़ी लेने के लिए आग्रह करेंगे ।साथ ही यहाँ इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे है जिससे यहाँ खिलाड़ियों को और सुविधाएं मिल सकें ।

फोगाट को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत : एशियाई खेल ट्रॉयल्स में भाग लेने की मिली हरी झंडी

नई दिल्ली, 29 मई। सुप्रीम कोर्ट ने पहलवान विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दे दी है और दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है जिसमें उन्हें राहत दी गई थी। भारतीय कुश्ती महासंघ द्वारा दायर याचिका पर, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से मना कर दिया। इससे फोगाट के लिए 30 मई से दिल्ली में शुरू होने वाले एशियाई खेलों के ट्रायल्स में भाग लेने का रास्ता साफ हो गया है। डब्ल्यूएफआई की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फोगाट को नोटिस जारी कर कहा कि वह बाद में मामलों का विश्लेषण करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैं; आप जा सकती हैं और भाग ले सकती हैं। इसमें आगे कहा गया कि विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के लिए निर्धारित चयन ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।

5वें दिन मगन सिंह राजवी अकादमी ने रियल एचसी जयपुर क्लब को 4-0 से हराया

प्रथम राजस्थान सीनियर विमेंस फुटबॉल लीग

जयपुर, 29 मई। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में जयपुर स्थित राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ग्राउंड पर आयोजित प्रथम राजस्थान सीनियर विमेंस फुटबॉल लीग के पांचवें दिन दो मुकाबले खेले गए। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम मुकाबला सुबह 7:00 बजे मगन सिंह राजवी फुटबॉल अकैडमी एवं रियल जयपुर एफसी के मध्य खेला गया।

दोनों ही टीमों ने शुरुआत से आक्रामक खेल दिखाया तथा एक-दूसरे के गोल पर लगातार दबाव बनाया। मगन सिंह राजवी फुटबॉल अकैडमी को मैच के 9वें मिनट में 7 नंबर खिलाड़ी संजू कवर के के शानदार गोल से 1-0 की बढ़त मिली। इसके बाद दुसरा गोल 28 वे व मिनट में पेनल्टी किक से संजू कंवर ने किया तीसरा गोल 35 वे मिनट में दिव्यांशी कंवर ने किया । चौथा गोल 54 वे में गुंजन ने किया। इस प्रकार 4-0 से एकतरफा इस मुकाबले को अपने नाम किया। इस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब संजू कंवर को दिया गया।

द्वितीय मुकाबला शाम 4:00 बजे जिंक फुटबॉल अकैडमी एवं जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब के बीच खेला गया। इस मुकाबले में जिंक फुटबॉल अकैडमी ने 3-1 से शानदार जीत दर्ज की।

जिंक फुटबॉल अकादमी की ओर से प्रियंका, ने 8 मिनट में पहला गोल किया दूसरा गोल 47 वे मिनट में अंतरा, ने किया और तीसरा और निर्णायक गोल जिंक फुटबॉल अकादमी की 7 नंबर जर्सी में खेल रही खिलाड़ी डांगी, ने किया। जयपुर सिटी एफसी की ओर से एकमात्र गोल 60 मिनट में तनिष्का, ने किया। और इस तरह से जिंक फुटबॉल अकादमी ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबला तीन एक से अपने नाम किया। 19 मई से स्टार्ट हुई वूमेन सीनियर लीग के 20 मैचों में से 12 मैच हो चुके हैं लास्ट लीग मैच 6 जून को खेला जाएगा । आज के मैचों में अमर सिंह ने मैच कमिश्नर की भूमिका निभाई, जबकि अवकाश दायमा, संजय लंबा,अंकित शर्मा और पवन कुमार ने निर्णायक की जिम्मेदारी संभाली।

आरसीए एडहॉक कमेटी ने क्रीड़ा परिषद् सचिव से मुलाकात कर स्टेडियम में मैचों के आयोजन के सम्बद्ध दिया प्रस्ताव : डॉ. मोहित

जयपुर, 29 मई। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादवके अनुसार राज्य में राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में क्रिकेट संचालन को अधिक पेशेवर, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के साथ राज्य के युवा खिलाडियों को उच्च स्तरीय खेल मैदान में अपना प्रदर्शन दिखने का अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आज हमारी कमेटी ने राज्य क्रीड़ा परिषद् सचिव से मुलाकात कर जयपुर के विश्व विख्यात सवाई मान सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आरसीए की मेजबानी में अधिक से अधिक खेल गतिविधियाँ व प्रतियोगिताओं के आयोजन के सम्बद्ध में महत्वपूर्ण प्रस्ताव दिया।

आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव व सदस्य अरिष्ट सिंघवी ने आज क्रीड़ा परिषद् सचिव राजकेश मीणासे मुलाकात कर सवाई मान सिंह स्टेडयम व आरसीए अकदामी मैदान आरसीए की क्रिकेट गतिविधियों के आयोजन व दोनों मैदानों के रखरखाव के सम्बन्ध में सकारात्मक चर्चा की।

संयोजक के अनुसार क्रीड़ा परिषद द्वारा पूर्व में जो ग्राउंड फ़ीस आरसीए से मैचों के आयोजन हेतु ली जा रही थी वो पूर्ण रूप से व्यावहारिक नहीं थी व इसके कारण सवाई मान सिंह स्टेडियम मैदान पर आरसीए की मेजबानी में कलेंडर वर्ष में आयोजित होने वाले मैचों की संख्या 5 से भी कम है जिसके कारण राज्य के जिलों के युवा खिलाडी जयपुर के विश्व विख्यात सवाई मान सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेलने के अवसर से वंचित रहना पड़ा व आरसीए को अपनी खेल गतिविधियों को अन्य दूरदराज के खेल मैदानों पर शिफ्ट करना पड़ा हैजो किसी भी दृष्टि से खेल हित में नहीं है । आरसीए के ग्राउंड स्टाफ व क्यूरेटर द्वारा सवाई मान सिंह स्टेडियम मैदान व आरसीए अकादमी मैदान का पूर्ण रखरखाव किया जाता है व साथ ही आरसीए के करोंडो के ग्राउंड मशीनरी भी इस कार्य में उपयोग होती है जिसपर आरसीए का सालाना लाखों रूपये अतिरिक्त व्यय होता है।

डॉ मोहित जसवंत यादव के अनुसार हमने क्रीड़ा परिषद को एक बहुत ही व्यावहारिक व राज्य के युवा खिलाडियों के भविष्य तथा खेल हित में प्रस्ताव दिया है जिसमे मुख्य रूप सेसवाई मान सिंह स्टेडियम व आरसीए अकादमी पर आरसीए की खेल गतिविधियों व प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु मासिक 4 लाख रूपये सहित दोनों मैदानों के रखरखाव हेतु आरसीए ग्राउंड स्टाफ , क्युरटेर की नियुक्ति के साथ आरसीए के करोंडो रूपये के ग्राउंड मशीनरी को उपलब्ध कराएगा। संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव ने कॉल्विन शील्ड मैच के दौरान खिलाडियों से की मुलाकात: आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव व सदस्य अरिष्ट सिंघवीने आज एसएम्एस स्टेडियम पर खेले जा रहे राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता के झालावाड़ - राजसमंद मैच के दौरान पहुंच खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखा व साथ ही मैच समाप्ति के उपरांत खिलाडियों से मुलाकात कर उनका हौंसला बढ़ाया। इस अवसर पर संयोजक ने खिलाडियों से प्रतियोगिता के आयोजन के दौरान आरसीए द्वारा दी जा रही सुविधाओं व व्यवस्थाओं के संबध में खिलाडियों से चर्चा करते हुए कहा की हमारी कमेटी का लक्ष्य राज्य के युवा खिलाडियों को अधिक से अधिक उच्चस्तरीय खेल सुविधाओं सहित शानदार खेल वातावरण उपलब्ध करना है।

आरसीए पैनल मैच रेफ़री परीक्षा संपन्न - अरिष्ट सिंघवी :अरिष्ट सिंघवी , सदस्य एडहॉकके अनुसार हमारी कमेटी का उद्देश्य राज्य के पूर्व खिलाड़ियों के अनुभव का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर राज्य की क्रिकेट के विकास में योगदान देने का अवसर प्रदान करते हुए आरसीए के घरेलू सत्र की क्रिकेट गतिविधियों के संचालन व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के दौरान खेल सुविधाओं की गुणवत्ता, खिलाड़ियों में अनुशासन व मैच ऑफिशियलकी जिम्मेदारियों को और बेहतर व प्रभावी बनाना है। मैच रेफरी की भूमिका अधिक जिम्मेदार एवं प्रभावी होगी जिसमे अब मैच रेफरी मैदान एवं वेन्यू की स्थिति, मेज़बान संघ द्वारा की गई व्यवस्थाओं की गुणवत्ता, समय पर ओवर पूर्ण करवाने, पेनल्टी लागू करवाने, अनुशासनात्मक मामलों की निगरानी एवं अंपायर रिपोर्ट के संकलन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट को प्रस्तुत करेंगे।

इस नई व्यवस्था के माध्यम से का उद्देश्य राज्य क्रिकेट में बेहतर अनुशासन, जवाबदेही एवं उच्च स्तरीय क्रिकेट संचालन सुनिश्चित करना है जिसके लिए आरसीए एडहॉक द्वारा मैच रेफ़री सेमिनार व परीक्षा आयोजित की गयी जिसमे 40 पूर्व खिलाडियों ने ऑनलाइन सेमिनार में भाग लिया तथा आरसीए पैनल मैच रेफ़री परीक्षा आरसीए अकादमी पर आयोजित की गयी जिसमे 33 अभ्यर्थियों से भाग लिया व 7 अभियार्थी एब्सेंट रहे। आरसीए द्वारा आयोजित आरसीए पैनल रेफरी परीक्षा को पास करने के लिए निर्धारित 80 अंकों मे से परीक्षा पास काने के लिए निम्नतम योग्यता 35 अंको की निर्धारित की गयी थी जिसे 22 अभियर्थियों से सफतापूर्वक पास किया।

फ्रेंच ओपन 2026 में सबसे बड़ा उलटफेर गर्मी से बेहाल यानिक दूसरे दौर में हुए बाहर

नई दिल्ली, 29 मई। प्रबल दावेदार और शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी यानिक सिनर को फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में गर्मी से जूझना पड़ा जिससे वह बृहस्पतिवार को 56वीं रैंकिंग पर काबिज जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से 3-6, 2-6, 7-5, 6-1, 6-1 से हार गए। फरवरी से सिनर लगातार 30 मैच जीत रहे थे और उनसे उम्मीद थी कि वह यहां खिताब जीतकर अपने टेनिस करियर का करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करेंगे, विशेषकर तब जब दो बार के चैंपियन कार्लोस अल्काराज दाहिनी कलाई में चोट लगने के कारण बाहर हैं।

कार्यालय नगर निगम, जोधपुर
नगर निगम भवन, पोलीटेक्नीकल कॉलेज परिसर के अन्दर, गौरव पथ, जोधपुर
फोन संख्या:– 0291–2651464, फैक्स:– 0291–2641464, ई–मेल:– ceo_nnj@gmail.com
कमांक :– 1800 दिनांक :– 26.05.2026
नान्दड़ी पशुगृह खाद की ई–नीलामी विज्ञप्ति
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम जोधपुर के नान्दड़ी पशुगृह खाद की ई–नीलामी के जरियें दिनांक–04.06.2026 को की जायेगी। जिसका सम्पूर्ण विवरण निम्नानुसार है:–
UBN-DLB2627GLOB05812

क्र.सं.	नाम	न्यूनतम बोली रूपये	धरोहर राशि रूपये
1	नान्दड़ी पशुगृह एकत्रित खाद की ई–नीलामी	21,00,000 / –	1,00,000 / –

01. निलामी भागीदारी शुल्क – 1,000 / –रू प्रति भागीदारी प्रति नीलामी अप्रतिदेय (NON REFUNDABLE)
02. ई–निलामी धरोहर राशि एवं भागीदारी शुल्क जमा कराने की दिनांक–27.05.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 04.06.2026 को दोपहर 2.00 बजे तक।
03. ई–निलामी बोली प्रारम्भ करने एवं समाप्ति दिनांक 04.06.2026 प्रातः 10.00 बजे से सांय 06.00 बजे तक।
04. ई–निलामी के अन्तिम 15 मिनट में बोली आने पर ई–निलामी समय अवधि में प्रत्येक बार स्वतः ही 30 मिनट की वृद्धि हो जायेगी।
05. किसी प्रकार की तकनिकी समस्या अथवा जानकारी हेतु श्री रामेश्वर गहलोत, प्रोग्रामर दूरभाष नम्बर 9929653166 पर व खाद के संबंध में जानकारी हेतु प्रभारी नान्दड़ी पशुगृह श्री परसराम शर्मा दूरभाष नम्बर 8112296815 पर सम्पर्क कर सकते है।
06. ई–नीलामी की प्रक्रिया विस्तृत शर्तो एवं जानकारी हेतु नगर निगम जोधपुर की वेबसाईट Lsg.rajasthan.gov.in/nnjodhpur एवं lsgeauction.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.संवाद / सी / 26 / 3754 आयुक्त

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति "डी" श्रेणी सीकरी जिला डीग (राज.)
क्रमांक :- 126 - 37 दिनांक :- 25/05/2026
ई- बोली सूचना 01/2026-27
कृषि उपज मण्डी समिति, Ihdjh के लिए NIR Grain Analyser/ Oil Testing Machine क्रय करने हेतु रजिस्टर्ड प्रतिष्ठित फर्म/ अधिकृत डीलरों/ विक्रेता/ विनिर्माता जो बोली लगाने से विवर्जित/ ब्लैक लिस्टेड नहीं हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई- प्रोक्योरमेंट पध्दति के माध्यम से ऑनलाइन बोली आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	क्रय की जाने वाली सामग्री का विवरण	अनुमानित लागत (लाखों में)	बोली प्रपत्र शुल्क	बोली प्रोसेसिंग शुल्क	बोली प्रतिभूति राशि	ई-बोली दस्तावेज डाउनलोड करने की तिथि व समय	ई-बोली दस्तावेज अपलोड करने की अंतिम तिथि व समय	ई-बोली दस्तावेज भौतिक रूप से जमा कराने की अंतिम तिथि व समय	ई- बोली खोलने की तिथि व समय
1	NIR Grain Analyser/ Oil Testing Machine	15.00	1,180/-	500/-	30,000/-	25.05.2026 को 05.00 PM से 04.06.2026 तक	04.06.2026 को 6.00 PM तक	05.06.2026 को 12.30 PM तक	05.06.2026 को 2.00 PM

बोली प्रपत्र शुल्क/ बोली प्रतिभूति राशि बोलीदाता द्वारा डिमांड ड्राफ्ट/ बैंकर्स चेक द्वारा Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti, SIKRI (Payable at Sikri) के नाम से तथा बोली प्रोसेसिंग शुल्क M.D. RISL JAIPUR के नाम से कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति सीकरी में निर्धारित समय पर भौतिक रूप से जमा करवाया जाना आवश्यक होगा। बोली से संबंधित शर्ते व अन्य विस्तृत विवरण राज्य लोक उपासन पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाइट https://agriculture.rajasthan.gov.in/dam पर देखी व पढ़ी जा सकती है तथा उक्त प्रक्रिया के अनुसार ई-प्रोक्योरमेंट पध्दति से कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति Ihdjh स्तर पर संपन्न की जावेगी। बोली प्रपत्र ऑफलाइन स्वीकार नहीं किये जायेंगे एवं सशर्त बोली भी स्वीकार नहीं होगी।
U.B.N. No. : DAM2627A0089
राज.संवाद/सी/26/3719
Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti, Sikri, District Deeg

भ्रष्टाचार पर कार्यवाही में एक आईएएस सहित 103 अफसर निलंबित हुए

भजनलाल सरकार ने ढाई वर्ष के कार्यकाल में रिश्वत आदि के 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी

जयपुर, 29 मई। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भ्रष्ट और लापरवाह अफसरों के खिलाफ ताबडतोड कार्रवाई करते हुए साफ संदेश दे दिया है कि भ्रष्टाचारियों को शासन-प्रशासन में किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कडे तेवर दिखाते हुए जीरो टॉलरेंस की नीति पर ढ ाई वर्ष में एक आईएएस अधिकारी सहित, 103 अधिकारियों को निलंबित किया है। वहीं, 6 अफसरों को सेवा से बर्खास्त और 11 भ्रष्ट अधिकारियों की आजीवन पेंशन पर रोक लगाई है। उन्होंने रिश्वत, ट्रैप, पद का दुरूपयोग, आय से अधिक संपत्ति प्रकरणों के 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत 37 अन्य प्रकरणों में भी कठोर कार्रवाई की है।

रिश्वत, आय से अधिक संपत्ति और पद का दुरूपयोग करने पर अधिकारियों को न्यायालय में दोष सिद्ध होने के बाद तुरंत सेवा से निकाल बाहर किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट कर दिया है कि आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जो अफसर जनता के पैसे पर डाका डालेगा, उसकी न नौकरी रहेगी, न पेंशन और न ही कानून से बचने का कोई रास्ता। सरकार ने 11 अधिकारियों को भ्रष्टाचार सहित, विभिन्न मामलों में आजीवन शत-प्रतिशत पेंशन रोक कर दण्डित किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जो जनता के पैसे पर डाका डालेगा, उसकी न नौकरी रहेगी, न पेंशन और न ही कानून से बचने का कोई रास्ता।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हाल ही में भ्रष्ट अधिकारियों पर शिकंजा कसते हुए एक और बडी कार्रवाई की है।

पीएचईडी की अलवर प्रयोगशाला के वरिष्ठ रसायनज्ञ प्रदीप कुमार हजरती ने पेयजल के नमूनों की गुणवत्ता जांच में फर्जी रिपोर्ट तैयार की। मुख्यमंत्री ने ऐसे घोर लापरवाह अधिकारी को तत्काल सेवा से बाहर करने का निर्णय लिया।

नीट पेपर लीक, सीबीआई निदेशक संसदीय समिति के समक्ष पेश

नई दिल्ली, 29 मई। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी)-2026 पेपर लीक मामले में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद शुक्रवार को संसद की सरकारी आश्वासन समिति के समक्ष पेश हुए।

- राज्यसभा सदस्य थंबी दुरै संसदीय समिति के अध्यक्ष हैं।

परीक्षा में कथित अनियमितताओं और जांच की प्रगति की समीक्षा के लिए इन अधिकारियों ने संसदीय समिति को जानकारी दी।

राज्यसभा सदस्य एम. थंबीदुरई की अध्यक्षता वाली इस संसदीय समिति में अध्यक्ष सहित कुल 11 सदस्य हैं। बैठक की अध्यक्षता थंबीदुरई ने की। बैठक में शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के सचिव भी मौजूद रहे। समिति ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच और अब तक की कार्रवाई पर विस्तृत जानकारी मांगी। बैठक में सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद के साथ एजेंसी के विशेष निदेशक, अतिरिक्त निदेशक और संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी भी शामिल हुए।

एनआईए ने अजमेर-नीमराना में छापे मारे, पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्क पर कार्यवाही

ये छापे पाकिस्तान के ऑपरेटिव जसवीर चौधरी व गैंगस्टर शहजाद भट्टी के आतंकी मॉड्यूल पर हुए

जयपुर, 29 मई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को राजस्थान सहित देश के चार राज्यों में बड़े स्तर पर कार्रवाई करते हुए बारह ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। राजस्थान में अजमेर और नीमराना (बहरोड़-कोटपूतली) में एनआईए की टीमों ने दबिश देकर संदिग्धों से पूछताछ की और कई डिजिटल उपकरण व दस्तावेज जब्त किए।

एनआईए सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान के ऑपरेटिव जसवीर चौधरी और कुख्यात गैंगस्टर शहजाद भट्टी से जुड़े आतंकी मॉड्यूल की जांच के तहत यह कार्यवाही की गई है। एनआईए की टीमों उत्तर प्रदेश में पांच,राजस्थान और बिहार में दो-दो तथा महाराष्ट्र में तीन ठिकानों पर पहुंचीं। जब्त किए गए डिजिटल सबूतों की फोरेंसिक जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार अजमेर के बोराज रोड स्थित अंबिका विहार कॉलोनी में एनआईए की टीम शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे एक रिटायर्ड शिक्षक के मकान पर पहुंची। यहां किराये पर रह रहे भीलवाड़ा मूल निवासी परमेश मीणा को हिरासत में लेकर घंटों पूछताछ की गई। सूत्रों के मुताबिक परमेश मीणा लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में था और उसके संबंध पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर शहजाद भट्टी से जुड़े होने की आशंका है।

- शहजाद भट्टी पाकिस्तान का कुख्यात गैंगस्टर है। वह आईएसआई से जुड़ा हुआ है तथा दुबई से अपना नेटवर्क चलाता है। वह सोशल मीडिया के माध्यम से भारतीय युवाओं को भड़काने और उन्हें स्लीपर सैल के रूप में तैयार करने का प्रयास करता है।

बताया जा रहा है कि एनआईए ने उसके मोबाइल डेटा, विदेशी नंबरों से संपर्क और संदिग्ध डिजिटल ट्रांज़ैक्शन के आधार पर कार्रवाई की। पूछताछ के बाद एजेंसी उसे दिल्ली ले गई। हालांकि एनआईए की ओर से अभी तक आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

वहीं नीमराणा में भी एनआईए और स्थानीय पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया। उसे थाने ले जाकर पूछताछ की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार जांच में सामने आया है कि पाकिस्तान स्थित नेटवर्क भारत-पाक सीमा पर ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) भेजने की साजिश में शामिल था।

जांच एजेंसियों के मुताबिक शहजाद भट्टी पाकिस्तान का कुख्यात गैंगस्टर है, जिसके आईएसआई से जुड़े होने की भी संभावना है। बताया जा रहा है कि वह दुबई से अपना नेटवर्क संचालित करता है और सोशल मीडिया के माध्यम से भारतीय युवाओं को भड़काने तथा उन्हें स्लीपर सेल के रूप में तैयार करने का प्रयास कर रहा है। सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिले हैं कि पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के युवाओं को निशाना बनाकर उन्हें नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है।

सूत्रों का यह भी कहना है कि भट्टी का संबंध गैंगस्टर रोहित गोदारा और बांबिया गैंग से भी जुड़ा हुआ है।

एक बार जो सामान तृणमूल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यहां तक कि जैविक और अजैविक कचरे के लिए इस्तेमाल होने वाली हरी और नीली प्लास्टिक की बाल्टियां भी लोगों को नहीं दी गईं। इसके बजाय, पार्टी दफ्तरों में इन बाल्टियों के ढेर मिले। भगवान ही जाने, इन्हें किस काम के लिए जमा करके रखा गया था। ये ज़रूरी चीज़ें, नगर निगम के स्थानीय दफ्तरों तक पहुंचने के बावजूद लोगों को नहीं दी गईं।

यह बात कहना भी शायद थोड़ा आपत्तिजनक लग सकता है, लेकिन ऐसी चीजों को जमा करके रखने की मानसिकता सामान जमा करने वालों के सामाजिक स्तर के बारे में बहुत कुछ बताती है। समाज के सबसे निचले स्तर पर रहने वाले लोग ही ऐसी सामग्री मिलने पर इस तरह का व्यवहार कर सकते हैं।

समाज के इन्हीं तबकों से आए लोगों ने ही पार्टी के लगभग सभी दफ्तरों पर कब्जा कर लिया था और पार्टी की, पूरी तरह से जबरदस्ती और वसूली वाली मानसिकता को बढ़ावा दिया था।

दूसरे स्तर पर, कुछ पार्टी दफ्तरों से मकानों और जमीनों के असली मालिकाना दस्तावेजों के ढेर भी मिले। पुलिस को पूरा विश्वास है कि इन इलाकों के नगर निकाय पार्षद इन दस्तावेजों का इस्तेमाल गैरकानूनी तरीके से संपत्ति हथियाने के लिए कर रहे थे।

जैसा कि कई गिरफ्तार नगर पार्षदों और स्थानीय निकायों के मामले में सामने आया है, उनके पास अपने इलाकों के साथ-साथ, दूसरे स्थानों पर भी कई मकान और जमीन के प्लॉट थे।

इन स्थानीय निकायों के चुने हुए अधिकारियों के पास उनकी घोषित आय से कहीं ज्यादा संपत्तियां मिलीं। एक तृणमूल कार्यकर्ता के पास सरकारी निशान वाले 13 बोरे मछली चारे के मिले। उसके पास कैल्शियम और दूसरी चीजों के भी 13 बोरे जमा पाए गए।

एक भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक ने पुलिसकर्मियों के सामने खुले तौर पर अपनी मां और भाई की हत्या की शिकायत की। उस व्यक्ति ने एक खुली बैठक में बताया कि वह पिछले पांच वर्षों से सरकार से न्याय मांगते हुए संघर्ष कर रहा है। उसके परिजनों की हत्या उसकी आंखों के सामने बेहद दर्दनाक और अमानवीय तरीके से की गई थी।

आम लोगों द्वारा क्रूर हत्याओं की घटनाओं के जो खुलासे किए जा रहे हैं, वे लोगों में सिहरन पैदा कर रहे हैं। तृणमूल के पदाधिकारियों और समर्थकों की क्रूरता यह दिखाती है कि जमीनी स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की मानसिकता कितनी भयावह रूप से विकृत हो चुकी थी।

भोपाल में नकली कफ सिरप फैक्ट्री पकड़ी गई

भोपाल, 29 मई। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गांधीनगर क्षेत्र में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने किराए के मकान में संचालित नशीले कफ सिरप की फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। मामले में तीन नाबालिगों सहित, कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में कफ सिरप, पैकेजिंग सामग्री और मशीनें जब्त की गईं। जब्त माल की कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये बताई जा रही है।

- दो कमरों में 50 हजार कफ सिरप की बोतलें, 700 पेटियां व पैकेजिंग मशीन बरामद हुई।

मध्य प्रदेश एसटीएफ के उप पुलिस महानिरीक्षक राहुल लोढ़ा ने शुक्रवार शाम को पत्रकार वार्ता में बताया कि गांधीनगर स्थित डोबरा पटेल सिटी कॉलोनी के एक मकान में पिछले कई महीनों से अवैध रूप से नशीले कफ सिरप की पैकिंग और सप्लाई की जा रही थी। मुखबिर की सूचना के आधार पर एसटीएफ ने गुरुवार देर रात दबिश देकर कार्रवाही की। कार्रवाही देर रात 12 बजे शुरू हुई और तड़के सुबह 3 बजे तक चली। जांच के दौरान मकान के दो कमरों से कफ सिरप की करीब 50 हजार बोतलें, 700 से अधिक पेटियां तथा पैकेजिंग मशीनें बरामद की गईं। एसटीएफ के मुताबिक, एक बोतल सिरप की कीमत करीब 200 रुपये है। जब्त माल की कुल कीमत डेढ़ करोड़ रुपये है।

हरियाणा में चलेगी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और हाइड्रोजन रीफ्यूलिंग चक्र के डेटा लॉग तक पूरी पहुंच सुनिश्चित किया जाना जरूरी है।

हाइड्रोजन प्लांट और रीफ्यूलिंग सुविधा के लिये परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाएगी ताकि अनधिकृत प्रवेश को रोका जा सके।

हाइड्रोजन ट्रेनसेट के रखरखाव के संबंध में, शकूरबस्ती में प्रस्तावित मेंटेनेंस सुविधा पर मानक दिशानिर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक सुरक्षा प्रावधान सुनिश्चित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा, नियमित ऑडिट और जांच की व्यवस्था विकसित कर लागू की जाएगी। निर्धारित समय (छह महीने) के भीतर एक स्टैंडबाय कंप्रेसर यूनिट की व्यवस्था की जाएगी। भविष्य में बनने वाले सभी हाइड्रोजन ट्रेनसेट रेकों में अंडर-गियर उपकरणों की मजबूत फिटिंग सुनिश्चित की जाएगी।

प्रारंभिक तीन महीनों के लिए, ट्रेन के साथ प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारी रहेंगे, जिन्हें हाइड्रोजन ट्रेनसेट की विशेष जानकारी होगी और वे यात्रा के दौरान आने वाली तकनीकी समस्याओं का समाधान करेंगे। रावत ने ग्रीन हाइड्रोजन ईंधन के वैकल्पिक स्रोतों की खोज करने के निर्देश भी दिए हैं।

'कलेक्टर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ता की एक वेतन वृद्धि संचयी प्रभाव से रोकने का दंड दिया। जिसे चुनौती देते हुए कहा गया कि कलेक्टर को नियमानुसार सिर्फ असंचयी प्रभाव से वेतन वृद्धि रोकने का अधिकार है। कानून में कलेक्टर को केवल माइनर पेनल्टी लगाने का अधिकार है, जबकि संचयी वेतन वृद्धि रोकने का दंड मेजर पेनल्टी में आता है। राज्य सरकार की ओर से अक्टूबर, 2017 में भी इस संबंध में परिपत्र जारी किया गया है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

मोहनजोदाड़ो की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईरान के कुछ हिस्सों में लगभग 3200 ईसा पूर्व से 2700 ईसा पूर्व के बीच विकसित हुई थी। भारतीय विद्वानों ने बड़े स्तर पर ट्रुश्के की इस व्याख्या से असहमति जताई है।

लेखक अमीश त्रिपाठी ने कहा है कि पशुपति मुहर में एक हाथी, एक जल भैंसा और एक गैंडा दिखाए गए हैं। "ये जानवर प्राचीन ईरान के नहीं, बल्कि भारत के मूल निवासी हैं। साथ ही, आकृति योग मुद्रा में बैठी हुई है।"

इतिहासकार और प्रोफेसर लावण्या वेमसानी ने कहा कि प्राचीन ईरान की मुहरें पशुपति-प्रोटो शिव मुहर से पूरी तरह अलग थीं। "वे एक जैसी नहीं हैं। तुलना करने लायक उनमें एक प्रतिशत भी समानता नहीं है।"

दिलचस्प बात यह है कि 1920 के दशक में मोहनजोदड़ो की खुदाई का नेतृत्व करने वाले ब्रिटिश पुरातत्वविद जॉन मार्शल ने इस आकृति को "प्रोटो-शिव" या पशुओं के स्वामी पशुपति के प्रारंभिक रूप के तौर पर पहचाना था। पिछली लगभग आधी सदी से यह व्याख्या लोगों की आम समझ को प्रभावित करती रही है, हालांकि समय-समय पर विरोधी मत भी सामने आते रहे हैं। ट्रुश्के ने एक बार फिर इस बहस को हवा दे दी है, जिसमें स्पष्ट रूप से राजनीतिक संकेत भी दिखाई दे रहे हैं।

'रिज़र्व आदेशों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घोषणा और जमानत निर्णयों की समय पर अनुपालना को सुनिश्चित किया जा सके।

शिक्षकों के लिए अनिवार्य टीईटी की डेडलाइन एक साल बढ़ी

नई दिल्ली, 29 मई। सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षकों के लिए अनिवार्य टीईटी पास करने की डेडलाइन एक साल के लिए बढ़ा दी है।

अब यह पात्रता हासिल करने के लिए शिक्षकों को 31 अगस्त, 2028 तक का मौका दिया गया है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने मौजूदा टीचरों को इस परीक्षा से छूट देने से साफ इनकार कर दिया है और कहा है कि उन्हें यह परीक्षा पास करनी ही होगी।

सुप्रीम ने मौजूदा टीचरों को टीईटी पात्रता परीक्षा से छूट देने की गुजारिश यह कहकर ठुकरा दी है कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए योग्य टीचर जरूरी हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से देशभर के लाखों टीचरों को टीईटी पास करने के लिए दो साल से ज्यादा की मोहलत मिल गई है।

- सुप्रीम कोर्ट ने डेडलाइन बढ़ाई पर मौजूदा शिक्षकों को परीक्षा से छूट देने से इंकार किया।

सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले के बाद अब टीचरों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पास करने के लिए 31 अगस्त, 2027 की जगह 31 अगस्त, 2028 तक की मोहलत मिल गई है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस दीपांकर दत्ता की अगुवाई वाली बेंच ने कई पुनर्विचार याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया है।

शिक्षक पात्रता परीक्षा उन लोगों के लिए आयोजित होती है, जो देश भर में सरकारी या सरकारी सहयता प्राप्त या प्राइवेट स्कूलों में क्लास 1 से 8 तक टीचर के पदों पर नियुक्त होना चाहते हैं या पहले से काम कर रहे हैं, लेकिन यह परीक्षा पास करना बाकी है।

टीचरों को टीईटी से छूट देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के शिक्षक संगठनों और राज्य सरकारों ने पुनर्विचार याचिका दायर की थी।

'जांच के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वहीं अदालत में एडीजी वीके सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी अदालत में हाजिर हुए।

एडीजी सिंह की ओर से कहा गया कि अदालती आदेश की पालना में डीजीपी ने एक कमेटी गठित की है। जिसने रिपोर्ट दी है कि पुलिस थानों में अलग-अलग कानून व्यवस्था, अनुसंधान और प्रशासनिक विंग स्थापित की जाएगी।

इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट के लिए 20 पुलिस थानों को चिन्हित किया गया है। रिपोर्ट में यह भी माना गया कि शहरी पुलिस थानों में एक जांच अधिकारी के पास 40 से 70 मुकदमों की जांच रहती है। वहीं महिला अपराध और संपत्ति से जुडे मामले में सजा का प्रतिशत भी 40 से 50 फीसदी के बीच है। सभी पक्षों को देखने के बाद अदालत ने पुलिस प्रशासन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

जहरीली शराब से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुणे सिटी पुलिस ने हडपसर थाने में आकाश जाधव और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जांच में सामने आया है कि योगेश वानखेड़े ने ही दोनों जगहों पर शराब की सप्लाई की थी।

मामले में पुणे की उरुली कांचन पुलिस ने जहरीली शराब पीने से लगातार हुई मौतों के बाद शिंदेवडे और भवरापुर में अवैध शराब की भट्टियों पर छापा मारा और एक लाख रुपये से अधिक का सामान जब्त कर लिया। मामले की जांच में चौकाने वाला खुलासा हुआ है कि मुख्य आरोपी योगेश वानखेड़े ने अवैध देशी शराब का नशा बढ़ाने के लिए ई-कॉमर्स वेबसाइट के जरिये मेथेनॉल खरीदा था।

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने इस घटना पर सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने पुणे और पिंपरी चिंचवड़ के पुलिस आयुक्तों को दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दोनों शहरों की पुलिस को आपसी तालमेल के साथ जांच करने को कहा है।

यूपी में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीच बेतवा नदी पर एक नया पुल का निर्माण पिछले तीन सालों से चल रहा है। आज तड़के करीब तीन बजे सभी मजदूर निर्माणाधीन पुल के नीचे सो रहे थे। तभी तेज आंधी और तूफान के दौरान पुल की स्लैब शटरिंग भरभराकर ढ ह गई, हादसे में कई मजदूर मलबे में दब गए। सूचना पाते ही पुलिस और सेतु निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ को लगाया गया है। बचाव दल ने पुल के पिलर में फंसे तीन मजदूरों को बचा लिया गया है।

मौसम विभाग ने सामान्य से कम बारिश की भविष्यवाणी की

मौसम विभाग ने जून में और तेज लू चलने की चेतावनी भी दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 मई। भारत इस वर्ष एक चुनौतीपूर्ण मानसून मौसम की ओर बढ रहा है। मौसम विभाग ने देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम बारिश का अनुमान जताया है और चेतावनी दी है कि जून से ही कई राज्यों में सामान्य से अधिक लू वाले दिन देखने को मिल सकते हैं।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को जून-सितंबर मानसून मौसम के लिए अपना दूसरा चरण का दीर्घकालिक पूर्वानुमान जारी किया। इसमें देशभर में बारिश को दीर्घकालिक औसत (एलपीए) का 90 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। मॉडल में चार प्रतिशत की त्रुटि की संभावना भी बताई गई है।

आईएमडी के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस बार मानसून देश के बडे हिस्सों में सामान्य से कम रह सकता है। उन्होंने कहा, हम जून-सितंबर मानसून का दूसरा चरण का अपडेट दे रहे हैं। मात्रात्मक रूप से हम एलपीए का 90 प्रतिशत बारिश का अनुमान लगा रहे हैं, जिसमें चार प्रतिशत मॉडल त्रुटि की संभावना है।

- पत्रकारों से वार्ता में मौसम विभाग के अफसरों ने चुनौतीपूर्ण मानसून की भविष्यवाणी करते हुए कहा कि देश के अधिकांश भागों में सामान्य से कम वर्षा होगी।
- विभाग ने कहा कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार, ओडिशा, गुजरात, छत्तीसगढ़, आँध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना व तमिलनाडु में ज्यादा लंबे समय तक गर्म लू चलने की आशंका है।

क्षेत्रीय तस्वीर काफी असमान दिखाई दे रही है। पूर्वोत्तर भारत में सामान्य बारिश होने की संभावना है, जो 94 से 106 प्रतिशत के दायरे में रहेगी। लेकिन मध्य भारत, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत, उत्तर-पश्चिम भारत और मानसून कोर ज़ोन, जो खेती के लिए सबसे ज्यादा मानसूनी बारिश पर निर्भर क्षेत्र है, वहां सामान्य से कम बारिश का अनुमान है।

विशेष रूप से जून महीने में देश के अधिकांश हिस्सों में एलपीए के 92 प्रतिशत से कम बारिश होने की संभावना है। हालांकि उत्तर-पश्चिम भारत, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिणी प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों में सामान्य या सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है।

कम बारिश की आशंका के साथ आईएमडी ने जून की शुरुआत में भीषण गर्मी की चेतावनी भी दी है। देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है। केवल मध्य, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में इससे थोड़ी राहत मिल सकती है।

उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ , गुजरात और आंध्र प्रदेश में सामान्य से अधिक लू वाले दिनों का अनुमान है। वहीं महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी गर्मी का दबाव बढ सकता है।

हालांकि उत्तर-पश्चिम भारत को फिलहाल थोड़ी राहत मिलने की संभावना है। आईएमडी ने गुरुवार को अगले तीन दिनों में पश्चिमी विक्षोभ और पूर्वी हवाओं के कारण तेज गर्मी से राहत का अनुमान जताया है। इससे कई इलाकों में आंधी, तेज हवाएं और ओलावृष्टि हो सकती है।

इस पूर्वानुमान के पीछे सबसे बड़ी चिंता समुद्री परिस्थितियों का एल नीनो की ओर बढ़ना है। एल नीनो एक ऐसी मौसमीय स्थिति है, जिसे दक्षिण एशिया में कमजोर मानसून से जोड़कर देखा जाता है। महापात्र ने कहा कि फिलहाल तटस्थ ईएनएसओ परिस्थितियां बदल रही हैं और जून तक एल नीनो बनने की संभावना 82 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। जुलाई और अगस्त तक इसके 90 प्रतिशत से ऊपर जाने की आशंका है। वहीं, "न्यूट्रल इंडियन ओशन डाइपोल" (भारतीय महासागर द्विध्रुव) की तटस्थ स्थिति पूरे मौसम में बनी रहने की संभावना है, जिससे कोई विशेष संतुलन नहीं मिल पाएगा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर देश का पहला स्काई सिस्टम लॉंच

नई दिल्ली, 29 मई। कोहरे के कारण उड़ानों में देरी में अब कमी आएगी। शुक्रवार को दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल तीन पर भारत के पहले स्काई कास्ट सिस्टम की शुरुआत की गई। इसके जरिए पायलटों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल को रियल-टाइम मौसम संबंधी जानकारी मिलेगी, जिससे कोहरे, खराब दृश्यता और मौसम संबंधी अन्य समस्याओं के कारण होने वाली फ्लाइट देरी, डायवर्जन और कैंसिलेशन में कमी आएगी। भारत ऐसा एडवांस इंटीग्रेटेड एविएशन वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने वाला दुनिया का 19वां देश बन गया है।

- अब दिल्ली एयरपोर्ट पर कोहरे से उड़ानों में देरी नहीं होगी।

इस मौके पर केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्काई कास्ट सिस्टम का उद्घाटन करते हुए इसे भारतीय विमानन क्षेत्र में एक बड़ी तकनीकी उपलब्धि बताया। उन्होंने बताया कि दिल्ली के बाद अगला स्काई कास्ट सिस्टम जेवर एयरपोर्ट पर स्थापित किया जाएगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से देश के अन्य एयरपोर्ट्स पर भी इस तकनीक का विस्तार किया जाएगा।

एसओजी ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी के कर्मचारी को गिरफ्तार किया

जयपुर, 29 मई। राजस्थान लोकसेवा आयोग (आरपीएससी) की प्राध्यापक-हिंदी (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2022 में फर्जी डिग्री के जरिए सरकारी नौकरी हासिल करने के मामले में राजस्थान स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए मेवाड़ यूनिवर्सिटी, गंगरार (चित्तौड़गढ) के फाइलिंग असिस्टेंट बीरेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर 30 मई तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है। एसओजी को पूछताछ में फर्जी डिग्री गिरोह से जुड़े कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है।

- आरपीएससी में भर्ती के लिए प्रत्याशी को फर्जी डिग्री उपलब्ध कराई।

एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि प्राध्यापक-हिंदी भर्ती परीक्षा-2022 में पात्रता जांच के दौरान अभ्यर्थी ब्रह्मा कुमारी ने आयोग में मेवाड़ यूनिवर्सिटी, गंगरार से जारी एमए हिंदी की डिग्री प्रस्तुत की थी। दस्तावेजों के सत्यापन में सामने आया कि यह डिग्री विश्वविद्यालय द्वारा जारी ही नहीं की गई थी। जांच में यह भी सामने आया कि अभ्यर्थी ने झूठा शपथ पत्र पेश कर फर्जी डिग्री के आधार पर नियुक्ति हासिल करने का प्रयास किया था। इस संबंध में अजमेर के सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज किया गया, जिसकी जांच एसओजी कर रही है।

एसओजी जांच में खुलासा हुआ कि मेवाड़ यूनिवर्सिटी के फाइलिंग असिस्टेंट बीरेंद्र सिंह ने यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट कौशल किशोर चंद्रुल, ध्वज कीर्ति शर्मा, सुशील कुमार शर्मा, राजेश सिंह राणावत और अन्य लोगों के साथ मिलकर पूरी साजिश रची। आरोपी ने अपनी ईमेल आईडी से दिल्ली स्थित एक प्रिंटिंग प्रेस को मेल भेजकर ब्रह्मा कुमारी के नाम से एमए (हिंदी) की फर्जी डिग्री छपवाई। बाद में यूनिवर्सिटी के अधिकारियों के हस्ताक्षर करवाकर यह डिग्री अभ्यर्थी को उपलब्ध कराई गई।

एसओजी के अनुसार, आरोपी बीरेन्द्र सिंह के खिलाफ पहले भी अजमेर के सिविल लाइंस थाने में फर्जी डिग्री जारी करने में सहयोग करने का मामला दर्ज हो चुका है, जिसमें उसे गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा, गुजरात के आनंद थाने में भी इसी प्रकार का मामला दर्ज है, जहां उसकी गिरफ्तारी भी हो चुकी है। एसओजी ने बताया कि इस फर्जी डिग्री प्रकरण में अब तक मुख्य अभ्यर्थी ब्रह्मा कुमारी सहित, कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी बीरेन्द्र सिंह मूल रूप से दोगाथ उत्तर प्रदेश का निवासी है और वर्तमान में गाजियाबाद में रह रहा था। एसओजी अब इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और फर्जी डिग्री नेटवर्क की कड़ियों को खंगालने में जुटी है।

वाइस एडमिरल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद साउथ ब्लॉक में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वाइस एडमिरल कोचर ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नौसेना की उच्च-स्तरीय युद्ध-तैयारी का नेतृत्व किया था। उन्होंने भारतीय नौसेना के 48वें वाइस चीफ के रूप में कार्यभार संभाला। वे अपने साथ नौसेना मुख्यालय में अग्रिम मोर्चे का व्यापक अनुभव लेकर आए हैं। नौसेना के दूसरे सबसे बड़े अधिकारी के तौर पर कमान संभालने से पहले उन्होंने अंडमान और निकोबार कमांड के कमांडर-इन-चीफ के तौर पर काम किया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908